3 राजधानी
सचिवालय में नवीनीकरण के लिए 35.99 करोड़ मंजूर

9 विदेश
रूसी सीमा पर 12 हजार जवान भेजे

10 स्वास्थ्य
इस पर आंखें न फेरें

12 स्पोर्ट्स
अय्यर और बुमराह के खेल से भारत हावी

RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 10 अंक 126
नई दिल्ली, रविवार, 13 मार्च, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मकसद लगातार खुद को नए सिरे से पेश करना है: पेडनेकर
विविध-11

सोनिया गांधी और प्रियंका कर सकती हैं इस्तीफे की पेशकश

- पांच राज्यों में चुनावी हार पर मंथन के लिए कांग्रेस कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठकआज
- कर्नाटक के प्रभावशाली नेता सीएम इब्राहिम ने कांग्रेस छोड़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

पांच राज्यों में चुनावी हार पर चर्चा के लिए रविवार को होने वाली कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में सोनिया गांधी अंतरिम पार्टी अध्यक्ष और प्रियंका गांधी महासचिव पद से अपने इस्तीफे की पेशकश कर सकती हैं। हालांकि पार्टी ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि ये सभी भाजपा के कहने पर मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा फैलाई गई अफवाहें हैं।

अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि सोनिया और प्रियंका के इस्तीफे की संभावना है, क्योंकि हार से आलाकमान काफी उदास है। सूत्रों ने कहा कि सोनिया के इस्तीफा देने की स्थिति में पार्टी को संगठनात्मक चुनाव कराने की दिशा में ले जाने के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे या गुलाम नबी आजाद जैसे वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। एआईसीसी के सूत्रों ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष के चुनाव में काफी देर होने से फैले असंतोष को दूर करने और पार्टी को व्यवस्थित करने पर चर्चा हो सकती है। इस बीच, सीडब्ल्यूसी की बैठक से एक दिन पहले कर्नाटक के प्रभावशाली नेता सीएम इब्राहिम कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की सूची में शामिल हो गए। उन्होंने यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के आश्वासन के बावजूद पिछले 12 वर्षों से उनकी शिकायतों का समाधान नहीं किया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और देवेगौड़ा के कभी करीबी सहयोगी रहे इब्राहिम 2008 में कांग्रेस में शामिल हुए थे और पिछले कुछ समय से पार्टी और सिद्धारमैया से नाराज चल रहे थे। पार्टी मुख्यालय में होने वाली बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी करेंगी। पार्टी के सूत्रों ने कहा कि बैठक में जी-23 नेताओं से कुछ सीधी बात भी की जा सकती है। संगठनात्मक बदलाव की मांग कर रहे जी-23 के नेताओं ने शुक्रवार शाम वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के आवास पर बैठक कर महत्वपूर्ण सीडब्ल्यूसी बैठक से पहले अपनी रणनीति तैयार की। आजाद और वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा समूह के दो नेता ऐसे हैं, जो सीडब्ल्यूसी का हिस्सा हैं। इन दोनों के अलावा कपिल सिब्बल और मनीष तिवारी भी पांच राज्यों में चुनाव परिणाम घोषित होने के 24 घंटे के भीतर आजाद के आवास पर हुई बैठक में शामिल हुए थे।

सूत्रों ने कहा कि चुनावों का मूल्यांकन करने के अलावा, मुख्य चिंता अब इस साल सितंबर तक संगठनात्मक चुनाव कराना और पार्टी के पूर्णकालिक सक्रिय अध्यक्ष के लिए पिच तैयार करना होगा। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पंजाब समेत चार अन्य राज्यों- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में से कोई भी नहीं जीत सकी, जबकि उसे पंजाब में वापसी और उत्तराखंड व गोवा में भाजपा से सत्ता छीनने की उम्मीद थी। चुनावी हार के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जो कि जी-23 नेताओं में शामिल हैं, ने गुरुवार को कहा था कि पार्टी में बदलाव अपरिहार्य है।

गोकुलपुरी की झुग्गियों में लगी आग, सात मरे

- मरने वालों में एक ही परिवार के पांच लोगों के अलावा दो नाबालिग भाई-बहन भी शामिल
- राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दुर्घटना पर दुख जताया, दिल्ली सरकार ने किया दस लाख तक मुआवजे का ऐलान

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके की झोपड़ियों में लगी आग के बाद राहत और बचाव कार्य के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में मेट्रो लाइन के नीचे बनी झुग्गी बस्ती में शुक्रवार देर रात भीषण आग लग गई। हादसे में पांच नाबालिगों समेत सात लोगों की जान चली गई। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने 13 गाड़ियों की मदद से तीन घंटे में आग को काबू किया। मरने वालों में एक ही परिवार के पांच लोगों के अलावा दो नाबालिग भाई-बहन भी शामिल हैं। इस आगजनी में करीब 33 झुग्गियां जल गईं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर गहरी संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोपहर को खुद घटना स्थल पर पहुंचे और मारे गए नाबालिगों के परिजनों को पांच-पांच लाख व व्यस्कों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया। इसके अलावा मामूली रूप से झुलसे लोगों को 20 हजार रुपये देने की घोषणा की गई। वहीं जिन लोगों की झुग्गियां हादसे में जली हैं, उन परिवारों को फौरन 25-25 हजार रुपये मिलेंगे। पुलिस के मुताबिक आगजनी की घटना शक्रवार देर रात करीब 1.03 बजे गोकुलपुर गांव, मेट्रो पिलर नंबर-12 के पास हुई। यहां करीब एक-एक हजार गज के दो प्लाटों में करीब 60 झुग्गियां बसी हुई हैं। देर रात को अचानक झुग्गियों में आग लग गई। इस दौरान एक झु ?ग्गी में गांव फाजिलपुर, उन्नाव उत्तर प्रदेश निवासी रज्जन नामक शख्स का परिवार फंस गया। दूसरी ओर खेड़ा गांव, उन्नाव निवासी पिंटू के दो बच्चे भी आग में घिर गए। अफरा-तफरी के बीच कई झुग्गियों में रखे छोटे सिलिंडर फटने लगे। तड़के करीब 4 बजे के आसपास किसी तरह आग पर काबू पाया गया। रज्जन की झु ?ग्गी से उसके बेटे बबलू (30 साल), रंजीत (17 साल), बे ?टी रेशमा (16 साल), बेटे सुजीत की गर्भवती पत्नी प्रियंका (22 साल) और बबलू के बेटे अमित उर्फ शहंशाह (11 साल) के शव निकाले गए। वहीं दूसरी ओर पिंटू के दो बच्चे जान बचाने के लिए एक पड़ोसी महिला की झुग्गी में घुस गए थे। आग पर काबू पाने के बाद पिंटू के दोनों मासूम बच्चों दीपिका (8 साल) और रोशन (12 साल) के शव पड़ोसी की झुग्गी से निकाले गए। घटना में रज्जन की पत्नी मुन्नी देवी और बेटा सुजीत मामूली रूप से झुलस गए थे। अस्पताल में इलाज के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि रज्जन का परिवार घर में रखे सामान व 11 वर्षीय अमित को निकालने के लिए झुग्गी में गया था। लेकिन परिवार के पांच लोग अंदर फंसकर मौत के मुंह में चले गए। दूसरी ओर पिंटू अपनी पत्नी और दोनों बेटियों को लेकर सुरक्षित निकल गया लेकिन उसके बाकी दोनों बच्चे दीपिका और रोशन किरण नामक महिला की झुग्गी में जान बचाने के लिए घुस गए। दोनों वहीं फंस गए। पिंटू बच्चों का तलाश करता रहा। आग पर काबू पाने के बाद दोनों बच्चों का शव किरण की झुग्गी में मिला। आग कैसे लगी फिलहाल कारणों का पता नहीं लग सका है। आशंका है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी।

आप हिमाचल में लड़ेगी चुनाव, देशभर में विस्तार की रणनीति

- पंजाब जीत से उम्मीदों को लगे पंख, हिमाचल के साथ हरियाणा और दक्षिणी राज्यों को बना रही अगला लक्ष्य

संजय राय। नई दिल्ली

पंजाब विधानसभा चुनाव में दमदार जीत के बाद आम आदमी पार्टी ने पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए ताल ठोक दी है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शिमला में शनिवार को प्रदेश में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। साथ ही पार्टी ने दक्षिणी राज्यों में बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाने का फैसला किया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने कहा कि उनकी पार्टी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में सदस्यता अभियान शुरू करेगी। सूत्रों का यह भी कहना है कि पार्टी पड़ोसी पंजाब में जबरदस्त सफलता से उत्साहित है, इसलिए पड़ोसी राज्य हरियाणा में भी इस बार पूरी मजबूती से उतरने की रणनीति पर काम कर रही है। सत्येंद्र जैन ने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस और भाजपा दोनों की पार्टियों की सरकारों से लोग दुखी हुए हैं। आम आदमी पार्टी (शेष पेज 8)

आम आदमी पार्टी नेता भगवंत मान ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मुलाकात की

मान ने सरकार बनाने का दावा पेश किया, शपथ 16 को

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी नेता भगवंत मान ने शनिवार को राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मुलाकात की और सभी विधायकों का समर्थन सौंपते हुए राज्य में अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने उनका दावा स्वीकार कर नई सरकार बनाने का न्यौता दिया। भगवंत मान के 16 मार्च को 12.30 बजे खटकड़ (शेष पेज 8)

ईपीएफओ ने भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर घटाकर 8.1% की

- बीते चार दशक से भी अधिक समय में सबसे कम ब्याज दर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वित्तवर्ष 2021-22 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर ब्याज दर इससे पिछले वित्त वर्ष की 8.5 प्रतिशत से घटाकर 8.1 फीसदी करने का प्रस्ताव शनिवार को किया गया। यह बीते चार दशक से भी अधिक समय में सबसे कम ब्याज दर है। इससे पहले ईपीएफ पर ब्याज दर सबसे कम 8 फीसदी 1977-78 में थी। ईपीएफओ ने 31 मार्च को समाप्त हो रहे चालू वित्त वर्ष के लिए ब्याज दर उसके करीब पांच करोड़ सदस्यों के लिए तय की।

श्रम मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में गुवाहाटी में हुई सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) की बैठक में ब्याज दर को 8.1 फीसदी करने की अनुशंसा की गई। एक सूत्र ने बताया, ईपीएफओ की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की शनिवार को बैठक हुई जिसमें वित्त वर्ष 2021-22 (31 मार्च 2022 को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष) के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर 8.10 फीसदी रखने का फैसला लिया गया। इस अनुशंसा को केंद्रीय वित्त मंत्रालय के पास भेजा जाएगा और उससे मंजूरी मिलने पर इसे अधिसूचित किया जाएगा। बयान में कहा गया, सरकारी गजट में ब्याज दर आधिकारिक रूप से अधिसूचित की जाएगी जिसके बाद ईपीएफओ अपने सदस्यों के (शेष पेज 8)

दिल्ली में तय होगा यूपी की नई सरकार का चेहरा

- मुख्यमंत्री योगी आज प्रधानमंत्री सहित अन्य नेताओं से मिलेंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सत्ता में वापसी के जश्न के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल 13 मार्च को दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। सीएम वहां पीएम नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। जिसमें नई सरकार के गठन और मंत्रिमंडल को लेकर मंथन होना है। इसके बाद प्रदेश में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया को रफ्तार मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात में लगातार दो दिन के दौरे में व्यस्त रहने के कारण कार्यवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब नई दिल्ली में कल उनके व भाजपा के अन्य शीर्ष नेताओं के साथ भेंट करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ की भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, धर्मेन्द्र प्रधान तथा संगठन के बड़े पदाधिकारियों के साथ मुलाकात का कार्यक्रम है। इस दौरान नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही नए मंत्रिमंडल पर भी चर्चा होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को सुबह आठ बजे लखनऊ से प्रस्थान कर गाजियाबाद के हिंडन बेस पर लैंड करने के बाद दिल्ली जाएंगे।

यूपी में शपथ ग्रहण कार्यक्रम के लिए भाजपा संगठन ने कुछ तारीखों को केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा है। इस सम्बन्ध में नई दिल्ली में होने वाली बैठक में शपथ ग्रहण की तारीख पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। दिल्ली में होने वाली बैठक में भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और संगठन महामंत्री सुनील बंसल भी मौजूद रहेंगे। दिल्ली में 13 मार्च से यूपी संगठन के साथ बैठकों का दौर शुरू होगा। प्रदेश में सारे मिथक को तोड़कर भाजपा को बड़ी सफलता दिलाने वाले योगी आदित्यनाथ का एक बार फिर से मुख्यमंत्री बनना तय माना जा रहा है। वह प्रदेश में भाजपा के ऐसे पहले मुख्यमंत्री होंगे जो कि दोबारा जीतकर सरकार बनाने जा रहे हैं। भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में भी सीएम योगी आदित्यनाथ की छवि पार्टी के लिए काफी लाभदायक साबित होने वाली है। इससे भाजपा के मिशन 2024 को पूरा करने में काफी मदद मिलेगी।

योगी आदित्यनाथ का कद आने वाले समय में उत्तर प्रदेश ही नहीं देश की राजनीति की दिशा तय करेगा। मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में योगी आदित्यनाथ का यह पहला चुनाव था और वह इसमें सफल रहे। ऐसे में निश्चित तौर पर पार्टी में योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ा है और वह पहली पंक्ति के नेताओं में आ गए हैं। माना जा रहा है कि इस जीत के बाद योगी आदित्यनाथ अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बाद भाजपा का सबसे बड़ा चेहरा हैं। देश में 2024 में लोकसभा चुनाव प्रस्तवित हैं और केन्द्र में सरकार बनाने में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों की बड़ी भूमिका (शेष पेज 8)

बाजार

सेंसेक्स	55,550	
निफ्टी	16,630	
सोना	53,033	/10g
चांदी	70,449	/kg

क्विक न्यूज

मायावती ने टीवी बहस में प्रवक्ताओं के शामिल होने पर रोक लगाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली करारी हार के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा)सुप्रीमो मायावती ने अपने सभी प्रवक्ताओं के टीवी बहस आदि कार्यक्रमो मे शामिल होने पर रोक लगा दी है। बसपा प्रमुख ने शनिवार को एक ट्वीट में आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान मीडिया द्वारा जातिवादी द्वेषपूर्ण व घृणित रवैया अपनाकर अम्बेडकरवादी बसपा आंदोलन को नुकसान पहुंचाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि इस हालत मे पार्टी प्रवक्ताओं को भी नई जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसलिए पार्टी के सभी प्रवक्ता सुधीन्द्र भदौरिया, धर्मवीर चौधरी, डा. एम एच खान, फैजान खान व सीमा कुशवाहा अब टीवी बहसों आदि कार्यक्रमो मे शामिल नही होंगे।

रूस ने कीव के पास हमले किए, मस्जिद को निशाना बनाया

एपी। ल्वीव

यूक्रेन की सरकार ने शनिवार को कहा कि रूसी बलों ने मारियूपोल शहर की एक मस्जिद को निशाना बनाया, जिसमें 80 से अधिक लोग ठहरे हुए थे। इस बीच, यूक्रेन की राजधानी कीव के पास रूसी हमले तेज हो गए हैं। हालांकि, सरकार की ओर से जारी बयान में हताहतों की संख्या को लेकर तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले तुर्की में स्थित यूक्रेनी दूतावास ने जानकारी दी कि रूस की तरफ से जारी हमले के बीच मारियूपोल में फंसे 86 तुर्की नागरिकों का समूह, जिनमें 34 बच्चे शामिल हैं, वहां से निकलने का प्रयास कर रहा है।

दूतावास की एक प्रवक्ता ने मारियूपोल के मेयर के हवाले से यह जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि मारियूपोल में किसी से भी संपर्क साधना मुश्किल हो रहा है। वहीं, रूसी सेना शुक्रवार को जहां उत्तर-पूर्व की ओर से कीव की तरफ बढ़ती दिखी, वहीं यूक्रेन में हवाई हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिका ने कहा है कि रूस ने यूक्रेन पर अब तक करीब 810 मिसाइलें दागी (शेष पेज 8)

यूक्रेन में एक इमारत पर रूसी सेना ने बम से हमला किया

प्रतिबंधों का अंतरिक्ष स्टेशन पर पड़ सकता है प्रभावः रूस

मॉस्को(एपी)। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और अन्य अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों को एक पत्र लिखकर रूस पर लगे प्रतिबंध को समाप्त करने को कहा है, अन्यथा इससे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) खतरे में पड़ सकता है। रॉसकॉस्मॉस के प्रमुख दमित्री रोगोजनि ने शनिवार को ट्वीट करके कहा कि पत्र में अमेरिकी, कनाडाई और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों से (शेष पेज 8)

वयस्क गरीबों में दृष्टिहीनता का बड़ा कारण है ट्रेकोमा

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

- बीमारी के प्रसार का आकलन करने के लिए चल रहा एम्स का राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण

आंखों की बीमारी ट्रेकोमा ट्राइकियासिस (टीटी) के व्यापक आकलन के लिए भारत के आठ राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 200 जिलों में बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस बीमारी के कारण गरीब व्यक्ति में अंधापन होता है, जिसका कुछ साल पहले देश से उन्मूलन कर दिया गया था। ट्रेकोमा आंखों का संक्रमण है, जो पलकों को नुकसान पहुंचाता है। यह पलकों को अंदर की ओर मोड़ने का कारण होता है। इसका बिगड़ा स्वरूप ट्राइकियासिस है जो आमतौर पर इलाज नहीं होने के कारण बार बार संक्रमणों के बाद वयस्क अवस्था में होता है।

ट्राइकियासिस तब होता है जब पलकें मुड़ी हुई होती हैं और आंखों की पुतलियों को बार-बार रगड़ती है। यह एक दर्दनाक स्थिति है जो लगातार और स्थायी दृश्य हानि का कारण बन सकती है। इस बीमारी आंख से बचाव के लिए समय पर सर्जरी की जरूरत होती है। ट्रेकोमा 20 उपेक्षित ट्रापिकल रोगों (एनटीडी) में से एक है जो दुनिया के एक अरब से अधिक सबसे गरीब लोगों को प्रभावित करता है।

सर्वे मैन के रूप में प्रसिद्ध दिल्ली एम्स के आरपी सेंटर के कम्युनिटी ऑप्थल्मोलॉजी डिवीजन के प्रोफेसर प्रवीण वशिष्ठ ने पिछले साल शुरू किए गए सर्वेक्षण को पूरा कर लिया है। डब्ल्यूएचओ पहल के साथ साझेदारी में सर्वे में ट्रॉपिकल डेटा के अनुसार 55 जिलों में अब तक प्रसार की दर लगभग .27 फीसदी पाई गई है। सर्वेक्षण पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और अंडमान में कार निकोबार द्वीप में किया जा रहा है। संयोग से भारत ने 2018 में बच्चों के बीच ट्रेकोमा उन्मूलन की घोषणा की थी, लेकिन वयस्कों में स्थानिक राज्यों में कुछ मामले सामने आए हैं।

एम्स के आरपी सेंटर के प्रमुख डॉ. जेएस टिटियाल ने द पायनियर को बताया कि सर्वेक्षण का उद्देश्य भारत में पहले ट्रेकोमा-स्थानिक राज्यों में ट्रेकोमा के कारण अंधापन होने सहित ट्राइकियासिस की व्यापकता का आकलन करना है। प्रत्येक जिले में सुरक्षित रणनीति के तहत टीटी मामलों की पहचान स्वास्थ्य प्रणाली के लिए अज्ञात बीमारी की पहचान के साथ-साथ ट्रेकोमा निगरानी के कार्यान्वयन की प्रभावशीलता का अध्ययन करना है। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण की योजना उन राज्यों के 200 जिलों में बनाई गई है जो पिछले ट्रेकोमा रैपिड असेसमेंट (औचक मूल्यांकन) और व्यापकता सर्वेक्षण में हाइपर-एंडेमिक पाए गए थे यह 2023 तक पूरा हो जाएगा।

डॉ. टिटियाल ने कहा कि 1,79,871 व्यक्तियों की जांच की गई और उनमें से 50 व्यक्तियों में टीटी पाया गया। उन्होंने बताया कि टीटी (स्वास्थ्य प्रणाली के लिए अज्ञात) का संचयी प्रसार अब तक प्रति 1000 पर 0.27 फीसदी है। ट्रेकोमा की व्यापकता भारत में केवल 0.7 फीसदी पाई गई है, जो डब्ल्यूएचओ द्वारा परिभाषित संक्रामक ट्रेकोमा के उन्मूलन मानदंड से काफी नीचे है।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 13 मार्च 2022

ट्विन्स टावर ध्वस्तीकरण में आई बड़ी समस्या

बेसमेंट में घुसा सैकड़ों लीटर नाले का पानी, बिना निकाले नहीं हो सकता विस्फोट

● 43 मंजिल इमारत को 14 मई तक किया जाना है ध्वस्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के ट्विन्स टावर में काफी समय तक कोई नहीं घुसा था, जिसकी वजह से ट्विन्स टावर के बेसमेंट में सैकड़ों लीटर पानी भर गया। यह पानी आसपास की सोसाइटी और नाले का है। जब तक बेसमेंट से पानी नहीं निकाला जाएगा, तब तक ट्विन्स टावर पूरी तरीके से ध्वस्त नहीं होगा। अब ट्विन्स टावर को तोड़ने से पहले बेसमेंट से सैकड़ों लीटर पानी को निकाला जा रहा है। इसके लिए मशीनें लगाई गई हैं। इसका कार्य ट्विन्स टावर तोड़ने वाली एजेंसी कर रही है।

ट्विन्स टावर ध्वस्तीकरण करने का कार्य काफी तेजी पर है। दक्षिण अफ्रीका के एजेंसी को इसका जिम्मा मिला है। आगामी 14 मई तक ट्विन्स टावर की 43 मंजिला इमारत को ध्वस्त किया जाना है। जिसके लिए विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा।

अब इन टावरों को तोड़ने के लिए एक बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। ट्विन्स टावर के बेसमेंट में बराबर से गुजर रहे नाले और आसपास की सोसाइटी का गंदा पानी अंदर घुस गया है। यह पानी बेसमेंट में भर गया है। अब इस पानी को मशीन के द्वारा निकाला जा रहा है। एजेंसी का कहना है कि जब तक पानी पूरी तरीके से बाहर नहीं निकल जाएगा और बेसमेंट सूख नहीं जाएगा, तब तक ट्विन्स टावर को पूरी तरीके से ध्वस्त नहीं किया जा सकता।

आपको बता दें कि इमारतों को ध्वस्त करने वाली कंपनी एक्सजीक्यूट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और ध्वस्तीकरण विशेषज्ञ आनंद शर्मा ने बताया कि जिस समय विस्फोटक से दोनों टावरों को गिराया जाएगा, उस समय मलबे से करीब 60 मंजिल ऊंचा धूल का गुबार उठेगा। जिससे आसपास में प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा बढ़ जाएगा, लेकिन इमारतों को इससे बचाने के लिए वाटर जैट, फायर टेंडर और फव्वारों का इंतजाम किया जाएगा।

इसको लेकर फायर विभाग ने एनओसी भी दे दी है। इमारत के ध्वस्तीकरण के दौरान जो मलबा निकलेगा, उसे री-साइकिल किया जा सकता है। यदि री-साइकिल किया जाता है तो एनजीटी के सभी मानकों का पालन इनको करना होगा। पर्यावरणविद का मानना है कि री-साइकिल के लिए एक प्लांट आसपास ही लगाया जाए। सेक्टर-82 में लगे प्लांट तक ले जाने में समस्या के साथ पर्यावरण प्रदूषण का खतरा भी ज्यादा होगा।

चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री से मिले विधायक पंकज सिंह

नोएडा। नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने शनिवार की सुबह लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की है। पंकज सिंह ने उन्हें उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक जीत के लिए शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने भी पंकज सिंह को नोएडा में शानदार जीत की बधाई दी है। दोनों नेताओं के बीच नोएडा और गौतमबुद्धनगर से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई है।

पंकज सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। राज्य सरकार के काम को जनता ने स्वीकार किया है। मैंने उन्हें इस ऐतिहासिक विजय के लिए बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्धनगर के मतदाताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया है। जिले की तीनों सीट बड़े अंतर से भाजपा ने जीती हैं। नोएडा और गौतमबुद्ध नगर से जुड़े मुद्दों पर नई सरकार तेजी से काम करेगी।

नोएडा के विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार

ब्लू लाइन से एक्वा लाइन को जोड़ने के लिए सीईओ ने किया टेंडर जारी

● प्राधिकरण सीईओ ने अधिकारियों संग की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही विकास कार्यों में तेजी आ गई है। अब अटके हुए काम तेजी के साथ किए जाने की योजना बनाई जा रही है। शुक्रवार को नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु महेश्वरी ने नोएडा प्राधिकरण के अफसरों के साथ बैठक की।

यूपी विधानसभा चुनाव रिजल्ट आने के बाद यह पहली बैठक है और इस बैठक में 80 करोड़ रुपए के टेंडर जारी किए गए हैं। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की एक्वा लाइन के सेक्टर-51 और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की ब्लू लाइन के सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन को जोड़ने के लिए 420 मीटर का फुटओवर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को लेकर सीईओ ऋतु महेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्लू लाइन और एक्वा लाइन को जोड़ने के लिए 31 मार्च तक एजेंसियों से आवेदन मांगे हैं।

एफओबी के बनने के बाद रोजाना लाखों यात्रियों को आसानी होगी। इसके बन जाने से यात्रियों को एक स्टेशन से उतरकर दूसरे स्टेशन नहीं जाना पड़ेगा। इसके अलावा सेक्टर-51, 52 मेट्रो स्टेशनों के बीच स्काईवॉक भी प्रस्तावित है। यह स्काईवॉक इन दोनों स्टेशनों के बीच जमीन लेने वाली आइकिया कंपनी को बनाना है। प्राधिकरण ने इसका करार भी किया है। कंपनी के पास स्काईवॉक निर्माण के लिए 6 साल का समय है, इसलिए एनएमआरसी ने 7 साल के लिए एफओबी की योजना बनाई है।

संक्षिप्त समाचार

ठगों ने महिला के बैंक खाते से निकाले 15 लाख

नोएडा। पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ सेक्टर 50 निवासी एक महिला के खाते से 15 लाख रुपए रुपए निकाले जाने का मामला दर्ज किया है। सेक्टर 49 थाना के प्रभारी अंजनि कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर 50 निवासी राजकुमारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बैंक से लिए ऋण को लौटाने के लिए उन्होंने बैंक के कॉल सेंटर पर फोन किया था, जिसके बाद एक व्यक्ति का फोन आया और उसने खुद को एक निजी बैंक का कर्मचारी बताया। थाना प्रभारी ने बताया कि फोन करने वाले आरोपी ने महिला को अपनी बातों में लेकर उनसे एनीडेस्क रिमोट डेस्कटॉप नामक ऐप डाउनलोड करवाया और जैसे ही उन्होंने ऐप डाउनलोड किया साइबर ठग ने उनके खाते से करीब 15 लाख रुपये निकाल लिये। उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि होंडा चौक के पास शुक्रवार रात को एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। घटना में तावेज (20) की मौत हो गई। तावेज कन्नौज का निवासी था। पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि थाना सूरजपुर क्षेत्र के एलजी गोल चक्कर के पास सड़क पर पैदल जा रहे हरि ओम (51) नामक व्यक्ति को एक अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। वहीं, दनकौर क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेस- वे पर बीती रात को एक कार अनियंत्रित होकर आगे जा रही ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। इस घटना में रवि कुमार (37) की मौत हो गई। प्रवक्ता ने बताया कि थाना सेक्टर 126 क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में एक ट्रैक्टर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। घटना में एक व्यक्ति शशांक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

तीन बच्चों की मां ने फांसी लगाकर दी जान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में शनिवार सुबह एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां सूरजपुर कस्बे में रहने वाली एक महिला ने फांसी पर लटककर आत्महत्या कर लिया है। घटना की जानकारी आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों ने पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर कस्बे में रहने वाली 30 वर्षीय महिला ने फांसी पर लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस जांच में पता चला है कि महिला 3 बच्चों की मां है और उसका पति ग्रेटर नोएडा में ही स्थित एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। पुलिस ने बताया कि महिला मूल रूप से फर्रुखाबाद की रहने वाली थी और काफी समय से ग्रेटर नोएडा में रह गई थी। अभी तक की जांच में यह सामने नहीं आया है कि आखिर महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या क्यों की है। प्राथमिक जांच में पुलिस ने आशंका जाहिर की है कि घरेलू कलह के कारण महिला ने यह दर्दनाक कदम उठाया है। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दिया है।

शराब पीने से रोका तो भाई ने मारी गोली, मौत

वारदात से इलाके में मचा हड़कंप, आरोपी को पुलिस ने दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक भाई ने अपनी बहन की गोली मारकर हत्या कर दी है। हत्या का कारण शराब पीने से रोकना था। बहन ने अपने भाई को शराब पीने से रोका तो भाई ने अपनी बहन की गोली मारकर जान ले ली। इस मामले के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, दूसरी ओर इस मामले में आरोपी भाई को भी

पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बिसरख थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित जलालपुर गांव में सूरज अपने पूरे परिवार के साथ रहता है। सूरज के घर में उसकी 3 बहन और व 2 भाई हैं। सूरज के साथ उसके माता-पिता भी रहते हैं। पुलिस के मुताबिक 22 वर्षीय सूरज शराब पीने का आदी है और इनवर्टर रिपेयर का काम करता है। पुलिस ने बताया कि सूरज की 32 वर्षीय बहन भी जलालपुर गांव में अपने पति के साथ रहती है। बीती देर रात को सूरज शराब पी रहा था, इस बात का विरोध सूरज की बहन रुचि ने किया तो सूरज ने अपनी बहन को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।

गोली की आवाज सुनकर पूरे परिवार में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई और सूचना पाते ही बिसरख थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस जांच में पता चला है कि यह परिवार मूलरूप से हरदोई का रहने वाला है।

बिना अनुमति लोनी में नहीं खुलेंगी मीट की दुकानें

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने दी चेतावनी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रचंड जीत दर्ज की। पार्टी की जीत में कई ऐसे विधायक रहे जो दोबारा अपनी सीट से चुनकर आए हैं, जिसमें लोनी के विधायक नंद किशोर गुर्जर भी हैं। वह अपने बयानों के लिए पिछले कार्यकाल में भी चर्चा में रहे थे और इस बार भी विधायक बनते ही उन्होंने विवादित बयान दे दिया है।

नंद किशोर गुर्जर चुनाव जीतने के बाद मीडिया से पहली बार मुखातिब हुए। यहां नंदकिशोर ने जनता का आभार व्यक्त किया कि उसने उन्हें जिता दिया। इसके साथ ही उन्होंने आने वाले पांच सालों में वह क्या करेंगे ये तो बताया ही साथ ही यह भी चेतावनी दे डाली कि लोनी में बिना अनुमति के एक भी मांस-मीट की दुकान या होटले नहीं खुलेंगे। विधायक ने चेतावनी के लहजे में कहा कि लोनी में तुरंत मांस की दुकानों को बंद कराया जाए। बिना अनुमति के मांस का होटल बंद हो। कोई भी होटल, नशे का कारोबार, कोई गलत काम नहीं होना चाहिए।

निठारी गांव से अगवा किशोरी बरामद

नोएडा। जिले के निठारी गांव से अगवा हुई किशोरी को पुलिस ने बरामद कर लिया है और उसे अगवा करने वाले युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है।

सेक्टर 20 थाना के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि निठारी गांव से एक किशोरी कुछ दिन पूर्व लापता हो गई थी। इस मामले में उसके परिजनों ने आशिफ नामक युवक पर किशोरी को अगवा करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया था। घटना की जांच कर रही पुलिस ने शुक्रवार रात को मामले में एक आरोपी मुकेश को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर अगवा हुई किशोरी को भी बरामद कर लिया गया।

जनपद में महिलाओं के साथ बढ़ी लूट की वारदात

भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी बेखौफ बदमाश पुलिस को दे रहे खुलेआम चुनौती

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिले में भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। लुटेरे भीड़ में मौजूद महिलाओं से भी लूट कर रहे हैं। इससे तस्दीक हो रही है कि लुटेरे पूरी तरह से बेखौफ हो चुके हैं। एक के बाद एक लूट करके पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। पुलिस उन्हें पकड़ने के बजाय धाराओं से खेलने में अपनी ऊर्जा नष्ट कर रही है।

जिले में बाइक सवार लुटेरे सक्रिय हैं। उनके लूट करने के तरीके से पता चल रहा है कि उन्हें पुलिस का तनिक भी भय नहीं है। इसी का नतीजा है कि थाना, चौकी के पास भी लूट हो रही है। पुलिस लुटेरों को पकड़ नहीं पा रही है। इसके पीछे पुलिस की लापरवाही सामने आ रही है। बतौर बानगी इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर तीन में करीब दो दर्जन महिलाएं चाक पूजन करने गईं। बाइक सवार लुटेरों ने इन महिलाओं में शामिल सुदेश देवी की सोने की चेन व मंगलसूत्र लूट लिया।

इतनी भीड़ के बावजूद लुटेरों ने वारदात को अंजाम दे दिया। इसी तरह 14 फरवरी की रात करीब 8:15 बजे इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के सिल्वर स्पून होटल के बाहर आदर्श त्यागी की पत्नी से करीब ढाई लाख रुपये का हार लूट लिया। वारदात के वक्त मौके पर काफी लोग मौजूद थे। शाहदरा, दिल्ली के कारोबारी मनोज चौधरी की पत्नी से चार मार्च की रात करीब 9:45 बजे लिंक रोड थाना की औद्योगिक क्षेत्र पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर बुलेट बाइक सवार दो लुटेरों ने करीब दो लाख रुपये का मंगलसूत्र लूट लिया।

आरोप है कि पुलिस ने उनकी लूट की तहरीर नहीं ली। खुद से बोलकर चोरी की तहरीर लिखवाई और चोरी की धारा में रिपोर्ट दर्ज की। पीड़ित मनोज का कहना है कि पुलिस

ने अपनी सारी ऊर्जा तहरीर बदलवाने में लगा दी।

पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय ज्ञानेंद्र सिंह का कहना है कि टीमें लगी हैं। सर्विलांस व सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सहित अन्य माध्यमों से जानकारी जुटाई जा रही है। जेल से जमानत पर छूटे लुटेरों की कुंडली खंगाली जा रही है।

दिनदहाड़े कपड़े के शोरूम में घुसकर बदमाशों ने की लूट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लाल पल्सर सवार तीन लुटेरों ने भोपुरा-टीला मोड़ रोड पर असलहों के बल पर कपड़े के शोरूम में लूटपाट की। दुकानदार को गोली मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने मामले की टीला मोड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

असालतपुर, फर्रुखनगर के मौसीन की भोपुरा.टीला मोड़ रोड पर कपड़े का शोरूम है। शाम करीब साढ़े पांच बजे लाल पल्सर सवार तीन लुटेरे उनके शोरूम पर पहुंचे। एक लुटेरा शोरूम के बाहर पल्सर लेकर खड़ा रहा। दो लुटेरे अंदर गए। उन्होंने सात जींस और 10 टी.शर्ट ली। उसके बाद तमंचा निकाल कर मौसीन को गोली मारने की धमकी दी। गल्ले से रुपये निकालने को कहा।

उसके बाद गल्ले से 22 हजार रुपये निकाले और लूटकर फरार हो गए। उन्होंने इसकी पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके छानबीन शुरू की। इस घटना के समय बाजार में काफी भीड़ थी। बावजूद इसके लुटेरों ने वारदात को अंजाम दे दिया।

99 करोड़ की धोखाधड़ी में एक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● फर्जी बिल के जरिए लगाया विभाग को चूना

केंद्रीय माल एवं सेवाकर (सीजीएसटी) टीम ने 11 फर्जी फर्म के माध्यम से 628 करोड़ रुपये का सामान खरीद-फरोख्त को लेकर बिल काटकर 99 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) वसूलने वाले रैकेट के सदस्य को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि संबंधित पंजीकृत मोबाइल नंबर, बैंक खातों और पेन कार्ड पर 50 से अधिक फर्जी फर्म पंजीकरण कराई गई हैं।

सीजीएसटी टीम ने दिसंबर 2020 में बोगस फर्म से फर्जी बिल से धोखाधड़ी के मामले में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। जांच में 628 करोड़ रुपये की बिलिंग से 99 करोड़ रुपये के आइटीसी वसूलकर राजस्व की हानि पहुंचाई थी। मामले में सीजीएसटी मुख्य आयुक्त व मेरठ क्षेत्र आयुक्तालय से मिली जानकारी के आधार पर फर्म मैसर्स जय एंटरप्राइजेज और गाजियाबाद स्थित 36 अन्य फर्मों के खिलाफ जांच शुरू की गई थी, जिसमें जीएसटी धोखाधड़ी के एक रैकेट का पर्दाफाश हुआ था। जांच में पंजीकृत फर्मों के लिए पेन कार्ड, मोबाइल नंबर और बैंक खातों के उपयोग की जानकारी मिली थी, जिनसे करीब 99 करोड़ का आइटीसी का लाभ लिया गया था।

जांच में टीम ने रैकेट में शामिल नरेश कुमार को 21 अप्रैल 2021 को गिरफ्तार किया था। दो दिन पूर्व गाजियाबाद और दिल्ली स्थित छह परिसरों में छापेमारी की, जहां रैकेट में शामिल रूपक वशिष्ठ को तलब किया। अपर आयुक्त केंद्रीय जीएसटी राकेश गुप्ता ने बताया कि जांच में पता चला कि रूपक वशिष्ठ के पंजीकृत पेन पर 11 फर्जी फर्म थी, जिनके जरिये बिना किसी माल की प्राप्ति के चालान के आधार पर फर्जी आइटीसी का लाभ लिया।

वीकेंड के साथ ही आज सरस मेले का अंतिम दिन

नोएडा। सेक्टर 33ए नोएडा हाट में आयोजित सरस मेला अब समापन की ओर बढ़ रहा है। 17 दिवसीय मेले का रविवार को समापन होना है। वहीं विकेंड पर शनिवार को मेले में खरीददारों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोगों ने जमकर खरीददारी की।

वहीं मेले में आकर्षण का केंद्र रहे स्टॉल्स पर महिलाओं ने परिवार के साथ मनचाही खरीदारी की। शनिवार की सेल के मद्देनजर मेले के अंतिम दिन रविवार को यहां बंपर सेल की संभावना है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित नोएडा में यह दूसरा मेला है।

सेक्टर-33ए नोएडा हॉट में चल रहे सरस मेले में खरीदारी करतीं महिलाएं।

PUBLIC SUMMONS

IN THE AHMEDABAD CITY CIVIL COURT COURT AT AHMEDABAD OF CIVIL SUIT NO. 1523 of 2018

Plaintiff Advocate : **Prashant R. Trivedi** **Exh. 20**

Plaintiff : **TIRUPATI FOAM LIMITED**

V/s

Defendant : **1) Ms. MONIKA SINGH**
SOLE PROPRIETOR OF DREMWORLD INDUSTRIES
Address - 8-B, DDA FLAT, RAMPURA, DELHI-100035

Suit Valued Rs. 300/-

Whereas you the Defendant is hereby informed you that the summons issued against you by this court Through bailiff and varies mode of service has returned unserved subsequently, and as your current whereabouts are unknown, Hence in the consequence Plaintiff advocate is given application Vide **Exh.19** and Court ordered on it therefor this summons is published.

The plaintiff therefor prays as under:
A. The Hon'ble Court be pleased to restrain the defendant by its proprietor, servant, agents, dealers, distributors and all other person connected with them in any manners may please be restrained by the perpetual order and injunction of the Hon'ble court from adopting and/or using and or selling the goods under the impugned trade mark "Dream World Mattress" and/or carrying on business of any type of pillow cushion, mattress, foam mattress relating there to under the impugned trademark " Dream World mattress" and/or any other identical and/or deceptively similar trademark containing and consisting of the word "Sweet Dream" in any manner in respect of the business of Flexible polyurethane foam and allied goods/products all type of mattresses, pillow, bolsters, back cushion etc., home product and sheet, roll etc. industries product thereof and hereby infringing the statutory rights of registration in the registered trademark "Sweet Dream" of the plaintiff.

Therefore, You the Defendants are hereby summoned to appear in this court in person or by a pleader duly instructed, and able to answer all material question — relating to the suit, or who shall be accompanied by some person able answer all such question on the day of **07/ 04 / 2022** at 11-00 0' Clock in the forenoon to answer the claim, and as the day fixed for you appearance is appointed for the final disposal of the suit, you must be prepared to produce on that day all the witnesses upon whose evidence and all the documents upon which you intend to rely in support of your defence.

Take notice that, in default of your appearance on the day before mentioned the suit will be heard and determined in your absence.

Given under my hand and seal of this Court On this 07th day March of 2022.

STAMP
Commercial Court
City Civil Court of
Ahmedabad

(A. N. Chavda) Prepared by Assistant

(S. J. Bhagat) Comp. By Bench Clerk Grade-I

(A. P. Joshi) Registrar, City Civil Court Bhadra, Ahmedabad

ग्रेनो वेस्ट में गौड़ चौक पर बनेगा अंडरपास

जाम से लोगों को मिलेगी निजात, प्राधिकरण सीईओ नरेंद्र भूषण ने पेश की पूरी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों को बड़ी सौगात देने की तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सबसे बड़े चौराहे गौड़ चौक किसान चौक या चार मूर्ति गोलचक्कर पर अंडरपास जल्द बनाने जा रहा है। प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण ने बृहस्पतिवार को इस प्रोजेक्ट को बनाने पर सैद्धांतिक सहमति दे दी है। यह अंडरपास 60 मीटर रोड के पैरलल बनेगा।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आबादी तेजी से बढ़ रही है, जिससे यहां के सबसे व्यस्त चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव भी बढ़ रहा है। ट्रैफिक जाम की समस्या न हो, इसके लिए अस्थायी विकल्प के तौर पर चौराहे के दोनों तरफ 130 मीटर रोड पर दो यूटर्न बने हैं। गौड़ सिटी की तरफ से सूरजपुर और नोएडा

की ओर जाने वाले वाहन 130 मीटर रोड पर बने यूटर्न से होकर गुजरते हैं। इसी तरह 130 मीटर रोड या सूरजपुर की तरफ से गौड़ सिटी व प्रताप विहार को जाने वाले वाहन नोएडा की तरफ बने यूटर्न से होकर जाते हैं। इसका स्थाई समाधान निकालने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण के निर्देश पर सरकारी सलाहकार एजेंसी राइट्स से इस चौराहे का सर्वे कराया गया।

एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट प्राधिकरण को सौंप दी। रिपोर्ट के अनुसार इस चौराहे से रोजाना 13 हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। एजेंसी ने यहां अंडरपास बनाने का सुझाव दिया है। ये अंडरपास चौराहे पर 130 मीटर रोड को क्रॉस करते हुए 60 मीटर रोड के पैरलल बनेगा। यानी प्रताप विहार से सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा के बीच वाहन इस अंडरपास से होकर गुजरेंगे। यूटर्न तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे वाहन चालकों के समय और ईंधन दोनों की ही बचत होगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण ने लोगों की जरूरत को देखते हुए इस चौराहे पर अंडरपास बनाने को मंजूरी दे दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना एके अरोड़ा ने बताया कि इस अंडरपास की लंबाई करीब 700 मीटर होगी। अब इस अंडरपास की डिजाइन और डीपीआर तैयार होगी। इसके एस्टीमेट का आईआईटी से परीक्षण कराया जाएगा।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर कैंची घोंपकर मजदूर की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● फरार आरोपी की तलाश कर रही पुलिस

बेगमाबाद गांव में शुक्रवार देर रात शराब के लिए उधार पैसे नहीं देने पर एक युवक महेंद्र (45 वर्ष) की कैंची घोंपकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस ने मृतक के पुत्र की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पीर वाला मोहल्ला निवासी महेंद्र पुत्र कालूराम रंगाई-पुताई का काम करता था। देर रात वह काम से लौट रहा था। तभी गांव निवासी शिवा ने शराब पीने के लिए महेंद्र से रुपये उधार मांगे। रुपये देने से इनकार करने पर शिवा ने महेंद्र की गर्दन पर कैंची से वार कर दिया। लहूलुहान महेंद्र वहीं जमीन पर गिर गया। शोर सुनकर मौके पर लोग जमा हो गए। परिजन भी मौके पर पहुंच गए। महेंद्र को नगर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक अनिता चौहान ने बताया कि आरोपी शिवा की तलाश शुरू कर दी गई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

घायलों-पीड़ितों को दस लाख तक मदद का ऐलान

झुग्गियों में आग

आगलगी से पीड़ित हर परिवार की मदद करेंगे : अरविंद केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गोकुलपुरी इलाके में शुक्रवार देर रात झुग्गियों में भीषण आग लगने से हुई सात लोगों की दर्दनाक मौत पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

घटना की जानकारी मिलने पर केजरीवाल घटनास्थल पर पहुंचे और शोकाकुल परिवारों से मुलाकात कर उनको सांत्वना दी और कहा कि आपका बेटा, आपका भाई आपके साथ है। दिल्ली सरकार आगजनी से पीड़ित हर परिवार को आर्थिक मदद देगी। वह झुग्गी वालों के नुकसान की भरपाई तो नहीं कर सकते, लेकिन सरकार की तरफ से जिन बड़े लोगों की जान गई है, उनके परिवार को 10 लाख और जिन बच्चों की जान गई है, उनके परिवार को 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद देगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक गरीब आदमी बड़ी मुश्किल से अपनी झुग्गी बनाता है। अगर उसके घर में किसी की मौत हो जाए, तो यह बहुत दुख की बात है। वह कोशिश कर रहे हैं कि जल्दी से जल्दी एक-दो दिन में सहायता राशि जारी कर दी जाए ताकि पीड़ित परिवारों को जल्द राहत मिल सके।

राख में खाक हुए अपना आशियाना खोजती बच्ची। फोटोः रंजन डिमरी

पीड़ित परिवारों को सांत्वना

मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवारों से मिलकर उनको सांत्वना दी और सरकार की तरफ से हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। इस दौरान उन्होंने पीड़ितों से बात कर उनसे घटना के बारे में जानकारी भी ली और पूरे घटना स्थल का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने परिवारों से उनके नुकसान की जानकारी ली और उनको सांत्वना देते हुए सरकार की तरफ से पूरी मदद देने का आश्वासन दिए।

कार की छत पर चढ़ कर किया संबोधित

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोपहर करीब दो बजे गोकुलपुरी में आगजनी से पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। इस दौरान सरकार के आला अधिकारी भी उनके साथ थे। घटना स्थल पर मुख्यमंत्री के पहुंचने की जानकारी मिलने पर बड़ी तादात में आसपास के लोग भी वहां पहुंच गए। बड़ी संख्या में आसपास के लोगों के पहुंचने और भीड़ बढ़ने पर केजरीवाल अपनी कार की छत पर चढ़ गए, ताकि सभी लोगों से रूबरू होकर उन्हें संबोधित कर सकें।

भाजपा ने मांगा एक करोड़ का मुआवजा तो कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। सांसद मनोज तिवारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए एवं दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव से फोन पर बात कर पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की। तिवारी ने पूरी घटना को दुखद बताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना की और प्रत्येक मृतक के परिवार को एक करोड़ एवं घायलों को दो लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की। वहीं दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने गोकुल पुरी झुग्गी झौपड़ी बस्ती में आग लगने के बाद घटना स्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का झुग्गी वहीं मकान का वायदा खोखला साबित हुआ। वहीं परिवारों के पास मदद भी काफी देर से पहुंची।

सचिवालय में नवीनीकरण के लिए 35.99 करोड़ रुपये मंजूर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- कार्यालयों के मरम्मत का काम लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया

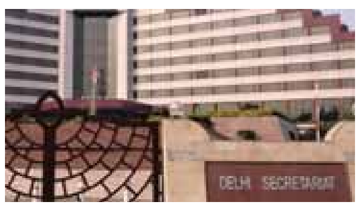

सचिवालय में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके अन्य कैबिनेट सहयोगियों के कार्यालयों के नवीनीकरण के लिए 35.99 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी हैं।

दिल्ली सचिवालय में स्थित इन कार्यालयों के मरम्मत का काम लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है। लोक निर्माण विभाग के उप सचिव (कार्य) अनिल भोला के मुताबिक दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कार्यालयों के नवीनीकरण के लिए 35,99,44,400 रुपये की अनुमानित लागत संबंधी पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता के प्रस्ताव के तहत कार्य करवाने के लिए उन्हें प्रशासनिक अनुमोदन और व्यय की मंजूरी देने का निर्देश दिया है। इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर इसी साल 24 फरवरी को मंजूरी के लिए पेश किया गया था।

वर्तमान में, केजरीवाल और उनके मंत्रियों के अलावा अन्य नौकरशाह और अधिकारी दिल्ली सचिवालय के अपने कार्यालयों से काम करते हैं। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के पास स्थित सचिवालय को प्लेयर्स बिल्डिंग के रूप में भी जाना जाता है।

वर्ष 1982 के एशियाई खेलों में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को समायोजित करने के लिए प्लेयर्स बिल्डिंग को एक होटल के रूप में बनाया गया था। चूंकि प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है और व्यय राशि भी मंजूर हो गई है सचिवालय में कार्यालयों के नवीनीकरण का काम जल्द ही शुरू हो जाएगा।

केजरीवाल ने प्रफुल्ल पटेल के एलजी बनने की जताई संभावना

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को ट्वीट कर पूछा कि क्या लक्ष्यद्वीप के प्रशासक प्रफल्ल पटेल दिल्ली के अगले उप राज्यपाल होंगे। इस समय अनिल बैजल दिल्ली के उप राज्यपाल हैं।

केजरीवाल ने ट्वीट किया कि क्या लक्षद्वीप के प्रशासक माननीय प्रफुल पटेल को दिल्ली का अगला उप राज्यपाल बनाया जा रहा है। बैजल वर्ष 1969 बैच के केंद्रशासित प्रदेश काडर के प्रशासनिक अधिकारी हैं और दिसंबर 2016 में उन्हें दिल्ली का उप राज्यपाल नियुक्ति किया गया था।

वहीं, पटेल ने नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री रहते गुजरात के गृहमंत्री की भूमिका निभाई थी और उन्होंने दिसंबर 2020 में लक्ष्यद्वीप के प्रशासक की जिम्मेदारी संभाली थी।

ई.ऑटो की खरीद और पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल हुआ लांच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- उपभोक्ता 25 हजार का लाभ उठा सकेंगे

सरकार ने शनिवार को इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा (ई-ऑटो) की खरीद के लिए ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज सबवेंशन प्रदान करने के लिए 'माई ईवी पोर्टल' लॉन्च किया।

इस वेबसाइट को दिल्ली सरकार ने कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) के सहयोग से विकसित किया है।

माई ईवी पोर्टल एक ऑनलाइन पोर्टल है जो एलओआई धारकों को ई-ऑटो खरीदने और दिल्ली सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे प्रोत्साहनों का फायदा उठाने में सक्षम बनाएगा। महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के साथ ई-ऑटो के लिए कुल 4,261 एलओआई दिए गए हैं। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन पोर्टल को सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ बना दिया गया है।

ईवी की खरीद पर ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज सबवेंशन दिल्ली ईवी नीति के तहत 30,000 रुपये के लागू खरीद प्रोत्साहन और 7,500 रुपये तक के स्क्रैपिंग प्रोत्साहन के अतिरिक्त है। इस योजना के माध्यम से, एक इलेक्ट्रिक ऑटो उपभोक्ता 25,000 रुपये तक का अतिरिक्त लाभ उठा सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बदरपुर गांव में बारात घर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह ने किया। इस कार्य पर खर्च 10 लाख रुपए होंगे। साथ में उपस्थित रहे नगर निगम के सेंट्रल जोन के उपायुक्त और अन्य अधिकारी

हार के डर से निगम चुनाव टालेः आप

नई दिल्ली। 'आप' एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पठाक ने कहा कि देश का लोकतंत्र खतरे में है। हार के डर से बीजेपी ने स्टेट इलेक्शन कमिश्नर को जेल में डालने की धमकी देकर दिल्ली निगम चुनाव को टाला। प्रेसवार्ता में मौजूद 'आप' विधायक आतिशी ने कहा कि यह लोकतंत्र के अंत की शुरुआत है, हार के डर से आज निगम चुनाव टाला है, कल को राज्य के चुनाव टाल सकते हैं। यदि केंद्र यूनिफिकेशन चाहती है तो वह चुनाव के बाद भी संभव है, आज हम 3 हाउस में बैठते हैं, 6 महीनों बाद एक हाउस में बैठ सकते हैं। टी.एन शेषन जैसे लोग इस देश में चीफ इलेक्शन कमीशन रहे हैं। ऐसे लोग इलेक्शन कमीशन को इतनी ऊंचाई पर ले गए हैं कि इस पूरे देश, पूरी दुनिया में भारत के इलेक्शन कमीशन पर कभी कोई सवाल नहीं उठा सकता है। लेकिन आज इलेक्शन कमीशन की फ्री एंड फेयर इलेक्शन करवाने की जो योग्यता है, आज उसपर सवाल उठ रहे हैं।

शराब ठेके के खिलाफ व्यापारियों का धरना

नई दिल्ली। थोक व्यापार मंडी खारी बावली में श्री खाटू श्याम मन्दिर के बगल मे शराब का ठेका खोले जाने के विरोध में किराना कमेटी दिल्ली के सानिध्य में ठेका स्थल के बाहर अनिश्चितकालीन धरना प्रारम्भ किया। धरने में चांदनी चौक व्यापार परिषद एवं चांदनी चौक नागरिक मंच के पदाधिकारियों के आलावा क्षेत्र के भाजपा नेता भी सम्मिलित हुए। किराना कमेटी पदाधिकारियों ने कहा की इस भीड़ भाड़ वाली मंडी के बीच यह ठेका खुलवा कर सरकार ने इस व्यापारिक क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाला है। अब यहाँ असमाजिक अवांछित लोगों का आना जाना रहेगा और व्यापारियों में भय का वातावरण बन गया है। कमेटी के अध्यक्ष प्रेम अरोड़ा ने कहा हमारा धरना ठेके का लाइसेंस रद्द होने तक जारी रहेगा और हम शीघ्र क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री इमरान हुसैन से मिल कर विरोध दर्ज कराएंगे।

भाजपा की बाइक रैली आज

नई दिल्ली। चार राज्यों में मिली भाजपा को बड़ी जीत के जश्न में प्रदेश भाजपा रविवार को बाइक रैली निकालेगी। इस रैली में पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। प्रदेश में होने वाले विजय जुलूस में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी बैजयंत जय पांडा चांदनी चौक विधानसभा में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता द्वारका विधानसभा में, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी बदरपुर विधानसभा में, सह प्रभारी एवं राष्ट्रीय मंत्री डॉक्टर अलका गुर्जर नई दिल्ली के कस्तूरबा नगर में मौजूद रहेंगे। विजय जुलूस में प्रदेश भाजपा महामंत्री कुलजीत सिंह चहल बदरपुर विधानसभा में हर्ष मल्होत्रा शहादरा विधानसभा में आयोजित विजय जुलूस में उपस्थित रहेंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 13 मार्च, 2022

24 महिलाओं को सबला सम्मान-2022 से नवाजा

नारी शक्ति को समर्पित रहा नवकल्प फाउंडेशन का समारोह

साल 2020 से की गई थी इस सबला सम्मान की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के द्रोणाचार्य कालेज में नवकल्प फाउंडेशन की ओर से डा. सुशीला कटारिया को सम्मानित करती सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल व अन्य अतिथि।

गुरुग्राम के द्रोणाचार्य कालेज में नवकल्प फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते बच्चे।

पर्यावरण, शिक्षा, कला-संस्कृति, प्रकृति, नारी सशक्तिकरण, सेवा समेत नौ कल्पों के लिए काम कर रही संस्था नवकल्प फाउंडेशन की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में यहां द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय में महिलाओं को समर्पित एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतरीन सेवाएं देने वाली 24 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

नवकल्प फाउंडेशन की ओर से इस समारोह को सबला सम्मान समारोह 2022 नाम दिया गया। संस्था की ओर से वर्ष 2020 में सबला सम्मान देने की शुरुआत की गई थी। 2021 में कोरोना महामारी के कारण इस आयोजन को जनहित में रद्द कर दिया गया था। अब तीसरे साल में यह दूसरा भव्य समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल मुख्य अतिथि, आईपीएस डा. राजश्री सिंह अति विशिष्ट अतिथि, आईएएस सोनल गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में शोभायमान रहीं। वहीं समारोह की अध्यक्षता द्रोणाचार्य महाविद्यालय के प्राचार्य डा. वीरेंद्र अंतिल ने की। मां सरस्वती को दीप प्रज्जवलन व वंदना के साथ समारोह की शुरुआत हुई। अस्मिता ने सभी का शाब्दिक स्वागत किया। इस आयोजन में श्री राम ज्वैलर्स, सिग्नेचर सत्वा का विशेष सहयोग रहा।

नारी का चरित्र हो पवित्र : सांसद सुनीता दुग्गल

सांसद सुनीता दुग्गल ने अपने संबोधन में कहा कि यदि नारी का चरित्र पवित्र है तो वह मजबूत है। उसे आगे बढ़ने को कोई नहीं रोक सकता। वह हर बाधा को पार करके अपना मुकाम बना लेती है। उन्होंने महिलाओं को पूरी मजबूती के साथ समाज में अपने को खड़ा करने के लिए प्रेरित किया।

बेटियों को पारिवारिक सहयोग जरूरी : सोनल गोयल

आईएएस अधिकारी सोनल गोयल ने नारी शिक्षा पर भी उन्होंने बोलते हुए सभी महिलाओं को यह संदेश दिया कि बेटियों को अच्छी शिक्षा जरूर दें। बेटियों को अगर परिवार का सहयोग नहीं मिलता है तो वे समाज में पिछड़ सकती हैं। बेटियों को सिर्फ और सिर्फ सहयोग चाहिए, बाकी वे खुद को आगे बढ़ाने में समर्थ होती हैं। समाज की कुंठित बातों में आकर किसी को भी अपनी बेटियों को शिक्षा से वंचित नहीं करना चाहिए।

इन 24 महिलाओं को किया गया सम्मानित

इस समारोह में 24 महिलाओं को सबला सम्मान-2022 से सम्मानित किया गया। इसमें डा. मेधावी जैन, मंजू भारती, डा. पुष्पा अंतिल, जैनिथ चौधरी, अलका दलाल, सरस्वती क्षमानाथ, उमा यादव, रेणु कादयान, डा. सुशीला कटारिया, सरला कुमारी, मंजू शर्मा, संयम मराठा, सुचित्रा गुप्ता, पूजा सिंह, डा. महिमा किलहोड़, साज प्रखर डागर, सुरुचि गोयल, किरण यादव, ममता यादव, सुमित्रा गोदारा, ज्योति गुप्ता, पूजा जाट्यान, सवनीत कौर के अलावा महिलाओं के गो ग्रीन क्लब शामिल रहे।

हर तबके की महिला का उत्थान करें : डा. वीरेंद्र

प्राचार्य डा. वीरेंद्र अंतिल ने कहा कि जब तक हम नीचे के तबके, गरीब वर्ग की महिलाओं को मुख्यधारा में नहीं लाते, तक तक नारी सशक्तिकरण की सार्थकता नहीं होगी। हर सामाजिक, शैक्षिक संस्था की यह जिम्मेदारी है कि वह हर स्तर की महिलाओं के उत्थान के लिए काम करे। कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं द्वारा प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए। स्वर कोकिला लता मंगेशकर को भी यहां श्रद्धांजलि दी गई। समारोह में नवकल्प फाउंडेशन के सचिव डा. सुनील आर्य की ओर से संस्था के क्रियाकलापों के बारे में जानकारी दी गई।

संक्षिप्त-समाचार

डिजिटल माध्यम से बायो डायवर्सिटी पार्क को करें प्रमोट

गुरुग्राम। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने शनिवार की सुबह अरावली बायो डाइवर्सिटी पार्क में पहुंचकर वहां विभिन्न महत्वपूर्ण सपॉट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीएसआर योजना के तहत पार्क के संरक्षण का कार्यदेख रही हीरो मोटोकॉर्प कंपनी के अधिकारियों से भविष्य में पार्क के सौंदर्यकरण व रखरखाव के लिए बनाई जा रही योजनाओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी की। उपायुक्त ने कहा कि गुरुग्राम व एनसीआर का नागरिक डिजिटल प्लेटफार्म पर काफी सक्रिय है, ऐसे में पार्क को प्रमोट करने के लिए डिजिटल मीडिया का भी सहारा लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जैसे विकसित शहर में ऐसे बायो डायवर्सिटी पार्क की अत्यधिक आवश्यकता है, जहां पर लोग भागदौड़ की जिंदगी के बाद प्रकृति के बीच सुकून के दो पल बिता सकें। ऐसे में अरावली बायो डायवर्सिटी पार्क एक सर्वश्रेष्ठ विकल्प है। उन्होंने कहा कि खासकर कोरोना के दौर के बाद लोगों में फिर से प्रकृति की ओर लौटने की इच्छाएं जागृत हुई हैं। वहीं शहर की आबोहवा को शुद्ध करने में भी बायोडायवर्सिटी पार्क जैसे ग्रीन एरिया अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उपायुक्त ने इस दौरान पार्क में भ्रमण कर वहां मौजूद विभिन्न मुख्य स्पॉट्स जैसे सनसेट पॉइंट व अरावली व्यू पॉइंट का भी निरक्षण कर अपने आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान संरक्षण के कार्य में हीरो मोटोकॉर्प का सहयोग कर रहे पर्यावरणविद् विजय धस्माना ने भी उनके साथ रहते हुए पार्क में मौजूद विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों व जड़ी-बूटियों की उन्हें विस्तृत जानकारी प्रदान की। उपायुक्त के इस दौरे में हीरो मोटोकॉर्प के कंपनी के सीएसआर व कॉरपोरेट कम्युनिकेशन प्रमुख भारतेंदु काबी ने उपायुक्त को विभिन्न चरणों के तहत बायो डायवर्सिटी पार्क की संरक्षण योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पार्क में आने वाले नागरिकों के वाहनों की पार्किंग के लिए उचित व्यवस्था करते हुए कार पार्किंग के 270 व दुपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए करीब 80 स्पॉट्स निर्धारित किए गए है।

सरकार बनने पर घरेलू महिलाओं को मिलेंगे 1500 रुपये

सोहना। ऐलनाबाद से विधायक एवं इनेलो के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश में सरकार बनने पर वृद्धा पेंशन को 10 हजार रुपये किया जाएगा। बेरोजगार युवाओं को 21 हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। घरेलू महिलाओं को जेब खर्ची के लिए 1500 रुपये हर माह दिया जाएगा। इनेला पार्टी की सोहना में हुई जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे ऐलनाबाद विधायक एवं इनेलो के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा कि केन्द्र में भले अलग-अलग हों, लेकिन हरियाणा में भाजपा व कांग्रेस की एक मिली बात है। दोनों ही पार्टियों लोगों को झूठे वायदे करती हैं। पांच साल में वोट बटोर के चली जाती हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल ने 60 वर्ष की उम्र पार करने वाले राज्य के हर नागरिक को पेंशन देने का काम किया था, लेकिन वर्तमान में भाजपा सरकार दो लाख रुपये की आय वालों की पेंशन काटने का काम कर रही है। चौटाला ने कहा भाजपा सरकार सात वर्षों में इतने युवाओं को रोजगार नहीं दिया है। जिससे ज्यादा युवाओं को नौकरी से निकालने का काम किया है। अभय चौटाला ने कहा कि घरेलू महिलाओं को इनेलो सरकार बनने पर हर माह 1500 रुपये जेब खर्ची देने का काम किया जाएगा। बुढ़ापा पेंशन को 10 हजार रुपये हर माह देने का काम किया जाएगा। प्रदेश में भाजपा सरकार से आम नागरिक से लेकर प्रशासन उब चुका है। 2024 में राज्य के अंदर इनेलो की सरकार बनेगी। कांग्रेस में नेता नहीं और भाजपा में दम नहीं रहा है। उन्होने कहा कि इनेलो ही गरीब, मजदूर, किसान और कमेरे वर्ग की साथी रही है।

सीएम की घोषणाओं पर कार्यों की प्रगति की डीसी ने की समीक्षा

विभागों के बीच तालमेल बैठाकर जल्द कार्य शुरू करवाए

अगले छह महीने में नजर आएगी प्रोग्रेस

गुरुग्राम। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने गुरुग्राम जिला में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं पर विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्हें निर्देश दिए कि मुख्यालय पर लंबित स्वीकृति या मंजूरी के लिए वहां पर समन्वय स्थापित करके कार्यों को शुरू करवाएं।

जहां उनके दखल की जरूरत हो तो बताएं, वे उच्च अधिकारियों से अनुरोध कर लेंगे और जो कार्य दो या तीन विभागों के बीच तालमेल की कमी की वजह से शुरू नहीं हो पाए हैं, उनकी बैठक बुलाकर समन्वय स्थापित करवाया जायेगा। उन्होंने कहा कि यहां से मुख्यालय को जो भी पत्र लिखें, उसकी एक प्रति उनके पास भी भिजवाएं ताकि मुख्यमंत्री की घोषणाओं के बारे में वे अपडेट रहें।

उन्होंने कहा कि सभी रुचि लेकर काम करेंगे तो अगले 6 महीने में प्रोग्रेस नजर आएगी और घोषणाओं पर लंबित कार्यों की संख्या कम होगी। लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित इस समीक्षा बैठक में उपायुक्त को बताया गया कि सन 2014 से अब तक मुख्यमंत्री द्वारा कुल 273 घोषणाएं की गई हैं, जिनमें से 120 पूरी हो चुकी हैं, 67 पर कार्य प्रगति पर हैं, 59 लंबित हैं, 20 पर किन्हीं कारणों से काम नहीं सकता और 7 हाल ही में की गई नई घोषणाएं हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं को प्राथमिकता देते हुए मुख्यालय से आवश्यक स्वीकृतियां लेते हुए जल्द कार्य शुरू करवाएं। इस मामले में ढिलाई ना बरतें।

विश्व के मानचित्र पर उभरकर आएगा दमदमा: खट्टर

मुख्यमंत्री ने गांव दमदमा में रखी एडवेंचर पर्यटन केन्द्र की आधारशिला

मुख्यमंत्री ने एडवेंचर स्पोर्ट्स का उठाया लुत्फ

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गुरुग्राम के दमदमा गांव की लेक पर एडवेंचर पर्यटन केंद्र की आधारशिला रखने के दौरान हॉट एयर बैलून की सवारी करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए शनिवार को गांव दमदमा में एडवेंचर पर्यटन केंद्र का शिलान्यास करने के साथ ही दो दिवसीय हरियाणा एयरो स्पोर्ट्स कार्निवल का झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने सोहना के विधायक संजय सिंह के साथ हॉट एयर बैलून में चढ़कर भी देखा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले दिनों मोरनी के टिककरताल में भी एडवेंचर खेलों की शुरूआत की गई थी। गुरुग्राम जिला में पड़ने वाली दमदमा झील अरावली क्षेत्र में है और एडवेंचर स्पोर्ट्स यहां शुरू होने से हरियाणा और दिल्ली ही नहीं, अपितु देश-विदेश से पर्यटक यहां आएंगे, जिससे गांव दमदमा विश्व के पर्यटन मानचित्र पर उभरकर आएगा। इससे दमदमा तथा यहां आस पास के लोगों को रोजगार मिलेगा और यहां आर्थिक समृद्धि आएगी।

यह एडवेंचर पर्यटन केन्द्र लगभग 19 एकड़ भूमि पर विकसित होगा, जिसे विकसित करने के लिए हरियाणा पर्यटन विभाग ने एयरो क्लब ऑफ इंडिया के साथ समन्वय स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा पर्यटन और एयरो क्लब ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित समारोह के लिए शुभकामनाएं दी। कहा कि अरावली की गोद में बसे गांव दमदमा में शुरू किए जाने वाले इस एडवेंचर पर्यटन केंद्र में विभिन्न साहसिक गतिविधियों के लिए एक बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा जिसमें कैंपिंग साइट, पैरामोटर के लिए एयर स्ट्रिप, एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियां, कैफेटेरिया और अन्य गतिविधियां शामिल की जाएंगी। उन्होंने कहा कि एडवेंचर व्यक्ति में जोखिम से लड़ने का साहस भरने के साथ ही व्यक्ति में चुनौतियों का सामना करना सिखाता है जो व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास, दृढ़ निश्चय और नेतृत्व क्षमता विकसित करता है।

दमदमा में खेल नर्सरी जल्द

ग्राम पंचायत की तरफ से गांव में खेल नर्सरी खोले जाने के लिए मांग की गई। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा पंचायत जिस दिन खेल नर्सरी के नियम को पूरा कर देगी। उसी दिन नर्सरी को राज्य सरकार की तरफ से मंजूर कर दिया जाएगा। इसके साथ गांव राजकीय मिडिल स्कूल को सीनियर सैकेंडरी स्कूल को उसी दिन मंजूरी दे दी जाएगी। जिस दिन पंचायत नॉर्मस पूरी कर देगी।

जन औषधि केंद्र से पूरा होगा सेहतमंद भविष्य का सपना

सेवा और रोजगार सृजन में कारगर जन औषधि

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में जन औषधि संगोष्ठी में जानकारी देते हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी।

आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य एवं हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने एक संगोष्ठी में भारतीय जन औषधि परियोजना की विस्तृत जानकारी दी। भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को पार्षद कार्यालय सुशांत लोक में उन्होंने बताया कि अभी तक 8675 केंद्र भारत सरकार के प्रयास से पूरे देश में खुल चुके हैं जो पूर्णरूप से ऑपरेशनल हैं।

उन्होंने बताया कि इन केंद्रों पर गुणवत्ता पूर्ण दवाई, कंज्यूमेबल और सर्जिकल आइटम भी दवाई के साथ-साथ उपलब्ध हैं। इन केंद्रों के कारण कई करोड़ रुपये की सेविंग लोगों की हो चुकी है। हम सबका कर्तव्य बनता है कि इन केंद्रों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें, क्योंकि यहां पर ना केवल सस्ती दवाएं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध हैं। कई गरीब जन जानकारी के अभाव में इन केंद्रों की सेवा का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

बोधराज सीकरी ने बताया कि इस समय गुरुग्राम में 5 स्थानों पर जन औषधि के केंद्र खुल चुके हैं। जो युवा बेरोजगार हैं उन्हें आग्रह किया कि वो जगह चिन्हित कर इसके लिए अप्लाई करें। यहां पर 2.5 लाख रुपये का इंसेंटिव पैकेज मिलता था अब उसे सरकार ने 5 लाख रुपये कर दिया है। इसके अलावा महिलाओं, दिव्यांगों और एससी-एसटी के लिए 2 लाख का अलग से इंसेंटिव सरकार ने घोषित किया है। इसकी जानकारी लोगों को मिलने के बाद उनमें काफी उत्साह दिखा।

इस गोष्ठी के बाद प्रश्न-उत्तर सेशन भी चला। जिसमें वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के सभी प्रश्नों का उत्तर बोधराज सीकरी ने बखूबी दिया। जन औषधि का लक्ष्य सेवा भी, रोजगार भी है। इस संगोष्ठी कार्यक्रम में पवन मलिक, मनोज, पीएन सिंह, अभिषेक गुलाटी, स्वाति टंडन, संजय टंडन, विष्णु खन्ना, वंदना जोशी, अनिल राव, मोहित कुमार, विजय गुप्ता, सिद्धू, भावना, नूतन, अशोक डबास, दीपचंद फौजी, मनोज यादव, राजेश यादव एवं अन्य गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर-10 अस्पताल में शिफ्ट की जाएगी एमआरआई, सीटी स्कैन मशीन

पायनियर समाचार सेवा । गुरुग्राम

पुराने नागरिक अस्पताल की इमारत को तोड़कर 400 बेड का बनाया जाना है अस्पताल

मशीन नहीं हटाए जाने से आधा ही तोड़ा गया है पुराना नागरिक अस्पताल

गुरुग्राम में पुराने नागरिक अस्पताल भवन की जगह पर नया भवन बनाया जायेगा। यह अस्पताल सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 400 बेड का होगा। पुराने भवन को गिराने का टेंडर हो चुका है और काफी हिस्सा गिराया भी जा चुका है। केवल एमआरआई और सीटी मशीन शिफ्ट करना बाकी है। इसके लिए सेक्टर-10 के नागरिक अस्पताल में नया हॉल तैयार किया गया है।

गुरुग्राम जिला में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं पर विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव को दी गई। उन्हें बताया गया कि एमआरआई मशीन से निकलने वाली तरंगों को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जाने जरूरी थे। इसलिए नया हॉल सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में बनाया गया है। हॉल तैयार हो गया है, मशीन व उपकरणों को शिफ्ट करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय से अनुमति मांगी हुई है। अनुमति आते ही शफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जायेगी। उसके बाद नया अस्पताल भवन बनाने की कार्यवाही शुरू की जायेगी।

पुराने अस्पताल के साथ लगते राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बाल) की जमीन का हिस्सा भी ले लिया गया है। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि स्कूल का जो हिस्सा अस्पताल को दिया गया है, उस हिस्से में टॉयलेट और पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाएं बनी हुई हैं। इसलिए तोड़ने से पहले विद्यार्थियों के लिए शौचालयों और पेयजल आपूर्ति के प्रबंध किए जाने अनिवार्य हैं।

अपग्रेड करने की घोषणा पर भी चर्चा

बैठक में सोहना के नागरिक अस्पताल को अपग्रेड करने की घोषणा पर भी चर्चा हुई, जिसमें बताया गया कि मौजूदा भवन में ही 100 बेड का अस्पताल चलाया जाना संभव है। इस बारे में मुख्यालय को रिपोर्ट भेज दी गई है। यह भी बताया गया कि जिला में शीतला माता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है, जिसके बनने से गुरुग्राम जिला में स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी इजाफा होगा। सोहना में लघु सचिवालय बनाने की घोषणा के बारे में बताया गया कि इसके लिए जमीन की पहचान की जा चुकी है और ड्राइंग बनाकर मुख्यालय को भेज दी गई हैं।

एसजीटी विश्वविद्यालय में होली उत्सव, रंग की जगह बरसे फूल

धूमधाम से विश्वविद्यालय परिसर में मनाई गई होली

राधा-कृष्ण संग विवि के हजारों विद्यार्थियों ने खूब की मस्ती

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के बुढेड़ा स्थित एसजीटी यूनिवर्सिटी में फूलों की होली खेलते राधा-कृष्ण बने कलाकार। दूसरे चित्र में होली उत्सव में प्रस्तुति देते राधा-कृष्ण बने कलाकार।

यहां बुढ़ेड़ा स्थित एसजीटी विश्वविद्यालय में शनिवार को होली उत्सव आयोजित किया गया। इस दौरान विशेष तौर पर कलाकारों को आमंत्रित किया गया है, जो कि राधा-कृष्ण की भूमिका में घंटों तक नाचते, नचाते रहे। इस होली उत्सव की खूबी यह रही कि यहां पर होली पर रंग-गुलाल, पानी की बौछारों से कोई हुड़दंग नहीं बचा, बल्कि यहां प्रेम भावना के साथ फूलों से ही होली खेली गई।

होली उत्सव में एसजीटी विश्वविद्यालय के चांसलर पद्मश्री राम बहादुर राय, दशमेश एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट की चेयरपर्सन मधुप्रीत कौर चावला, मैनेजिंग ट्रस्टी मनमोहन सिंह चावला, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति डा. दिनेश सिंह और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. उन्नत पंडित विशेष रूप से उपस्थित रहे।

होली उत्सव की खुशियों से पूरा विश्वविद्यालय कैंपस सराबोर रहा। कैंपस की विशाल पार्क में यह होली उत्सव आयोजित किया गया। सुबह से शुरू हुआ समारोह दोपहर बाद तक बदस्तूर चलता रहा। सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम के दौरान 35 क्विंटल गेंदे और गुलाब के फूलों से होली खेली गई। होली उत्सव की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ की गई। विवि के विद्यार्थियों ने देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों को नृत्य के माध्यम से मंच पर प्रदर्शित किया।

होली उत्सव के दौरान आकर्षण का केंद्र राधा-कृष्ण बने कलाकार रहे। इस दौरान राधा-कृष्ण की पूजा अर्चना भी की गई। जिसके बाद सभी संकाय सदस्यों व छात्रों द्वारा जमकर फूलों की होली खेली गई और एक दूसरे को होली की बधाइयां दी गई। विश्वविद्यालय में हर वर्ष जल संरक्षण विषय को केंद्र में रखकर फूलों की होली का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष भी होली उत्सव का आयोजन पूरे उत्साह के साथ किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई विभिन्न प्रस्तुतियों ने चार चांद लगा दिया।

होली उत्सव को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा एक महीने पहले से ही तैयारियां की जा रही थी। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा दी गई विभिन्न नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियां दी गई, जिनमें बॉलीवुड नृत्य, लोक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, नाट्य मंचन शामिल है।

परिवहन मंत्री के सोहना बस पर औचक निरीक्षण में गैरहाजिर मिले अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना।

बस स्टैंड पर गैरहाजिर अधिकारियों की अपने हाथों से एब्सेंट लगाते प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा।

सोहना के सामान्य मार्डन बस स्टैंड पर पहुंचे प्रदेश परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा को औचक निरीक्षण में स्टैंड सुपरवाइजर और इंचार्ज गैरहाजिर मिले। परिवहन मंत्री ने दोनों ही अधिकारियों की गैर रजिस्टर में गैरहाजिरी लिखी और जल्द ही दोनों ही अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया जा सकता है।

शनिवार को सुबह 11 बजे के करीब प्रदेश परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा सोहना होते हुए निकल रहे थे। सोहना से जाते समय परिवहन मंत्री ने अपनी गाड़ी को स्थानीय सामान्य बस स्टैंड की तरफ घुमवाया दिया। परिवहन मंत्री को अचानक देख टिकिट बुकिंग करने वाले जोगिन्द्र व दिनेश के पैरों तले जमीन निकल गई। इस दौरान मूलचंद शर्मा ने बस स्टैंड पर बैठे यात्रियों से बस सेवा को लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान नूंह जाने वाले यात्री ने मंत्री को एक घंटे से बस का इंतजार करने की बात कही। जिससे मंत्री का पारा गर्म हो गया। जिन्होंने बस स्टैंड पर मौजूद टिकिट बुकिंग कर्मचारियों को बुलाया। पहले तो परिवहन मंत्री ने दोनों कर्मचारियों से बसों के आवागमन की जानकारी ली। उसके बाद स्टैंड सुपरवाइजर राहुल कोशिक व इंचार्ज गोविन्द के गैर हाजिर होने की जानकारी ली। परिहवन मंत्री करीब 20 मिनट तक स्टैंड पर रुके और यहां की साफ-सफाई से लेकर बसों के आवागमन की जानकारी ली।

दोनों अधिकारियों की लिखी गैरहाजिरी : मूलचंद शर्मा ने अपने अपनी कलम से हाजिरी रजिस्टर में स्टैंड सुपरवाइजर राहुल कौशिक व इचार्ज गोविन्द की गैरहाजिरी लगा दी। जानकारी के अनुसार जल्द ही दोनों अधिकारियों को गैरहाजिर रहने का कारण बताओ नोटिस दिया सकता है।

सेक्टर से संवाद में सेक्टरवासियों से रूबरू हुए डीसी

प्रशासन की पूरी टीम कानूनी हिदायतों के अनुसार करेंगी समस्याओं का समाधान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 16ए के कम्युनिटी सेंटर में सेक्टर वासियों की समस्याओं का निपटरा करते डीसी जितेंद्र यादव। मौजूद जिले के अन्य अधिकारी।

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि की एचएसवीपी के सेक्टरों की समस्याओं व वहां के लोगों से सीधा संवाद करने के लिए जिला प्रशासन शहर में 'सेक्टर से संवाद' कार्यक्रम शुरू किया है।

डीसी जितेन्द्र यादव ने कहा कि प्रशासन की पूरी टीम कानूनी हिदायतों के अनुसार सभी समस्याओं का समाधान करेगी। डीसी जितेन्द्र यादव ने कहा कि आगामी तीन माह में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आठ मरले व इससे अधिक जमीन पर बनाई गई कोठियों के मालिक कोठियों के बाहर हरियाली के लिए सड़क से आधा से डेढ फीट निचे जल संचय करना सुनिश्चित करें। सेक्टर वासियों की बिजली, ट्रैफिक व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सिवरेज व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटों, बरसाती पानी निकासी, अवैध कब्जे हटवाने, सब्जी मण्डी की तमाम समस्याओं सहित अन्य समस्याओं का समाधान प्रशासन द्वारा किया जाएगा।

उन्होंने सेक्टर वासियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे सप्ताह में तीन से चार घण्टे दो तीन दिन पार्क व पेडों की कटाई छटाई और साफ सफाई के लिए श्रमदान अवश्य करें। ताकि स्वच्छता और सुन्दरता में फरीदाबाद के सेक्टर अन्य जिलों से प्रदेश में नम्बर एक हो। सेक्टर-16 आरडब्ल्यूए के प्रधान बलवान शर्मा, सेक्टर-16 ए के प्रधान संतगोपाल,राजपाल, कोंसलर छत्रपाल, पुष्पेन्द्र ने डीसी जितेन्द्र यादव और अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान व अन्य अधिकारियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। आरडब्ल्यूए के संरक्षक एचपीएस डागर ने सभी का धन्यवाद किया। सेक्टर16 व सेक्टर16ए के लिए शनिवार को एचएसवीपी व अन्य विभागों से जुड़े सभी प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि इन कार्यक्रमों के जरिए सेक्टरो के निवासियों के बीच पहुच कर प्रशासन उनसे सीधी बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान करेगी।

उपायुक्त ने कहा कि इसके तहत पहला कार्यक्रम 12 मार्च शनिवार को सेक्टर 16 व सेक्टर 16ए के निवासियों के लिए कम्युनिटी सेंटर सेक्टर 16 में आयोजित किया गया है। संवाद कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान, एसडीएम परमजीत चहल, एचएसवीपी एस्टेट आफिसर अमित कुमार, सीएमजीजीए करण कपूर, तहसीलदार नेहा साहरण, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, एमसीएफ व सहित सभी कई विभागों के प्रशासनिक अधिकारी और सेक्टर के राकेश सूरी, एनजी गुलिया, मूलचंद डागर भी मोजूद रहे।

तीन चोर चोरी वाहनों समेत गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 की टीम ने तीन वाहन चोरो को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि तीनों वाहन चोरो को गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर पलवल के गांव फरिजनपुर में रहने वाले आरोपी राजेश को चोरी किए हुए ऑटो सहित गांव कैली और मध्य प्रदेश के गांव बांदा में रहने वाले महेश जो फरीदाबाद के गांव तिगांव में अस्थाई रुप से रह रहा है व आरोपी राहुल गांव तिगांव का रहने वाले को सेक्टर-12 फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी राजेश ने ऑटो बल्लभगढ़ बस स्टैण्ड से चोरी किया था। जिसका मुकदमा थाना सिटी बल्लभगढ़ में दर्ज है।

रियलिटी जांच : पौने 10 बजे तक अस्पताल नहीं पहुंचते डॉक्टर

अस्पताल में खाली पड़ा सुबह 9:45 बजे ओपीडी में चिकित्सक का कक्ष।

अस्पताल में जांच करवाने आए रोगियों की भीड़ की नहीं हुई एलएफटी जांच।

कविता। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में कुछ चिकित्सक सवा नौ तो क्या पौने दस बजे तक ओपीड़ी में नहीं पहुंचते। इसका खुलासा पायनियर की तरफ से शनिवार को अधिकारियों के अवकाश पर होने पर किया गया।

शनिवार को चिकित्सक पौने दस बजे तक ओपीडी के कक्षों में नहीं पहुंचे थे। जिस कारण मरीजों को उनका लंबा इंतजार करना पड़ा। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मरीजों को यहां तरसते हुए देखा गया। जिस पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. डीएस राठी ने मरीजों की परेशानी हल करवाते हुए एलएफटी जांच सुबह 11 बजे के बाद शुरू करवाई।

पौने 10 बजे चिकित्सक नहीं थे : बीके अस्पताल की ओपीडी में जहां कार्ड बनाने सुबह साढ़े आठ बजे से शुरू हो जाते हैं। वहीं दूसरी तरफ नौ बजे ओपीडी शुरू हो जाती है। लेकिन नौ बजे की ओपीडी में मरीजों की लम्बी लाइन लगने के बाद भी कुछ चिकित्सक ओपीडी में सुबह पौने 10 बजे तक भी नहीं पहुंचे थे। पायनियर की तरफ से की गई ओपीडी की रियलिटी जांच में इस बात का खुलासा हुआ। सर्जन और ओर्थो के डॉक्टर पहुंचे ही नहीं थे। यहां लम्बी लाइनों में मरीज अपना इलाज करवाने को खड़े हुए नजर आए। यही हाल कमरा नम्बर 17 का था। वहां भी मरीज बाहर खड़े होकर चिकित्सक का इंतजार करते नजर आए। कमरा नम्बर सात के चिकित्सक अवकाश पर थे।

नहीं हुई जांच : अस्पताल की ओपीड़ी में एलएफटी जांच करवाने आए मरीजों को सुबह साढ़े नौ बजे से कर्मचारियों ने लगातार वापस लौटा दिया। एक मरीज लौटने के बजाय वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पास पहुंच गया। जहां उसने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. डीएस राठी को शिकायत की तो डॉ. राठी ने उसकी शिकायत के संज्ञान लेते हुए लैब के ऑफिसरों से बात की तो पता चला कि एलएफटी की मशीन ठीक हो चुकी है। जिस पर उन्होंने तुरंत मरीजों की जांच करने के निर्देश जारी किए।

लिफ्ट रही बंद : बीके अस्पताल में शनिवार को लिफ्ट मैनटेनेंस के कारण बंद हो गई। जिससे हार्ट सेंटर, डायलिसिस और वार्डों में जाने वाले मरीजों व गर्भवती महिलाओं को खासी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं चिकित्सकों को भी परेशान होना पड़ा। सुबह करीब 11 बजे के आसपास बंद हुई, लिफ्ट से सभी परेशान नजर आए।

व्यक्ति की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कम्पनी के बाहर प्रदर्शन करते परिजनों से बात करती पुलिस।

आर्थिक सहायता की मांग को लेकर परिजनों ने प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-छह में स्थित एक निजी कम्पनी में काम करने वाले एक व्यक्ति का शव रेल की पटरियों पर मिला। जिस पर जीआरपी ने मिले कागजात की मदद से व्यक्ति की पहचान मृलरूप से बिहार के निवासी शम्भु के रूप में की है।

पुलिस ने बिहार में परिजनों से सम्पर्क किया तो पता चला कि परिवार सेक्टर-आठ में रहता है। जिस पर पुलिस ने शनिवार को बीके अस्पताल से पोस्टमार्टम करवा कर शव को परिजनों को सौंप दिया। लेकिन परिजन शव लेकर कम्पनी पहुंचे और उन्होंने हत्या का आरोप और आर्थिक मदद की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत करवाया।

यह है पूरा मामला: बिहार के मुंगेर जिले का निवासी 27 वर्षीय शम्भु एक निजी कम्पनी में पिछले सात साल से काम कर रहा था। करीब छह महीने पहले वह अवकाश लेकर गांव गया था। दिसंबर में वह लौटकर आया। तब से वह लगातार काम पर जा रहा था। लेकिन ड्यूटी पर पहुंचे शम्भु को शुक्रवार की दोपहर कम्पनी से किसी काम से कहीं भेज दिया। उसी दौरान वह रेलगाड़ी की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। जिस पर बल्लभगढ़ जीआरपी ने शव को पहचान के लिए बीके अस्पताल में रखवा दिया और पूछताछ की। आधार कार्ड और पैन कार्ड के माध्यम से उसका पता निकला। पुलिस ने यहां रह रहे परिजनों की तलाश के बाद शव उनके हवाले कर दिया।

गो तस्करी के मुख्य आरोपी आरिफ सहित चार गिरफ्तार

आरोपियो से देसी कट्टा व खाली खोल कारतूस बरामद

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने गो तस्करी करने वाले 4 आरोपियो को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी आरिफ उर्फ केचू का भतीजा अरबाज उर्फ अबरार फरीदाबाद के गांव टिकरी खेड़ा के, इस्लाम उर्फ कुक्की फरीदाबाद के गांव कुरेशीपुर, आरोपी आकिब उर्फ हकला स्थाई रुप से उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद गांव मादलपुर में तथा अस्थाई रुप से गांव मादलपुर का रहने वाले है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी आरोफि उर्फ केचू ने अपने भतीजे अरबाज के साथ मिलकर गांव कुरेशीपुर में मीट की दुकान खोल रखी है। जिसकी आड़ में आरोपी गाय तस्करी कर गाय का मांस बेचते हैं। आरोपियो ने अपने साथियों के साथ मिल कर 6 मार्च को एक गाय को काट रहे थे गुप्त सूत्र से प्राप्त सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहूंची तो आरोपी पुलिस पर फायरिंग कर फरार होगए थे। मौके से 150 किलो गाय का मांस मीट और छुरा बरामद हुआ था। मुकदमा थाना धौजक्षेत्र में दर्ज है। क्राइम ब्रांच टीम को 08 मार्च को गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी आरिफ को बल्लभगढ़ से राजीव कॉलोनी की तरफ आते हुए काबू किया था। आरोपी को पुलिस ने अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। आरोपी ने पुलिस रिमांड पर बताया कि आरोपी ने अपने भतीजे अरबाज़ और साथी इस्लाम उर्फ कुक्की, आकिब उर्फ हकला के साथ मिलकर गांव सुरुरपुर से आबारा गायों को उठाकर अपनी दुकान पर ले जाकर काट दिया था।

तीन दिवसीय ब्रज होली महोत्सव 2022 शुरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत के प्रमुख पारंपरिक त्योहारों में से एक होली का जश्न मनाने के लिए तीन दिवसीय कार्निवल ब्रज होली महोत्सव 2022 का आज भरतपुर में धूमधाम से हुआ। भरतपुर, डीग और कामां के ब्रज क्षेत्र में यह आयोजन राजस्थान पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन की ओर से किया जा रहा है। यह आयोजन सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य के प्रमुख उत्सवों में से एक है। अपनी विशिष्ट संस्कृति के लिए विख्यात ब्रज क्षेत्र पूर्वी राजस्थान से लेकर पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश तक फैला है। प्रेम और निश्छल आनंद के प्रतीक भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से सराबोर और प्रेरित होली महोत्सव को भरतपुर क्षेत्र के लोग अनूठे तरीके से मनाते हैं।

होली महोत्सव के बारे में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, 'भरतपुर ब्रज क्षेत्र का हिस्सा है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने बचपन के बहुत वर्ष बिताए थे। इस क्षेत्र से श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की बहुत सी पौराणिक कहानियां जुड़ी हैं जो अत्यंतक महत्व की हैं। यह क्षेत्र भक्ति संतों की कर्मस्थली भी रहा है जिन्होंने भारतीय समाज को महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ब्रज होली महोत्सव हमारी समृद्ध परंपराओं और महान पौराणिक विरासत का महोत्सव है।'

राजस्थान सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने बताया हमारा प्रयास भरतपुर को एक पर्यटन स्थल के रूप में आगे बढ़ाना है जहां संस्कृति और धर्म बहुत खूबसूरती से जुड़े हुए हैं। जहां एक ओर यहां का गोवर्धन परिक्रमा धार्मिक पर्यटकों के श्रद्धा का केन्द्र है, वही डीग के अद्वितीय रंगीन फव्वारे और जल महल भी प्रमुख आकर्षण हैं। भरतपुर जिले का दिल्ली, आगरा, वृंदावन से निकटता के कारण, ब्रज क्षेत्र को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने की अपार संभावना है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि भरतपुर जिला, ब्रज क्षेत्र का प्रमुख हिस्सा है। ये ऐसी पवित्र भूमि है जहां भगवान श्री कृष्ण ने अपने बाल्यकाल के कई वर्ष व्यतीत किये थे। भगवान श्री कृष्ण की बाल क्रीड़ाओं की कथाओं का हिंदू पौराणिक कथाओं में बहुत महत्व है। यह क्षेत्र अनेक संतों की तपो स्थली रहा है जिन्होंने भारतीय समाज में बहुमूल्य योगदान दिया है।

नकली टाटा नमक बेचते दुकानदार गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादियान के द्वारा अपराधियों की धर-पकड़ के दिए गए दिशा निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर-17 प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक कुमार की टीम ने तीन नकली टाटा नमक बेचने वाले आरोपियो को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि आरोपी आयुष फरीदाबाद के सेक्टर 88, उदित ओल्ड फरीदाबदा के खेडी वाडा और आरोपी महेंद्र फरीदाबाद की भारत कॉलोनी के रहने वाले है। तीनो आरोपियो को टाटा कम्पनी के कर्मचारी की सूचना पर नकली टाटा नमक मार्का बेचने के आरोपी में 1925 नकली टाटा नमक थेली सहित भारत कॉलोनी ओल्ड फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपियो के खिलाफ थाना खेडी पुल में ठगी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। आरोपी टाटा नमक का नकली मार्का लगा कर नमक बेच कर लोगो को ठगते थे।

बीके में पार्किंग की अव्यवस्था : अक्सर लगता है जाम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके अस्पताल में यहां-वहां खड़े वाहनों से लगा जाम।

बीके अस्पताल में नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियां।

नागरिक अस्पताल बीके में और उसके सामने पार्किंग की अव्यवस्था के कारण अक्सर ज़ाम जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। सिविल अस्पताल होने के कारण यहां पलवल, फरीदाबाद, मेवात, होडल और दिल्ली के निकट मौजूद कालोनियों से बड़ी संख्या में लोग ईलाज के लिए आते हैं।

अस्पताल में ईलाज के लिए आए लोग अपने वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं। जिसकी वजह से जाम जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। वहीं आजकल अस्पताल में ऑटो चालकों का आतंक मचा हुआ है। सवारी के चक्कर में ऑटो चालक अस्पताल के भीतर यहां-वहां ऑटो खड़े करके रखते हैं। ऐसे में यहां अपातकालीन अस्पताल से रेफर होने वाले गंभीर बीमारी वाले मरीजों को ले जाने वाली एम्बुलेंस अक्सर जाम में फंसी रहती है। पिछले दिनों ऑटो चालकों के लिए पुलिस ने पायनियर में छपी खबर पर संज्ञान लेते हुए ऑटो स्टेंड बीके चौक पर बनाए थे। लेकिन यह ऑटो स्टैंड अब दिखावटी हो चुके है। यहां शुक्रवार को ऑटो स्टैंड पर खड़े रहने के बजाय ऑटो सड़क पर बीच में ही खड़े होते नजर आए। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस कदर आज भी मरीजों की जान खतरे में है।

समस्या से दो चार होते लोगों का कहना है कि लोगों की शिकायत पर पिछले दिनों प्रशासन द्वारा ज़ाम से निजात पाने के लिए ऑटो चालकों के लिए स्टैंड बनाया गया था। ताकि एंबुलेंस के आवागमन के लिए रास्ता खाली रहे और किसी भी मरीज को जाम में फंसने के कारण मुश्किल का सामना ना करना पड़े। लेकिन इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। वाहन चालकों द्वारा बदस्तूर नियमों का उल्लघंन जारी है। बदइंतजामी का आलम यह है कि सुरक्षाकर्मी भी उन्हें ऐसा करने से नहीं रोकते हैं।

नहीं दिया ध्यान

रोजाना बीके अस्पताल परिसर में नो पार्किंग से लेकर बीके अस्पताल के बाहर नगर निगम के सामने निजी वाहनों और ऑटो चालकों का जमावड़ा लगा रहता है। जिससे मरीजों को यहां से वहां जाने में परेशानियां झेलनी पड़ती है। लेकिन इस ओर न तो अस्पताल प्रबंधन ध्यान दे रहा है और न ही पुलिस व नगर निगम। जिसका खामियाजा कई बार यहां एम्बुलेंस से जा रहे मरीजों की जान का खतरा हो जाता है। कई बार एम्बुलेंस में ही गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी तक हो जाती है।

एनक्यूएएस की टीम सोमवार को करेंगी बीके का दौरा

फरीदाबाद। बादशाह खान सिविल अस्पताल में नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स (एनक्यूएएस) की राष्ट्रीय स्तर की टीम सोमवार से तीन दिवसीय दौरा करेगी। इस दौरान तीन सदस्यी टीम स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण करेगी। टीम के आने से पहले अस्पताल प्रबंधन ने तैयारियां पूरी कर ली है। केंद्र की ओर से भेजी जाने वाली तीन सदस्यीय टीम में हिमाचल प्रदेश की डॉ. सोनम नेगी, डा.मीना मित्तल और डा.सुनीता भाटिया शामिल हैं।

वर्ष 2017 में बीके अस्पताल को एनक्यूएएस का सर्टिफिकेट मिला था। यह हर तीन साल बाद बेहतर सुविधाएं देने वाले अस्पतालों को दिया जाता है। जिले में मात्र बीके अस्पताल को जिले के अन्य अस्पतालों के मुकाबले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पाई गई थी। केन्द्र की ओर से सर्वश्रेष्ठ सुविधाओं के लिए प्रमाण पत्र जारी किए गए थे। यह प्रमाण पत्र बीके अस्पताल का 2020 में पूरा हो गया था। लेकिन कोरोना महामारी के कारण अस्पताल में दोबारा निरीक्षण नहीं हो सका। जिसे देखते हुए केन्द्र सरकार ने अब जिले के सभी अस्पतालों को इस श्रेणी में लाने का निर्णय लिया है। जिसे देखते हुए अब एक बार फिर बीके अस्पताल में टीम निरीक्षण के दौरान सबसे पहले साफ-सफाई, मरीजों की दी जाने वाली सुविधाएं, अस्पताल को सुचारू रूप चलाने के लिए आवश्यक विभिन्न विभाग की एनओसी, साइनेज, इंफेक्शन कंट्रोल, रिकार्ड मेंटिनेंस, बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट का निरीक्षण करेगी। इसके अलावा मरीजों, अधिकारों और अंत में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजना संबंधी प्रश्न स्टाफ और इलाज के तौर तरीकों के बारे में जानकारी लेगी।

संक्षिप्त समाचार

लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश का आरोपी गिरफ्तार

दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार युवक विनय कुमार।

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एनआईटी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर नरेन्द्र की टीम ने रेप की घटना को अंजाम देने की कोशिश करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी विनय कुमार स्थाई रूप से उत्तर प्रदेश के जिले बुलंदशहर के गांव पोंडरी का और अस्थाई रूप से फरीदाबाद गांव लकड़पुर में रह रहा है। आरोपी टैक्सी चलाता है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि आरोपी बुकिंग के लिए सूरजकुंड चौक पर खड़ा था तभी वहां अकेली लड़की को देख उसके पास जाकर नकली आई कार्ड दिखाते हुए अपने आप को पुलिस वाला बताया। कहा कि यहां खोरी गांव के आसपास तोड़फोड़ हुई है। यहां कोई भी वारदात हो सकती हैं इसलिए आप मेरे साथ चलो में आपको थाने में ले जाकर आपके घरवालों को बुलाकर नाम पता लिख कर छोड़ दूंगा। लड़की के मना करने पर आरोपी ने लड़की को डरा धमकाकर अपनी गाड़ी में बैठा लिया और लड़की को सूरजकुंड के जंगल में ले गया। वहां आरोपी ने लड़की के साथ रेप करने की कोशिश की, लेकिन अपने प्रयास में सफल न होने पर वह लड़की को गाड़ी से उतारकर फरार हो गया। लड़की ने घटना के संबंध में महिला थाना एनआईटी में एक लिखित शिकायत दी। क्राइम ब्रांच टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को सूरजकुंड से गिरफ्तार किया था। आरोपी से वारदात में प्रयोग गाड़ी और फर्जी आईकार्ड बरामद कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि कोई सवारी उसकी गाड़ी में अपना पर्स भूल गई थी। जिससे उसने अपना फर्जी कार्ड बना लिया था। आरोपी को जेल भेज दिया।

निगम अधिकारियों के संग विधायक नीरज ने किया दौरा

फरीदाबाद। एनआईटी से विधायक नीरज शर्मा ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ वार्डों का दौरा किया। विधानासभा क्षेत्र के वार्ड-1, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 10 में चल रहे विकास कार्यों एंव पानी के बूस्टरों का निरीक्षण किया। जिस पर कार्यकारी अधिकारी एंव कनिष्ठ अभियंता को निदेश दिए की चल रहे विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए और हर विकास कार्य के ऊपर विकास कार्य का बोर्ड अतिआवश्यक लगा हो ताकि कार्यों में परिदर्शिता आए। साथ ही गर्मियों में पानी की किल्लत को लेकर निर्देश दिए की पानी का बटंवारा समान हो और डी-प्यान योजना के तहत जो वार्ड-10 , वार्ड-9 एंव वार्ड-8 में जो ट्यूबवेल लगाए जा रहे है उनको जल्द से जल्द शुरू किया जाए, ताकि गार्मियों में विधानसभा के निवासियों को पानी की किल्लत से न जूझना पड़े। विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। इस मौके पर वार्ड-5 से रामेहर प्रधान, सोनू शर्मा, पकंज शर्मा एवं नगर निगम के कार्यकारी अभियंता ओपी कर्दम, कनिष्ठ अभियंता वार्ड-5 प्रवीण कुमार, वार्ड-3 प्रमोद पचौरी, वार्ड-1 बलराज, वार्ड-6/7 शिवकुमार, वार्ड-8 दिनेश आर्य, वार्ड-10 संदीप तलवार उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 9293 मामलों का निपटारा

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं न्यायमूर्ति पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ अगस्तिन जॉर्ज मसीह के दिशा निर्देशानुसार कोविड-19 को मध्येनजर रखते हुए पूरे हरियाणा प्रांत में प्रत्येक जिले के अंदर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह अदालत जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वाईएस राठौर की अध्यक्षता में एवं निर्देशानुसार एवं मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में लगाई गई। आयोजन जिला अदालत सेक्टर 12 फरीदाबाद में किया गया। जिस लोक अदालत में 26 बेंच लगाए गए। जिनमें यशवीर सिंह राठौर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नजर सिंह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, राजेश गर्ग अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नरेंद्र सुरा अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अमृत सिंह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, राजेश शर्मा अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, कुमुद गूगनानी प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट, डॉक्टर याशिका अतिरिक्त प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट, राजेश कुमार अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश लेबर कोर्ट इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल, तैयब हुसैन अतिरिक्त मुख्य न्याय दंडाधिकारी, संदीप चौहान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, महेंद्र सिंह सिविल जज सीनियर डिवीजन, अस्मिता देशवाल जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, गौरव खटाना ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, गौरंग शर्मा ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सुमित तुरकिया जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, प्रियंका जैन ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ,मोहम्मद जकारिया खान जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, आकृति वर्मा ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सुमित कालोन जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीलम ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, गगनदीप गोयल जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अनुराधा जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, रूपम जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, रिशु जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, शिवानी राणा जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, डॉक्टर विद्या प्रकाश पाठक चेयरमैन परमानेंट लोक अदालत, फरीदाबाद की बेंच बनाई गई जिनमें 19833 केस रखे गए। जिनमें से कुल 9293 केसों का निपटारा आपसी सहमति से लोक अदालत द्वारा किया गया।

रविंद्र फागना ने 170 रन से जीता मैच

फरीदाबाद। वान्या क्रिकेट मैदान पाली में खेले गए प्रैक्टिस मैच में रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने वान्या क्रिकेट अकादमी को 170 रन से हराया। बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि रविन्द्र फागना क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते 45 ओवर में 9 विकेट पर 353 रन बनाए। मुनीश खान 66 रन, पंकज ने 55 रन, इंजमुमल हक ने 54 रन, वंश कंबोज ने 49 रन, अब्दुल ने 22 रन बनाए। वान्या क्रिकेट अकादमी अबबी ने 3 विकेट, हर्ष और दीपक व लड्डू और गौरव ने एक-एक विकेट ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए वान्या क्रिकेट अकादमी 34.4ओवर में 10 विकेट में 183 रन बनाकर ही बना सकी। अबबी ने 62 रन, लड्डू ने 48 रन, हर्ष ने 23 रन बनाए। रविन्द्र फागना क्रिकेट अकादमी के अंश सैनी और करण चौहान ने 3-3 विकेट ली। मजीद खान ने दो विकेट, इंजमुमल हक ने एक विकेट ली। इस मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार करण चौहान को दिया गया।

आईएमटी इंडस्ट्रियल एक्सपो आज, केंद्रीय राज्य मंत्री करेंगे शुभारंभ

एक्सपो की तैयारियों का जायजा लेते आईएमटी इंडस्ट्रियल एसो. के प्रधान प्रमोद राणा साथ में डीपी यादव, नितिन गुप्ता, राजेंद्र कालरा व अन्य गणमान्यजन।

फरीदाबाद। आईएमटी इंडस्ट्रियल एसो. फरीदाबाद द्वारा आयोजित आईएमटी इंडस्ट्रियल एक्सपो का आज से आगाज होगा। तीन दिवसीय एक्सपो का शुभारंभ केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा करेंगे। अलग-अलग चरणों में विधायक व हरियाणा सरकार में चेयरमैन नयनपाल रावत, विधायक राजेश नागर, सीमा त्रिखा, नरेंद्र गुप्ता आदि गणमान्य जन शिरकत करेंगे। एसोसिएशन के प्रधान प्रमोद राणा ने एक्सपो की तैयारियों का अपनी टीम डीपी यादव, नितिन बरेजा, राजेंद्र कालरा, नितिन गुप्ता के साथ जायजा लिया। एक्सपो को लेकर एगजीबिटर्स में भी उत्साह देखते ही बना। लगभग 250 उद्योग अपने उत्पाद इस एक्सपो में प्रदर्शित करेंगे। वहीं एक्सपो के तीनों दिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा।

विद्यार्थियों को फ्री करने से डीईओ ने किया इनकार

फरीदाबाद। प्री बोर्ड परीक्षाओं के बाद जिले के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को फ्री कर दिया जा रहा है। इस बात का खुलासा जिला गणित विशेषज्ञ के निरीक्षण के बाद हुआ। इस अव्यवस्था के सामने आने के बाद शिक्षा अधिकारी को इस बारे में अवगत कराया गया। अधिकारी ने परीक्षा के बाद विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए कहा, ताकि कोरोना काल में प्रभावित पढ़ाई को अब पूरा कराया जा सके। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं नजदीक हैं और विद्यार्थियों को कुछेक अध्यापक अतिरिक्त समय देकर पढ़ा भी रहे हैं। कई अध्यापक ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसका खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। जैसे की प्री बोर्ड की परीक्षा समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों को घर भेज दिया जाता है।

फडणवीस को मुंबई पुलिस के समक्ष पेश होने को कहा गया

● फोन टैपिंग मामला

भाषा। मुंबई

मुंबई की साइबर पुलिस ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस को एक नोटिस जारी कर कथित अवैध फोन टैपिंग मामले में रविवार को उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, फडणवीस ने कहा कि पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उन्हें यह सूचना देने के लिए फोन किया कि पुलिस जरूरी सूचना लेने के लिए उनके आवास पर आएगी और उन्हें बीकेसी साइबर पुलिस थाना जाने की जरूरत नहीं है।

महाराष्ट्र के गृह मंत्री वलसे पाटिल ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले, मंत्री बच्चू काडू, पूर्व विधायक आशीष देशमुख, पूर्व सांसद संजय काकडे और अन्य की भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी रश्मि शुक्ला ने उस वक्त फोन टैपिंग की थी, जब वह राज्य खुफिया प्रमुख थीं। पुलिस अधिकारी ने बताया, फडणवीस को जारी नोटिस में, पुलिस ने कहा है कि मामले के सिलसिले में पहले ही उन्हें सीलबंद लिफाफे में प्रश्नावली भेज दी गई थी, लेकिन उन्होंने उनका जवाब नहीं दिया। इसके अलावा, उनका जवाब मांगते हुए उन्हें दो बार नोटिस भेजा गया, लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। अधिकारी ने बताया कि इसके अतिरिक्त, फडणवीस को तीन पत्र भेज कर उन्हें पुलिस के समक्ष उपस्थित होने की याद दिलाई गई। लेकिन, उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। वहीं, एक नए नोटिस में, उनसे रविवार को साइबर पुलिस के समक्ष पेश होने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि अज्ञात व्यक्तियों की कथित तौर पर अवैध रूप से फोन टैप करने और गोपनीय दस्तावेज लीक करने के सिलसिले में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया गया था। यह मामला राज्य के खुफिया विभाग (एसआईडी) की शिकायत पर दर्ज किया गया था। हालांकि, प्राथमिकी दर्ज होने से पहले महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्य सचिव सीताराम कुंटे ने अपनी जांच रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने गोपनीय रिपोर्ट लीक की थी।

शुक्ला पर एसआईडी प्रमुख रहते हुए नेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के फोन टैप कराने का आरोप है। फडणवीस द्वारा पुलिस विभाग में तबादलों में कथित भ्रष्टाचार के बारे में शुक्ला की ओर से तत्कालीन पुलिस महानिदेशक को कथित रूप से लिखे गए एक पत्र का हवाला देने के बाद वह विवादों में घिर गई थीं। पत्र में कथित तौर पर टैप किए गए फोन कॉल का भी ब्योरा था, जिसे लेकर शिवसेना के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं ने आरोप लगाया कि शुक्ला ने बिना अनुमति के फोन टैप किए। पिछले साल अप्रैल में मुंबई पुलिस ने शुक्ला को पूछताछ के लिए बीकेसी साइबर सेल के सामने तलब किया था, लेकिन वह कोरोना वायरस महामारी का हवाला देते हुए नहीं पहुंचीं। मई में मुंबई साइबर पुलिस की एक टीम ने कथित फोन टैपिंग मामले में हैदराबाद में उनका बयान दर्ज किया था। दिन में, संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस ने इस बात की पुष्टि की कि उन्हें पेशी का नोटिस मिला है और वह रविवार सुबह 11 बजे साइबर पुलिस थाने जाएंगे। बाद में उन्होंने ट्वीट में कहा, अभी-अभी संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) का एक कॉल आया, जिसमें मुझे सूचित किया गया कि बीकेसी साइबर पुलिस थाना जाने की जरूरत नहीं है। वे जरूरी सूचना लेने मेरे आवास पर आएंगे। मैं अपने आवास पर रहूंगा। मैंने कल के लिए पुणे के सारे कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। वे किसी भी समय आ सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें इसलिए नोटिस जारी किया गया है कि उन्होंने शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की महाविकास आघाडी सरकार को बेनकाब किया था।

सरकारी कर्मचारियों का एक वर्ग सफेदपोश भिखारियों जैसा व्यवहार कर रहा: केरल के मंत्री

तिरुवनंतपुरम। केरल के स्थानीय स्वशासन और आबकारी मंत्री एम.वी. गोविंदन ने शनिवार को आम लोगों को दर-दर भटकाने वाले सरकारी कर्मचारियों के एक वर्ग को आड़े हाथों लिया और कहा कि वे सफेदपोश भिखारियों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। मंत्री ने यहां आयोजित एक समारोह में सरकारी सेवा में मौजूद लालफीताशाही को लेकर आलोचना की। माकपा नेता ने कहा, यह एक वास्तविकता है कि समाज को शर्मसार करने वाले कुछ अपमानजनक लोगों का एक समूह इस सरकारी सेवा का हिस्सा है। मंत्री ने कहा कि ऐसे कर्मचारी सफेदपोश भिखारियों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने जनता के कार्यों को लेकर टालमटोल भरा रवैया अपनाने वाले ऐसे अधिकारियों को आगाह भी किया। इससे पहले भी कई मौकों पर गोविंदन ने सरकारी सेवा में लाल फीताशाही और जनता के कार्यों को लेकर उदासीनता दिखाने वाले सरकारी कर्मचारियों को लेकर निशाना साधा था।

अहमदाबाद के गांधी आश्रम में एक कार्यक्रम के दौरान गृहमंत्री अमित शाह व अन्य

लद्दाख के सभी गांवों में ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित कनेक्टिविटी पर उपराज्यपाल ने जोर दिया

लेह। लद्दाख के उपराज्यपाल आर. के. माथुर ने इस केंद्र शासित प्रदेश के सभी गांवों में ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) पर आधरित कनेक्टिविटी पर जोर दिया है। उन्होंने सेवा प्रदाताओं को समूचे लद्दाख में मोबाइल टावर और डिजिटल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि उपराज्यपाल लद्दाख में दूरसंचार से संबंधित मुद्दों और चिंताओं की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक बैठक में बोल रहे थे। उपराज्यपाल ने लद्दाख की 193 ग्राम पंचायतों को नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क (एनओएफएन) से जोड़ने की योजना में प्रगति की समीक्षा की। ए ग्राम पंचायतें फिलहाल वीसैट आधारित प्रणाली से जुड़ी हैं।उन्होंने भारतनेट परियोजना के तहत स्थापित वीसैट से निम्न बैंडविथ की शिकायत पर विचार-विमर्श किया और इस परियोजना के तहत ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित कनेक्टिविटी की आवश्यकता पर बल दिया। इस मामले में उन्होंने बीएसएनएल, बीबीएनएल और यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (यूएसओएफ) से आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। प्रवक्ता के अनुसार, माथुर ने भारत संचार निगम लिमिटेड पर (उपभोक्ताओं के) भरोसे में सुधार के लिए फाइबर नेटवर्क को बढ़ाने की आवश्यकता जताई है।

बतौर मुख्यमंत्री मोदी के उठाए कदमों से गुजरात में दोषसिद्धि दर बढ़ीः शाह

भाषा। गांधीनगर

गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल में राज्य की कानून व्यवस्था में सुधार को लेकर किए गए उपायों के चलते वहां दोषसिद्धि की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। शाह ने कहा कि मोदी द्वारा उठाए गए कदमों, मसलन-पुलिस थानों के कंप्यूटरीकरण और सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था पर केंद्रित विश्वविद्यालयों की स्थापना के चलते 2012 में गुजरात में दोषसिद्धि दर में 22 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। उन्होंने कहा, 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभालने के बाद मोदी ने राज्य की पुलिस प्रणाली में एक समग्र दृष्टिकोण लाने का फैसला किया, जो (प्रणाली) अंग्रेजों के समय से ज्यादा नहीं बदली थी और लोग भी इसे सिर्फ रोजगार के साधन के रूप में देख रहे थे। मोदी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे पहला काम पुलिस बल का आधुनिकीकरण किया। गृहमंत्री गांधीनगर के लवाड गांव में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस के आधुनिकीकरण से जुड़े अभियान के तहत हर पुलिस थाने को कंप्यूटर दिए गए और उन्हें इंटरनेट से जोड़ा गया। शाह ने बताया कि एक सॉफ्टवेयर बनाने के लिए पेशेवर फर्म की सेवाएं ली गई थीं, जो अभी भी बिना किसी दिक्कत के काम कर रहा है और तकनीक की समझ रखने वाले कॉन्स्टेबलों को सॉफ्टवेयर के संचालन के लिए प्रशिक्षण दिया गया था। गृहमंत्री ने कहा, मोदी ने इसके बाद गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना की, जो देश का सर्वश्रेष्ठ विधि विश्वविद्यालय है। इसके बाद आरआरयू और राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय स्थापित किया गया। शाह ने कहा, कानून और व्यवस्था के तीनों पहलुओं में युवाओं को प्रशिक्षित करने का विचार था। मोदी के इन प्रयासों के चलते ही 2012 में गुजरात की दोषसिद्धि दर में 22 फीसदी की वृद्धि देखी गई। गृहमंत्री ने उम्मीद जताई कि आरआरयू अपने आधार का विस्तार करेगा।

जम्मू केंद्रीय विवि में अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र का उद्घाटन

जम्मू। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को यहां जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि 60 छात्रों के साथ पहला पाठ्यक्रम इस साल शुरू होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह ने केंद्र के उद्घाटन को उत्तर भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन करार दिया। अक्टूबर 2018 में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भू-स्थानिक डेटा विश्लेषण की सुविधाओं के साथ केंद्र स्थापित करने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इससे टिकाऊ प्राकृतिक संसाधनों और योजनाबद्ध भूमि उपयोग पैटर्न के संबंध में मदद मिलेगी। इस केंद्र में उत्तर भारत की नदियों, हिमनद के रूप में संग्रहित बड़ी मात्रा में पानी के बेहतर उपयोग के लिए वायुमंडलीय अध्ययन, खगोल भौतिकी पर अनुसंधान प्रयोगशाला, वायुमंडलीय संवेदन और हिमनद अध्ययन प्रयोगशाला के लिए जमीन आधारित अवलोकन की सुविधा है। केंद्र का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह न केवल जम्मू के लिए बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी दक्षिण भारत तक ही सीमित थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जहां एक तरफ निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में भूमिका को सुनिश्चित किया गया, वहीं दूसरी तरफ देश के दूसरे हिस्सों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी संस्थानों को भी खोलने का फैसला लिया गया। सिंह ने फ्रंटियर्स ऑफ स्पेस टेक्नोलॉजी एंड एप्लीकेशन फॉर ह्यूमैनिटी सम्मेलन का भी उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनके सुझाव पर केंद्र का नाम इसरो के पूर्व अध्यक्ष के नाम पर रखा गया, क्योंकि वह जम्मू कश्मीर के निवासी थे और डोगरा समुदाय के वास्तविक गौरव थे।

निजी मेडिकल कॉलेजों के नौ पूर्व अधिकारियों को सशर्त जमानत

व्यापमं घोटाला

जबलपुर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा-2013 से संबंधित करोड़ों रुपए के व्यापमं घोटाले के तहत धोखाधड़ी और जालसाजी सहित अन्य आरोप झेल रहे निजी मेडिकल कॉलेजों के नौ पूर्व अधिकारियों को सशर्त जमानत दे दी है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि गिरफ्तारी की स्थिति में याचिकाकर्ताओं को एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा किया जा सकता है। न्यायमूर्ति एस. नागू और न्यायमूर्ति एम. एस. भट्टी की खंडपीठ ने शुक्रवार को आरोपी को सशर्त जमानत दी जिसमें यह भी शामिल है कि वे मुकदमे की सुनवाई के दौरान अनावश्यक स्थगन की मांग नहीं करेंगे। अदालत ने भोपाल के पीपुल्स कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस एवं रिसर्च सेंटर के पूर्व अध्यक्ष एस. एन. विजयवर्गीय, चिरायु चैरिटेबल फाउंडेशन भोपाल के तत्कालीन सचिव डॉ अजय गोयनका और मयंक वेलफेयर सोसायटी, इंदौर के तत्कालीन अध्यक्ष सुरेश सिंह भदौरिया को जमानत दे दी। आज जिन अन्य लोगों को जमानत दी गई उनमें... चिरायु मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की प्रवेश समिति के पूर्व सदस्य डॉ रवि सक्सेना, एस. एन. सक्सेना तथा डॉ वी. एच. भावसार और पीपुल्स मेडिकल कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर के पूर्व डीन डॉ विजय कुमार पंड्या, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर के पूर्व कर्मचारी अरुण कुमार अरोड़ा और चिरायु मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व डीन डॉ वीरेंद्र मोहन शामिल हैं। अदालत के आदेशानुसार, याचिकाकर्ता सुनवाई के दौरान अनावश्यक स्थगन की मांग नहीं कर सकते, निचली अदालत की अनुमति के बैगर देश से बाहर नहीं जा सकते, जांच अधिकारी, मामले के तथ्यों से परिचित किसी भी व्यक्ति को प्रलोभन, धमकी या वादा नहीं कर सकते और नाहीं ऐसा करने में संलिप्त हो सकते हैं।

यूक्रेन से वापस आने के बाद श्रीनगर में अपने परिजानों से मिलते लोग

पश्चिम बंगाल के डॉक्टरों के संगठन ने दो धड़े के अनैतिक व्यवहार पर दंडित करने की मांग की

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के डॉक्टरों के एक संयुक्त मंच ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को पत्र लिखकर इस महीने की शुरुआत में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की कोलकाता इकाई के चुनाव के दौरान कथित अनैतिक व्यवहार के लिए डॉक्टरों को दंडित करने की मांग की है। भारतीय चिकित्सा परिषद के पेशेवर आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता विनियम, 2002 की संबंधित धाराओं के तहत शिकायत करते हुए 10 मार्च को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के नैतिकता और चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष को पत्र भेजा गया। मंच के संयुक्त संयोजक पुण्यब्रत गुन और हीरालाल कोनार ने उस पत्र पर हस्ताक्षर किए जिसमें घटना के लिए संगठन के दो धड़े को दोषी ठहराया गया। पत्र में कहा गया, कई बदमाशों ने शहर में व्यस्त लेनिन सरण रोड के एक हिस्से को अवरुद्ध कर दिया, गालियां दीं और एक-दूसरे के साथ हाथापाई की। दुर्भाग्य से इसमें कई डॉक्टर थे और वे पश्चिम बंगाल चिकित्सा परिषद में पंजीकृत हैं। उनका नेतृत्व सरकार और चिकित्सा परिषद में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन दो वरिष्ठ डॉक्टरों ने किया। पत्र में कहा गया है कि इन तत्वों ने भारतीय चिकित्सा परिषद के पेशेवर आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता विनियम, 2002 के प्रावधानों का खुले तौर पर उल्लंघन किया तथा पेशे की गरिमा और प्रतिष्ठा को धूमिल किया। पत्र में कहा गया, हम इन असभ्य कृत्यों की कड़ी निंदा करते हैं और उन्हें हमारे महान पेशे के लिए शर्मनाक घोषित करते हैं। हम आपसे इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने और जांच के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध करते हैं। हम उपद्रवियों के लिए कड़ी सजा की मांग करते हैं। आईएमए की कोलकाता इकाई के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर पांच मार्च को सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो धड़े आपस में भिड़ गए। दोनों धड़े के नेता-टीएमसी विधायक निर्मल मांझी और पार्टी के सांसद शांतनु सेन झगड़े के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे हैं।

क्विक न्यूज

प्रधानमंत्री के चतुराई भरे भाषण सुनकर लोग उनपर यकीन कर लेते हैं : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को तंज कसते हुए कहा कि हिन्दुत्व और ध्रुवीकरण के नाम पर चतुराई से भाषण दे कर भाजपा ने विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की है। गहलोत ने कहा, सबको मालूम है कि देश में, उत्तरप्रदेश में कोरोना प्रबंधन कैसा रहा। जन-जन को मालूम है, लेकिन ए सभी बाते पीछे छूट गई है क्योंकि आप (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) चतुराई से अपनी बाते रखते है और पूरा मीडिया उसमें आपका साथ देता है। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री चतुराई से भाषण देते है और लोगों को लगता है कि चूंकि प्रधानमंत्री बोल रहे है, तो सबकुछ सच ही होगा।

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में विस्फोटक जब्त

झाबुआ (मध्य प्रदेश)। पुलिस ने जिले के पेटलावद के एक मकान से शनिवार को जिलेटिन की छड़ें और डेटोनेटर जब्त किए है।गौरतलब है कि छह साल पहले झाबुआ जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर स्थित इसी कस्बे में हुए भीषण विस्फोट में 89 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। पेटलावद के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) सोनू डाबर ने पीटीआईभाषा को बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कुमार मोहल्ला निवासी अब्दुल हमीद (51) के घर से जिलेटिन की 28 छड़ें और इतने ही डिटोनेटर जब्त किए है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की पूछताछ की जा रही है।

महाराष्ट्र सरकार को रेलवे के विकास के लिए अपने हिस्से का 50 प्रतिशत योगदान देना चाहिए: दानवे

जालना। केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में रेलवे के विकास के लिए महा विकास आघाड़ी सरकार को परियोजनाओं के लिए अपने हिस्से का 50 प्रतिशत योगदान देना चाहिए। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दानवे ने जालना रेलवे स्टेशन पर मनमाड से मुदखेड़ तक रेल विद्युतीकरण के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। दानवे ने मनमाड से मुदखेड़ तक रेल विद्युतीकरण के लिए सब-स्टेशन और बिजली के खंभे का लोकार्पण किया।समारोह में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ भागवत कराड़, सांसद संजय जाधव, विधायक कैलाश गोरंट्याल, संतोष दानवे, नारायण कुचे, अतुल सावे और प्रशांत बंब और रेलवे व जिला अधिकारी मौजूद थे। दानवे ने कहा कि राज्य में विभिन्न तबकों से रेलवे के विकास की मांग की जा रही है। केंद्र रेलवे परियोजनाएं और नई लाइनें बिछाने के लिए तैयार है, लेकिन नीति के मुताबिक राज्य को अपने हिस्से का 50 फीसदी योगदान देना है। मंत्री ने कहा कि बहुप्रतीक्षित नागपुर-मुंबई बुलेट ट्रेन पर काम जल्द ही शुरू हो जाएगा क्योंकि कुछ दिनों में विकास परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) जारी की जाएगी।

असम में भागने की कोशिश कर रहा मादक पदार्थों का तस्कर पुलिस गोलीबारी में घायल

नगांव (असम)। असम के नगांव जिले में शनिवार को मादक पदार्थों का एक संदिग्ध तस्कर पुलिस गोलीबारी में उस वक्त घायल हो गया, जब उसने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया और गिरफ्तारी से बचने के लिए भागने की कोशिश की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक विशेष सूचना मिलने पर जुरिया पुलिस थाना क्षेत्र के तहत एक इलाके में एक अभियान शुरूकिया गया। चुनौती दिए जाने पर आरोपी ने एक धारदार हथियार से पुलिस दल पर कथित तौर पर हमला कर दिया और भागने की कोशिश की। इसके जवाब में, पुलिस टीम ने उस पर गोलीबारी की,जिसमें उसके दाहिने हाथ में गोली लगी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि उसके पास से संदिग्ध मादक पदार्थों की कुल 59 शीशी, 10,200 रुपए नकद, एक मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सीएम इब्राहिम ने पार्टी छोड़ी

● जदएस में शामिल होने की संभावना

भाषा। बेंगलुरु

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधानपरिषद सदस्य (एमएलसी) सी एम इब्राहिम ने शनिवार को कहा कि उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और जद (एस) में शामिल होने के इच्छुक हैं। हालांकि, वरिष्ठ राजनेता ने कहा कि वह एक दो दिनों में पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा सहित जद (एस) नेतृत्व के साथ चर्चा के बाद क्षेत्रीय पार्टी में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा करेंगे।

इब्राहिम के जद (एस) में शामिल होने की संभावना पर प्रतिक्रिया जताते हुए देवेगौड़ा ने कहा कि पार्टी चर्चा करेगी और फैसला करेगी। इब्राहिम ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। मैंने सोनिया गांधी (कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष) को एक हस्ताक्षरित पत्र भेजा है। उन्होंने कहा कि वह एमएलसी के रूप में भी इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने विधान परिषद के सभापति को संबोधित पत्र विपक्ष के नेता (विधानसभा) सिद्धारमैया को भेजा है, वह इसे प्रस्तुत करके स्वीकार करा सकते हैं। मैंने ऐसा इसलिए किया है, क्योंकि यदि मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया, भाजपा को परिषद में बहुमत मिल जाएगा और इसके बाद धर्मांतरण रोधी विधेयक (जो परिषद में लंबित है) आसानी से पारित हो सकता है। मैं इसे उन पर छोड़ता हूं। उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार सहित राष्ट्रीय और प्रदेश कांग्रेस के नेताओं को धन्यवाद देते हुए कहा, मैं अब एक स्वतंत्र व्यक्ति हूं और मुझे कोई भी निर्णय लेने की स्वतंत्रता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और एक समय देवेगौड़ा के सहयोगी रहे इब्राहिम 2008 में कांग्रेस में शामिल हुए थे और पिछले कुछ समय से पार्टी और सिद्धारमैया से नाराज चल रहे थे। कांग्रेस छोड़ने का उनका फैसला पार्टी द्वारा बी के हरिप्रसाद को विधान परिषद में विपक्ष के नेता के रूप में नियुक्त करने के बाद आया है, जिस पद पर उनकी नजर थी। उन्होंने कांग्रेस पर अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं की उपेक्षा करने और समुदाय को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया है। यह उल्लेख करते हुए कि उन्होंने 'आत्म-सम्मान' के लिए कांग्रेस से इस्तीफा दिया है, इब्राहिम ने कहा कि वह कुछ दिनों में जद (एस) के संरक्षक देवेगौड़ा और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी से मिलेंगे और अपने फैसले की घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि मुझ पर अन्य दोस्तों (विभिन्न दलों से) का दबाव था, मेरी इच्छा जद (एस) है क्योंकि देवेगौड़ा मुझे जानते हैं और मैं उन्हें जानता हूं।

कारीगरों और शिल्पकारो को सशक्त बनाने का कुशल प्रयास है हुनर हाटः नकवी

भाषा। गुवाहाटी

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि हुनर हाट देश के कारीगरों की मदद करने और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान को सुनिश्चित करने में सक्षम रहा है। हुनर हाट देश में पारंपरिक कला और शिल्प को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से चलाया जाने वाला एक कार्यक्रम है। इसके जरिए कारीगरों और शिल्पकारों के काम को प्रोत्साहन दिया जाता है। नकवी ने कहा कि हुनर हाट शिल्पकारों की विरासत को संरक्षित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए एक अहम भागीदार साबित हुआ है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में पहले हुनर हाट के उद्घाटन के अवसर पर नकवी ने शनिवार को कहा कि इस पहल ने कारीगरों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित किया है और साथ ही उनके जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 700 शिल्पकार असम के गुवाहाटी में आयोजित हुनर हाट में भाग ले रहे हैं, जो 20 मार्च तक जारी रहेगा। नकवी ने कहा कि हुनर हाट कारीगरों और शिल्पकारों को सशक्त बनाने का एक कुशल प्रयास है। गौरतलब है कि देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मनाए जा रहे अमृत महोत्सवै के एक हिस्से के रूप में देश भर में आयोजित किए जाने वाले 75 हुनर हाट के माध्यम से 7.5 लाख कारीगरों और शिल्पकारों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखा गया था। गुवाहाटी में आयोजित यह 38वां हुनर हाट कार्यक्रम है।

आजादी के बाद सुरक्षा तंत्र पर नहीं दिया गया ध्यान

भाषा। गांधीनगर

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के पहले सत्र के सफल छात्रों को डिग्री प्रदान करते पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अफसोस जताया कि आजादी के बाद देश के सुरक्षा तंत्र में जरूरत के बावजूद शायद ही कोई सुधार किया गया।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद आतंरिक सुरक्षा ढांचे में सुधार की आवश्यकता थी लेकिन देश इस मामले में पिछड़ गया। मोदी ने कहा कि आम लोगों की इस धारणा में बदलाव लाने की जरूरत है कि सुरक्षा एजेंसियों, खासकर पुलिस बल से दूर रहने में ही भलाई है। मोदी यहां राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) की नई इमारत का उद्घाटन करने के बाद संस्थान के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सुरक्षा तंत्र में शामिल सभी कर्मियों को संपूर्ण प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान आंतरिक सुरक्षा का मकसद जनता में भय बनाए रखना था, जिसे बदलने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा, आजादी के बाद देश के सुरक्षा तंत्र में सुधार लाने की जरूरत थी, लेकिन शायद ही कोई सुधार किया गया। मोदी ने कहा कि उन्हें आरआरयू से काफी उम्मीदें हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कर्मियों की संख्या में इजाफा करने से कहीं अधिक ऐसे प्रशिक्षित अधिकारियों की जरूरत है जो तकनीकी समझ और मानवीय व्यवहार को बेहतर तरीके से समझने के साथ ही ए जानते हों कि युवा पीढ़ी से कैसे संचार करना है और जन आंदोलन के नेताओं के साथ किस तरह का व्यवहार करना है। मोदी ने कहा कि प्रशिक्षित कर्मियों की कमी के कारण सुरक्षा बल बातचीत की क्षमता खो देते हैं और कई बार कुछ शब्दों के कारण अंतिम क्षण में चीजें खराब हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों को असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटना चाहिए जबकि समाज के साथ नरमी भरा व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे लोगों के बीच मित्रता और विश्वास की धारणा पनपती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सब सुधार के लिए प्रशिक्षण के तौर-तरीके में बदलाव की जरूरत होगी, जिसके लिए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। मोदी ने इस बात का भी उल्लेख किया कि संयुक्त परिवार जैसे पारंपरिक सहयोग में कमी के कारण भी पुलिसकर्मियों को अपना तनाव कम करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि तनाव से लड़ने और बेहतर महसूस करने के लिए योग शिक्षिकों समेत विशेषज्ञों की जरूरत है जोकि इस तरह कि कठिनाइयों से निपटने में पुलिसकर्मियों की मदद कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों के लिए तकनीक महत्वपूर्ण है लेकिन इसके उपयोग के लिए उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, एक कॉलेज या विश्वविद्यालय विकास में बड़ा योगदान दे सकते हैं। मैं आपको दो उदाहरण दूंगा। पहला-अहमदाबाद में 60 साल पहले कुछ उद्योगपतियों ने एक चिकित्सा कॉलेज स्थापित किया था, जिसकी बदौलत गुजरात फार्मा क्षेत्र में देश का सबसे अग्रणी राज्य बन गया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, इसी तरह, उस समय आईआईएम की भी स्थापना की गई थी, जो आज दुनियाभर को कुशल प्रबंधक और व्यवसाई दे रहा है। मैं आरआरयू से इसी तर्ज पर सुरक्षा क्षेत्र में कुशल नेतृत्व तैयार करने की उम्मीद रखता हूं।

धामी की हार से मुख्यमंत्री पद को लेकर अटकलें तेज

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी के दोबारा मुख्यमंत्री बनने को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। उत्तरखंड विधानसभा चुनाव में धामी की हार के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर मीडिया में तरह-तरह की अटकलों का दौर फिर शुरू हो गया।

लोग कयास लगा रहे हैं कि उनका स्थान कौन ले सकता है। फिलहाल धामी की जगह लेने के लिहाज से कम से कम आधा दर्जन नामों की चर्चा है। इनमें चौबट्टाखल के विधायक सतपाल महाराज, श्रीनगर गढ़वाल के विधायक धन सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और दीदीहाट के विधायक बिशन सिंह चुफाल का नाम शामिल है। हालांकि त्रिवेंद्र ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था और उन्होंने शुक्रवार को खुद ही बयान जारी करके अपने को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर बताया। पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट और राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी के नाम भी चर्चा में हैं। उत्तराखंड में जब भी बदलाव की संभावना उभरती है, तो कई नाम मीडिया की अटकलों का हिस्सा बन जाते हैं। इसके पहले जब मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को बदलकर तीरथ सिंह रावत को यह जिम्मेदारी दी गई और इसके बाद तीरथ सिंह की जगह धामी ने यह पद संभाला तब इस तरह की अटकलें देखने को मिली थीं। हालांकि दोनों ही मौकों पर भाजपा ने किसी ऐसे व्यक्ति को चुनकर सबको चौंका दिया, जिसका नाम मीडिया की अटकलों से दूर था। भाजपा ने इस तरह की अटकलों को खारिज करने की कोई कोशिश नहीं की है। पार्टी ने कहा है कि जीतने वाले विधायक एक साथ बैठेंगे और एक नेता का चुनाव करेंगे जो मुख्यमंत्री बनेगा। हरिद्वार सीट से चुनाव जीतने में सफल रहे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा, हमें सरकार बनाने के बारे में अभी तक केंद्रीय पार्टी नेतृत्व से कोई निर्देश नहीं मिला है। हम वही करेंगे जो हमें करने के लिए कहा जाएगा। धामी के बारे में उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने अपनी सीट गंवा दी हो, लेकिन उन्होंने दिल जीत लिया है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी उत्तराखंड में पार्टी की जीत का श्रेय युवा नेता धामी के गतिशील नेतृत्व को दिया। हालांकि भाजपा नेताओं के एक वर्ग का मानना है कि विधानसभा चुनाव धामी के नाम पर लड़ा गया था, इसलिए पार्टी को दूसरे चेहरे की तलाश करने के बजाय धामी का साथ देना चाहिए। 10 मार्च को चुनाव परिणाम आने के तुरंत बाद चंपावत के विधायक कैलाश गहटोरी ने कहा कि वह धामी के लिए अपनी सीट खाली करने के लिए तैयार हैं। डोईवाला से जीते बृजभूषण गैरोला ने अपने राजनीतिक गुरु त्रिवेंद्र सिंह रावत के लिए अपनी सीट खाली करने की पेशकश की है, जिन्होंने उन्हें टिकट दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

यौन उत्पीड़न के आरोपों पर एनएलआईयू के प्रोफेसर ने दिया इस्तीफा

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय (एनएलआईयू) के कुछ विद्यार्थियों द्वारा कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगाए जाने के बाद उक्त प्रोफेसर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने शनिवार को इस आशय की जानकारी दी। हालांकि, पुलिस ने बताया कि अभी तक प्रोफेसर के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों की गई शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को इसकी उच्चस्तरीय पुलिस जांच के आदेश दिए थे। वहीं, आरोप झेल रहे प्रोफेसर का दावा है कि उन्हें निहित स्वार्थ के कारण परेशान किया जा रहा है। भोपाल के पुलिस आयुक्त मकरंद देऊस्कर ने पीटीआईभाषा से कहा, अभी तक किसी विद्यार्थी ने हमसे शिकायत नहीं की है। एक महिला पुलिस अधिकारी उनके संपर्क में हैं लेकिन उन्होंने शिकायत दर्ज कराने के लिए कुछ और समय मांगा है। संपर्क करने पर एनएलआईयू छात्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष निपुण निकेत ने कहा, हम अपने कुलपति डॉ वी. विजय कुमार से इस संबंध में परामर्श करने जा रहे हैं।

पीएफआई सदस्य धनशोधन मामले में गिरफ्तार

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के कोझिकोड हवाई अड्डे से पीएफआई के एक सदस्य को तब गिरफ्तार किया जब वह देश से भागने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए विदेशी धन जुटाने से जुड़े धनशोधन मामले में उसके खिलाफ जांच कर रही है। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी।

हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने 9 मार्च को मलप्पुरम में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की पेरुम्पडप्पू इकाई के मंडल अध्यक्ष अब्दुल रज्जाक बीपी को रोका था। अधिकारियों ने यह कार्वाई उसके खिलाफ जारी प्रवर्तन निदेशालय के लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) पर की थी। एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि अगले दिन, एजेंसी ने उसे लखनऊ में एक विशेष धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष पेश किया, जिसने उसे सात दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया।

जांच एजेंसी ने पिछले साल दिसंबर में रज्जाक और अन्य से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की थी और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए थे। ईडी ने रज्जाक पर पीएफआई की राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए विदेशों से और साथ ही देश के भीतर धन जुटाने का आरोप लगाया है। पीएफआई ने गिरफ्तारी को अवैध और गलत उद्देश्य से प्रेरित कहा है। पीएफआई के केरल प्रदेश अध्यक्ष सी पी मोहम्मद बशीर ने कहा, पूछताछ और जांच में सहयोग करने के लिए पांच दिनों तक ईडी के सामने पेश होने के बाद भी, अधिकारियों ने गलत मंशा से एलओसी जारी किया और उसके खिलाफ जांच पूरी होने के बाद एलओसी को वापस नहीं लिया। बशीर ने कहा, ईडी अधिकारियों ने जानबूझकर उसे गिरफ्तार करने को लेकर उसे बलि का बकरा बनाने के लिए गलत सूचना दी। ईडी का भ्रामक कार्य अत्यधिक निंदनीय है और ईडी के तौर-तरीकों को प्रतिबिंबित करता है।

सीबीआई ने अनिल देशमुख के खिलाफ मामले में मुंबई पुलिस आयुक्त संजय पांडे से पूछताछ की

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के एक मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ अपनी जांच के सिलसिले में शनिवार को मुंबई के पुलिस आयुक्त संजय पांडे से पूछताछ की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पांडे पर मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह को देशमुख के खिलाफ अपनी शिकायत वापस लेने के लिए प्रभावित करने का आरोप है और इसी सिलसिले में उनसे शुक्रवार को करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि बंबई उच्च न्यायालय मामले की सुनवाई कर रहा है। एजेंसी ने देशमुख और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश से संबंधित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा के तहत अपने लोक कर्तव्य के गलत और भ्रष्ट निर्वहन के जरिए अनुचित लाभ प्राप्त करने के प्रयास के आरोप में मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से हटाए जाने के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे अपने पत्र में परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख ने कथित तौर पर एंटीलिया सुरक्षा उल्लंघन मामले में मुंबई पुलिस के बर्खास्त अधिकारी सचिन वाझे को मुंबई के बार और रेस्तरां से एक महीने में कथित तौर पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की उगाही करने के लिए कहा था।

सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया पता चला कि मामले में एक संज्ञेय अपराध बनता है, जिसमें महाराष्ट्र के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख और अन्य अज्ञात लोगों ने गलत और भ्रष्ट आचरण के जरिए अनुचित लाभ प्राप्त करने का प्रयास किया है। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई नियमावली के अनुसार, आरोपों के समर्थन में प्रथम दृष्टया सामग्री के आधार पर एक नियमित मामले को पूर्ण मामले के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है या नहीं इसके आकलन करने के लिए प्रारंभिक जांच शुरू की गई है। सीबीआई जांच में पाया गया कि वाझे को 15 साल से अधिक समय तक सेवा से बाहर रहने के बाद पुलिस में बहाल कर दिया गया था। वाझे को बाद में एनआईए ने गिरफ्तार किया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि वाझे को मुंबई पुलिस के अधिकांश सनसनीखेज और महत्वपूर्ण मामले सौंपे गए थे और तत्कालीन गृह मंत्री देशमुख को इस तथ्य की जानकारी थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि देशमुख और अन्य ने अधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती को अनुचित तरीके से प्रभावित किया और इस तरह उन्होंने अपने आधिकारिक कर्तव्यों का अनुचित प्रदर्शन किया।

भाजपा के साजिश रचने के आरोप पर विशेष लोक अभियोजक बोले, वीडियो से छेड़छाड़ की गई

पुणे। महाराष्ट्र में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की ओर से सत्ताधारी एमवीए सरकार पर विपक्ष के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाने के एक दिन बाद शनिवार को विशेष लोक अभियोजक प्रवीण चव्हाण ने आरोप लगाया कि वीडियो से छेड़छाड़ की गई है। चव्हाण ने इस मामले में जांच की मांग की। फडणवीस ने आरोप लगाया था कि विशेष लोक अभियोजक प्रवीण चव्हाण के कार्यालय में यह वीडियो रिकॉर्ड किया गया था। लेकिन लोक अभियोजक ने संदेह जताया कि दीवार घड़ी में लगे कैमरे के जरिए उनके किसी मुवक्किल ने गोपनीय रूप से यह रिकॉर्डिंग की होगी। उन्होंने बताया कि इस घड़ी को उनके मुवक्किल ने ही कार्यालय में दो महीने पहले लगवाया था। इस हफ्ते विधानसभा में फडणवीस ने कहा था कि उन्होंने विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल को एक पेन ड्राइव सौंपी है जिसमें 125 घंटे के वीडियो की रिकॉर्डिंग है। फडणवीस के मुताबिक रिकॉर्डिं यह दर्शाती है कि चव्हाण के कार्यालय में एमवीए सदस्यों (शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस) और पुलिस द्वारा उन्हें और अन्य भाजपा नेताओं को झूठे मामले में फंसाने के लिए किस तरह साजिश रची जा रही थी।

विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि वीडियो फुटेज में चव्हाण को यह दावा करते हुए दिखाया गया है कि उन्होंने भाजपा नेता गिरीश महाजन को मकोका कानून के तहत फंसाकर गिरफ्तार करने के लिए मुख्यमंत्री, डीजीपी और पुलिस आयुक्त के साथ उच्च स्तरीय बैठक की है। एक समाचार चैनल पर इन आरोपों को लेकर बातचीत के दौरान चव्हाण ने कहा कि जलगांव के उनके एक मुवक्किल ने उनके कार्यालय की दीवार पर एक घड़ी लगाई है और वह वीडियो रिकॉर्डिंग करने में शामिल हो सकता है। चव्हाण का कार्यालय पुणे में है। चव्हाण ने कहा कि घड़ी लगाने वाले मुवक्किल ने इसके पहले उन्हें एक एसी और टेलीविजन का तोहफा देने का प्रयास किया, जिसे उन्होंने लेने से इनकार कर दिया था।

मुझमें खराबी नही थी इसलिए लोगों ने मुझे माफ किया: लारेंको

पणजी। गोवा में कांग्रेस इकाई के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष एलेक्सियो रेजिनाल्डो लॉरेंको ने हाल में हुए विधानसभा चुनाव में बतौर निर्दलीय कर्टोरिम सीट से जीत दर्ज की है। लॉरेंको ने शनिवार को कहा कि लोगों ने उन्हें माफ किया क्योंकि उनमें कोई खराबी नहीं थी। उल्लेखनीय है कि लॉरेंको ने विधानसभा चुनाव से पहले टिकट मिलने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के लिए कांग्रेस छोड़ दी थी। हालांकि, बाद में कांग्रेस में वापसी करने के बावजूद उन्हें टिकट नहीं मिला जिसके बाद उन्होंने बतौर निर्दलीय कर्टोरिम सीट से चुनाव लड़ा। बृहस्पतिवार को आए चुनावी नतीजों में विजेता घोषित होने के बाद लॉरेंस ने भाजपा का समर्थन करने की घोषणा की, जो लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि यह करिश्मा है कि ईश्वर ने उन्हें एक बार फिर जनता की सेवा करने के लिए चुना। लॉरेंको ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने सोचा कि ईश्वर मुझे राजनीति से समाप्त कर कुछ और देना चाहता है। मेरा मानना था कि वह ईश्वर की योजना है लेकिन चमत्कार हुआ और मैं दोबारा निर्वाचित हुआ। चुनाव में जीत के बारे में उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का चमात्कार है। उन्होंने कहा, यह ईश्वर की कृपा थी और दूसरा यह कि लोगों ने फिर से मुझमें विश्वास दिखाया। चूंकि मेरी मंशा साफ थी लोगों ने मेरी उम्मीदवारी का समर्थन किया। लॉरेंको ने दावा किया कि यहां तक तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने और बाद में उसे छोड़ने के पीछे उनकी मंशा साफ थी। उन्होंने कहा, अब मैं अपने निर्वाचान क्षेत्र के लोगों के लिए कार्य करना चाहता हूं। मैं बहुत गंभीर हूं और मुझे फर्क नहीं पड़ता अगर मेरे लोगों के लिए मुझे मजदूर की तरह मेहनत करनी पड़े। उन्होंने मुझे माफ किया क्योंकि मुझमे खराबी नहीं थी।

गोवा में प्रमोद सावंत ने त्यागपत्र दिया

राज्यपाल ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने को कहा

भाषा। पणजी

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को राज्य में नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए पद से इस्तीफा दे दिया। सावंत की पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) दो दिन पहले आए चुनाव परिणाम में 40 सदस्ईय विधानसभा में 20 सीटें जीतकर राज्य में अकेली सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। सावंत ने दोपहर के करीब राजभवन में राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंपा। बाद में सावंत ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने के लिए कहा गया है। राज्यपाल ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने सावंत का इस्तीफा मंजूर कर लिया है और उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था होने तक राज्य का कार्यवाहक मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। राज्यपाल ने कहा, भारत में यह परंपरा रही है कि जनादेश के बाद मुख्यमंत्री अपना इस्तीफा सौंपते हैं और वैकल्पिक व्यवस्था की जाती है। ऐसी व्यवस्था होने तक, मैं उन्हें (सावंत को) कार्यवाहक मुख्यमंत्री नियुक्त कर रहा हूं। इस बीच, राज्यपाल से मुलाकात के बाद सावंत ने संवाददाताओं से कहा, राज्यपाल ने मुझे कार्यवाहक मुख्यमंत्री का नियुक्ति पत्र दिया है। सावंत ने कहा कि नई सरकार बनाने का दावा पेश करने की तारीख अभी पार्टी ने तय नहीं की है। उन्होंने कहा, पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक गोवा और अन्य तीन राज्यों (जहां भाजपा ने सत्ता बरकरार रखी है) का दौरा करेंगे, जिसके बाद संबंधित राज्यों में शपथ ग्रहण की तारीखों की घोषणा की जाएगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि पर्यवेक्षक कब आएंगे। उन्होंने कहा कि नई सरकार बनाने का दावा पेश करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है और शुक्रवार को राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को सदन को भंग करने की सिफारिश करने का फैसला किया है।

मणिपुर में जदयू विधायकों ने भाजपा को समर्थन दिया

नई दिल्ली। मणिपुर में हाल में हुए विधानसभा चुनाव में छह सीटें जीतने वाले जनता दल (यूनाइटेड) ने शनिवार को सरकार गठन के लिए भाजपा को अपना समर्थन दिया। हालांकि चुनाव में भाजपा ने बहुमत के लिए जरूरी सीट हासिल की हैं और वह सरकार गठन की तैयारी में जुटी है। जद(यू) ने एक बयान में कहा, मणिपुर की जनता के हित में जद (यू) ने सरकार के गठन के लिए भाजपा को समर्थन देने का फैसला किया है। बयान में कहा गया है, जद (यू) भाजपा से पार्टी को मिले जनादेश का सम्मान करने और लोगों की आशाओं व आकांक्षाओं को पूरा करने की अपील करती है। पार्टी ने कहा कि छह नवनिर्वाचित विधायकों ने के. जयकिशन सिंह को अपना नेता चुना है। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 60 सदर्स्य विधानसभा में 32 सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी है।

वेणु प्रसाद को पंजाब के मुख्यमंत्री का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया

चंडीगढ़। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ए. वेणु प्रसाद को पंजाब के मुख्यमंत्री का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई। पंजाब राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद प्रसाद की नियुक्ति इस तरह की पहली प्रशासनिक नियुक्ति है। प्रसाद 1991 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। प्रसाद अब तक अतिरिक्त मुख्य सचिव, संसदीय मामले एवं कराधान के साथ ही पंजाब राज्य ट्रांसमिशन निगम लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने शुक्रवार को पद से इस्तीफा दे दिया था।

सभी धर्मनिरपेक्ष क्षेत्रीय पार्टियां एकजुट हों: देवेगौड़ा

जद (एस) के नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा भी की

भाषा। बेंगलुरु

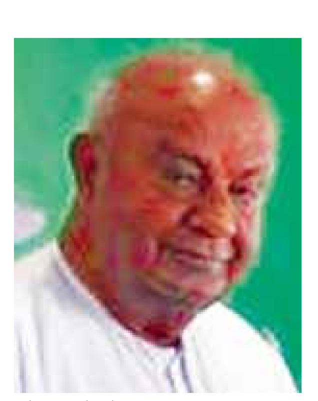

जद (एस) के नेता एचडी देवेगौड़ा ने शनिवार को कहा कि यह अच्छा होगा अगर कांग्रेस एवं सभी क्षेत्रीय दल देशहित के लिए एकजुट हों। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनकी भाजपा का विस्तार पूरे देश में करने की प्रतिबद्धता को लेकर भी प्रशंसा की। देवेगौड़ा ने इस दौरान मोदी के गुजरात दौरे को रेखांकित किया जहां पर इस साल के अंत में चुनाव होने है और पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के ठीक बाद वह गए हैं। उन्होंने इसी तरह की गुणवत्ता की उम्मीद अपनी पार्टी के नेताओं से और कार्यकर्ताओं से की।

पूर्व प्रधानमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, मेरे सामने केवल एक एजेंडा है और वह है मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में कैसे अपनी पार्टी को बचाऊं और पोषित करूं। आज कांग्रेस की स्थिति क्या है? वह कुछ इलाकों में क्षेत्रीय पार्टी की तरह सिमट गई है।यह अच्छा होगा अगर कांग्रेस और सभी धर्मनिरपेक्ष क्षेत्रीय पार्टियां राष्ट्रहित में एकजुट हों। देवेगौड़ा ने रेखांकित किया है कि उन्होंने इस संबंध में फैसला दलों के नेताओं पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि उनके बेटे और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के वर्ष 2018 में हुए शपथ ग्रहण समारोह के दौरान छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों और 15 दलों के नेताओं को एकजुट करने की कोशिश की थी लेकिन वह असफल रही और वह दूसरी बार इस तरह की कोशिश करने के बारे में नहीं सोचेंगे। पांच राज्यों के चुनाव नतीजों पर बोलते हुए जद(एस) सुप्रीमो गौड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपनी पार्टी का पूरे देश में विस्तार करने की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह जीत (पांच में से चार राज्यों में) उनकी(मोदी) की है। नतीजों के तुरंत बाद वह गुजरात चले गए और दो दिन वहां रहेंगे। देश के सभी क्षेत्रों में पार्टी के विस्तार की उनकी यह इच्छा और प्रतिबद्धता है। मैंने टीवी पर देखा वह कई बैठकें और कार्यक्रम कर रहे हैं। हम में भी ऐसा ही भाव होना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि वह या कुमारस्वामी उपलब्धि नहीं हासिल कर सकते। देवेगौड़ा ने कहा कि जद(एस) के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना चाहिए। मेरा मकसद केवल अपनी पार्टी को राज्य में बचाना है...इस संबंध में मैंने रणनीति बनाने के लिए 30 मार्च को बेंगलुरु के पैलेस मैदान में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई है। देवेगौड़ा ने इसके साथ ही कहा कि वर्ष 2023 के राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वह हर महीने दो जिलों का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की आंतरिक विवाद को सुलझाने में अक्षमता और सभी को एकसाथ ले चलने में नाकामी से पंजाब में उसे हार मिली और आम आदमी पार्टी को लाभ हुआ। वर्ष 2023 में होने वाले चुनाव से पहले किसी गठबंधन से इनकार करते हुए देवेगौड़ा ने कहा कि उनकी पार्टी दोनों राष्ट्रीय दलों के खिलाफ चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा, एक समय देश पर शासन करने वाली पार्टी, जलन, असंयम और कई अन्य कारणों से आज की स्थिति में है। उसके भीतर के लोग कन्नड भाषी के प्रधानमंत्री बनने को बर्दाश्त नहीं कर सकते। मैं कोई नाम नहीं लेना चाहता लेकिन मैं लोगों के पास अपने काम के साथ जाऊंगा।

पुस्तक में इसरो जासूसी मामले के सत्य को उजागर करने की कोशिश

भाषा। नई दिल्ली

इसरो जासूसी मामले के पीछे छिपे सच को उजागर करने का दावा करते हुए एक नई पुस्तक में यह खुलासा किया गया है कि कैसे सरकारी एजेंसियां रूस से भारत को क्रायोजेनिक रॉकेट प्रौद्योगिकी को अवैध रूप से स्थानांतरित करने संबंधी इसरो के असफल अभियान को दबाने की भरसक कोशिश कर रही हैं। इस मामले के सुर्खियों में रहने के 27 साल बाद जे राजशेखरन नायर का कहना है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जासूसी का मामला अभी भी समाप्त नहीं हुआ है। नायर ने कहा, इस बार केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जासूसी मामले (1994) में छह आरोपमुक्त आरोपियों में से एक एस. नंबी नारायणन की अवैध गिरफ्तारी और उसके बाद उन्हें दी गई यातना को लेकर केरल पुलिस के सात अधिकारियों और खुफिया ब्यूरो के 11 अधिकारियों (सभी सेवानिवृत्त) के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम), तिरुवनंतपुरम के समक्ष प्राथमिकी दर्ज की है। नायर ने अपनी नई पुस्तक क्लासिफाइड: हिडन ट्रुथ्स इन द इसरो स्पाई स्टोरी में कई खुलासे किए हैं। यह पुस्तक नायर की 1998 की किताब स्पाईज फ्रॉम स्पेस: द इसरो फ्रेम-अप का दूसरा भाग है। राजशेखरन नायर के अनुसार, इस नए घटनाक्रम ने जनता को काल्पनिक सत्य के दलदल में धकेल दिया है। वह लिखते हैं, ऐसा आंशिक रूप से जासूसी मामले को नंबी नारायणन की दुखद कहानी के तौर पर पेश करने के लिए उठाए गए घृणित कदम के कारण है। यहां तक कि पांच पीड़ितों - जिनमें से दो अब जीवित नहीं हैं- के नाम भी सार्वजनिक स्मृति से मिटा दिए गए हैं। इसका एक कारण राज्य की एजेंसियों द्वारा उस समय और मौजूदा समय में मामले पर प्रतिक्रिया दिया जाना और आंशिक रूप से हमारी प्रणाली में छुपी दरार के कारण है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General public that Mrs. Meena is the owner of Entire third floor, with roof rights "said floor" part of Property bearing No. RZ-F-375, area measuring 100 sq ., Yds., out of Khasra No. 606, Situated in the revenue estate of Village Narispur colony Sadh Nagar II, Palam Colony, New Delhi "Said property" by virtue of Gift Deed dated 04.02.2021 executed by Mrs. Sarla Devi in favour of Mrs. Meena, duly registered as Doc No. 1157. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to mortgage the said floor to our client Fullerton India Home Finance Company Limited. If anybody has any objection/s upon the said property, and its ownership / its Title / Mortgage, etc. the kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that **I, Kiran W/o Shri Narender Kumar R/o Flat No. T-1, Ground Floor, Prasad Nagar, Phase-II, New Delhi, owner of Flat No. T-1, Ground Floor, Prasad Nagar, Phase-II, New Delhi, File No.M-84(235)/1979/HBM.** The Original Possession Letter and NOC water and Electric of the above flat has been lost. An FIR / NCR to this effect has lodged in P. S. Crime Branch, Delhi vide Complaint **No.LR No.208550/2022 dated 11.03.2022.** Any person(s)claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above address or Phone No. 9810568924 within 15 days from the date of publication of this notice. Any person claiming any right, interest or having any objection with respect to this property can also personally inform/contact me. **The Director (LAB) Housing, Delhi Development Authority, INA, Vikas Sadan, Delhi**

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती रंजीत कौर पत्नी श्री एस. देवेंद्र पाल सिंह ने गांव ख्याला, रवि नगर, नई दिल्ली की आबादी में स्थित संपत्ति संख्या डब्ल्यूजेड-75, प्लॉट संख्या 66, एरिया परिमाप 36 वर्ग गज, और सामने की तरफ (5.77 वर्ग गज का हिस्सा, कुल एरिया 41.77 वर्ग गज, आयत संख्या 32 से बाहर, किला नंबर 19, पंजीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी दिनांक 25.05.2005 के माध्यम से मालिक हैं सभी व्यक्तियों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता हैं कि मोहम्मद उस्मान और सबरा बेगम इस संपत्ति को श्रीमती रंजीत कौर पत्नी श्री एस. देवेंद्र पाल सिंह से एक पंजीकृत ब्रिकी विलेख के माध्यन से खरीद रहें हैं और उसी के लिए ऋण लेने के लिए फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से सम्पर्क किया है यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/अधिकार है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें।

श्रीमती प्रसून लता, अधिवक्ता,
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
यूनिट नंबर 7, बेसमेंट, प्लॉट नंबर सी 78, सेक्टर 2, नोएडा, यूपी 201301
ईमेल: sgassociatespl@gmail.com
फोन : 7011172764, 8130200837

रेरा के क्रियान्वयन में सुधार की उम्मीद

भाषा। नई दिल्ली

घर खरीदारों की शीर्ष संस्था एफपीसीई ने उम्मीद जताई है कि उच्चतम न्यायालय के हालिया निर्देश के बाद अब रियल्टी कानून रियल एस्टेट नियामकीय प्राधिकरण (रेरा) का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से होगा।

उच्चतम न्यायालय ने 14 फरवरी को केंद्र को यह पता लगाने का निर्देश दिया था कि विभिन्न राज्यों में रियल एस्टेट नियामकीय प्राधिकरण (रेरा) के तहत बने नियमों में क्या एकरूपता है और कहीं वे मकान खरीदारों के हितों को अनदेखी तो नहीं करते हैं।

पिछले महीने न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने केंद्र को यह पता लगाने के लिए तीन महीने का समय दिया था कि राज्यों ने जो रेरा कानून बनाए हैं, वे केंद्र के 2016 में बने रेरा अधिनियम से अलग तो नहीं हैं। पीठ ने इस संदर्भ में मई, 2022 के पहले सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा था।

● कहा, उच्चतम न्यायालय के हालिया निर्देश के बाद अब रियल्टी कानून रियल एस्टेट नियामकीय प्राधिकरण का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से होगा

फोरम फॉर पीपल्स कलेक्टिव एफर्ट (एफपीसीई) के अध्यक्ष अभय कुमार उपाध्याय ने इस विषय पर कहा, रेरा का क्रियान्वयन पूरी तरह से शुरू हुए को पांच साल हो चुके हैं लेकिन यह अब भी अपने तय लक्ष्य के करीब तक नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि इसकी प्रमुख वजह यह है कि राज्य जिनके पास इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी होती है वे सामान्य रियल एस्टेट्स कानूनों और बिक्री समझौता नियमों में किसी तरह की एकरूपता का पालन नहीं करते हैं। उपाध्याय ने कहा, राज्यों के नियम रेरा के प्रावधानों के दायरे में नहीं आते, इससे कानून कमजोर हो जाता है और घर खरीदारों को रेरा के लाभ नहीं मिल पाते। उन्होंने कहा कि बिल्डर इसका पूरा फायदा उठाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद चीजें सही दिशा में बढ़ेंगी और कई घर खरीदारों को इसका लाभ मिलेगा। कॉलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रमेश नायर ने कहा कि राज्यों के रेरा नियमों की परख करने का उच्चतम न्यायालय का आदेश महत्वपूर्ण है क्योंकि विभिन्न राज्यों के रेरा नियमों में बिल्डर-खरीददार समझौतों को लेकर एकरूपता नहीं है।

शीर्ष अदालत ने इस पर गौर किया था कि केंद्र सरकार ने रेरा कानून के अस्तित्व में आने के बाद 2016 में बिक्री के लिए समझौते के मसौदे को सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किया था। फिलहाल पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों ने ए नियम अधिसूचित नहीं किए हैं। पीठ ने कहा था, मौजूदा स्थिति में न्यायालय के लिए यह जानना जरूरी है कि राज्यों ने जो रेरा नियम बनाए, उसमें केंद्र के 2016 में बनाए कानून के जरूरी प्रावधानों को रखा गया है या नहीं।

क्या उसमें कोई अंतर है, जिससे खरीदारों के हित प्रभावित हों। पीठ ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि केंद्रीय आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय केंद्रीय स्तर पर राज्यों के नियम की जांच करेगा और इस बारे में रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष पेश करेगा। हम अधिवक्ता देवाशीष भरूका से न्याय मित्र के रूप में मामले में शीर्ष अदालत की मदद का आग्रह करते हैं। वह नियमों की जांच में मंत्रालय की भी सहायता करेंगे।

रुचि सोया 24 मार्च को पेश करेगी एफपीओ, 4300 करोड़ जुटाने की योजना

भाषा। नई दिल्ली

खाद्य तेल फर्म रुचि सोया 24 मार्च को अपना अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) लाएगी, जिसके जरिए उसकी 4,300 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना है। रुचि सोया का स्वामित्व बाबा रामदेव के नेतृत्व वाली पतंजलि आयुर्वेद के पास है। रुचि सोया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि बोर्ड की एक समिति ने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) को मंजूरी दे दी है। बोर्ड ने बोली के लिए निर्गम को 24 मार्च 2022 को खोलने और 28 मार्च 2022 को बंद करने की मंजूरी भी दी। कंपनी को पिछले साल अगस्त में एफपीओ लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिली थी। रुचि सोया ने जून 2021 में ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। डीआरएचपी के अनुसार रुचि सोया कुछ बकाया कर्ज को चुकाने, अपनी कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों और अन्य सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए निर्गम से मिली आय का इस्तेमाल करेगी। पतंजलि ने 2019 में 4,350 करोड़ रुपए में एक दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से रुचि सोया का अधिग्रहण किया था। कंपनी के प्रवर्तकों के पास फिलहाल करीब 99 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी को एफपीओ के इस दौर में कम से कम नौ फीसदी हिस्सेदारी बेचनी है। सेबी के नियमों के मुताबिक कंपनी में कम से कम 25 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी होनी चाहिए। प्रवर्तकों के पास अपनी हिस्सेदारी को घटाकर 75 फीसदी करने के लिए करीब तीन साल का समय है।

क्विक न्यूज़

रेडिंगटन 18 मार्च को आईफोन एसई, आईपैड एयर पेश करेगी

चेन्नई। आपूर्ति श्रृंखला समाधान मुहैया कराने वाली कंपनी रेडिंगटन इंडिया लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि वह 18 मार्च को नया आईफोन एसई और आईपैड एयर पेश करेगी और ग्राहक तत्काल प्रभाव से इसके लिए प्री-ऑर्डर कर सकेंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि खुदरा बिक्री और ग्राहक वितरण 18 मार्च को सुबह आठ बजे शुरू होगा। कोविड-19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए प्री-बुकिंग करने वाले ग्राहकों को गैजेट लेने पहले से तय समय दिया जाएगा या फोन की होम डिलीवरी भी की जा सकती है। कंपनी ने कहा कि आईफोन एसई के अलावा आईफोन 13 प्रो और आईफोन 13 प्रो मैक्स को आईपैड एयर के साथ ऐपल द्वारा डिज़ाइन की गई एम। चिप के साथ बेचा जाएगा रेडिंगटन ऐपल के सभी नए स्टूडियो डिस्प्ले की पेशकश करेगा, जिसमें एक विस्तृत 27 इंच 5के रेटिना स्क्रीन, 12 एमपी अल्ट्रा वाइड कैमरा जैसी खूबियां शामिल है।

सरकार ने जल क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने की पहल की

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को इंडिया वाटरपिच पायलट स्केल स्टार्ट अप चैलेंज की शुरुआत की, जिसके तहत सरकार 100 स्टार्टअप का चयन करेगी और उन्हें वित पोषण सहायता के रूप में 20 लाख रुपए दिए जाएंगे। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अनुसार इस पहल का मकसद जल क्षेत्र में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करना है, ताकि टिकाऊ आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जाए।

कपड़ा मंत्रालय को मानव निर्मित फाइबर टेक्टेक्स में पीएलआई के लिए 67 आवेदन मिले

नई दिल्ली। कपड़ा मंत्रालय को मानव निर्मित फाइबर और तकनीकी कपड़ा क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का लाभ उठाने के लिए 67 कंपनियों से आवेदन मिले है। कपड़ा के लिए पीएलआई योजना के तहत 40 मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) उत्पाद, 14 एमएमएफ कपड़े के सामान और 10 तकनीकी कपड़ा उत्पाद शामिल है। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, रोजगार के मौके तैयार करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 10,683 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। कपड़ा सचिव यूबी सिंह ने सीआईआई के एक कार्यक्रम में कहा, हमने तकनीकी कपड़ा क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए है। पीएलआई योजना के लिए बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

नवी टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ के लिए आवेदन किया 3350 करोड़ रुपए जुटाने की योजना

नई दिल्ली। सचिन बंसल की अगुवाई वाली नवी टेक्नोलॉजीज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 3,350 करोड़ रुपए जुटाने के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह नया निर्गम होगा और इसमें कोई भी बिक्री पेशकश (ओएफएस) नही है। फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक बंसल आईपीओ में अपनी हिस्सेदारी कम नही कर रहे हैं। उन्होंने अब तक नवी में लगभग 4,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन ने योगी आदित्यनाथ को दी बधायी

लखनऊ । हिंदुजा ग्रुप ऑफकंपनीज इंडिया के चेयरमैन अशोक पी. हिन्दुजा ने देश के प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की वापसी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई और शुभकामनायें देते हुये कहा कि नये कार्यकाल में भौतिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ राज्य में रोजगार सृजन के लिए निवेश बढ़ेगा। श्री हिन्दुजा ने कहा कि पिछले दो साल महामारी के कारण भारत के लिए आर्थिक चुनौती भरे रहे हैंए देश के सभी राज्यों में उत्तर प्रदेश सबसे अधिक आबादी वाला राज्य होने के कारण सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इन अभूतपूर्व चुनौतियों का डटकर सामना करते हुए योगी आदित्यनाथ ने केंद्र द्वारा घोषित राहत प्रयासों को संचालित करने के लिए अपनी सरकार का नेतृत्व किया। उन्होंने ने कहा कि समानांतर रूप से मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रणाली को आगे बढ़ाया कि सबसे कमजोर लोगों को लक्षित सभी केंद्रीय योजनाओं को बिना किसी छूट के क्रियान्वित करवायाए जिसका परिणाम यह रहा है कि प्रदेश की जनता ने लगातार दूसरी बार फिर से सरकार बनाने का मौका दिया हैए इसके साथ पिछली बार की तुलना में अधिक वोट प्रतिशत मिलना और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक से प्रतिबंध हटाए डिजिटल पहलें शुरू करने की इजाजत दी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एचडीएफसी बैंक से सभी प्रतिबंध हटा लिए है और उसे नई डिजिटल पहलें शुरू करने की इजाजत दे दी है। एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को एक बयान में कहा, आरबीआई ने बैंक के डिजिटल 2.0 कार्यक्रम के तहत कारोबार बढ़ाने के लिए की जाने वाली गतिविधियों से प्रतिबंध हटा दिया है। इस बाबत केंद्रीय बैंक ने 11 मार्च 2022 को एक पत्र जारी किया था। बैंक का डिजिटल 2.0 कार्यक्रम ग्राहकों को बाधा रहित वित्तीय अनुभव देने के लिए उत्पाद उपलब्ध करवाने से संबंधित है। दिसंबर 2020 में आरबीआई ने बार-बार तकनीकी खामियां आने की शिकायतों के बाद एचडीएफसी बैंक द्वारा नए कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी थी।

वैश्विक कारोबारों का संचालन भारत से करने का इरादा: एडोब के चेयरमैन नारायण

मुंबई। एडोब के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी शांतनु नारायण ने शनिवार को कहा कि भारत को लेकर कंपनी की आकांक्षाएं सिर्फ उत्पादो से ही संबंधित नही बल्कि देश से वैश्विक कारोबार का संचालन करने की है। नारायण ने डिजिटल तरीके से आयोजित एक वैश्विक कारोबारी सम्मेलन में कहा, भारत को लेकर हमारी आकांक्षाएं केवल उत्पादो को लेकर नही बल्कि देश से वैश्विक कारोबारो का संचालन करने की है। हम भारत मे अनुपातहीन रूप से निवेश कर रहे है और यह जारी रहने वाला है। उन्होंने कहा कि एडोब भारत मे अपनी मौजूदगी का लगातार विस्तार करेगी।

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी

कबाड़ का पुनर्संसाधन करने से बढ़ेगा भारत का इस्पात उत्पादनः इस्पात मंत्री

भाषा। दुबई

केंद्रीय इस्पात मंत्री राम चंद्र प्रसाद सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत में इस्पात का उत्पादन आने वाले वर्षों में बढ़ेगा क्योंकि कबाड़ सामग्री का पुनर्संसाधन का पैमाना बढ़ा दिया गया है। सिंह ने यहां कहा कि भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) के तहत भारत के लिए संयुक्त अरब अमीरात से कबाड़ आयात करना आसान होगा, फिर इस सामग्री का कीमती औद्योगिक धातुओं के लिए पुनर्चक्रण किया जाएगा।

उन्होंने कहा, सीईपीए समझौता करने से दोनों देशों के इस्पात उत्पादकों के बीच सहयोग तथा समर्थन और बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि भारत 11.8 करोड़ टन इस्पात का उत्पादन कर रहा है और 2030 तक उसकी योजना 30 करोड़ टन इस्पात उत्पादन की है।

भारत को जलवायु लक्ष्यों को पाने के लिए 20 अरब डॉलर के सालाना निवेश की जरूरत

भाषा। नई दिल्ली

भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और हरित बदलाव के लिए हर साल 20 अरब डॉलर (करीब 1.53 लाख करोड़ रुपए) के निवेश की जरूरत है।फिक्की और ट्राइलीगल के श्वेत पत्र में यह बात कही गई। श्वेत पत्र के मुताबिक इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को बड़े बजट आवंटन, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्रोतों से अंतरराष्ट्रीय वित्त और हरित निजी निवेश की जरूरत है। रिपोर्ट में भारत के जलवायु रूपांतरण में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए बिजली क्षेत्र में सुधारों पर भी प्रकाश डाला गया। रिपोर्ट में कहा गया, भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और हरित बदलाव के लिए हर साल 20 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत है।

ऑटो कंपनियां छह महीने के भीतर फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों का विनिर्माण शुरू करेंगी: गडकरी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि ऑटोमोबाइल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने उनसे वादा किया है कि वे छह महीने के भीतर फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों का विनिर्माण शुरू कर देंगे। गडकरी ने ईटी ग्लोबल बिजनेस समिट को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सार्वजनिक परिवहन को 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से चलाने की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, इस हफ्ते, मैंने सभी बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों के प्रबंध निदेशकों और सियाम के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने मुझसे वादा किया कि वे ऐसे वाहनों के लिए फ्लेक्स-फ्यूल इंजन का विनिर्माण शुरू करेंगे, जो एक से अधिक ईंधन से चल सकते हैं। फ्लेक्स-फ्यूल, गैसोलीन और मेथनॉल या इथेनॉल के मिश्रण से तैयार एक वैकल्पिक ईंधन है। उन्होंने कहा कि टीवीएस मोटर और बजाज ऑटो जैसी कंपनियों ने पहले ही दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए फ्लेक्स-फ्यूल इंजन का विनिर्माण शुरू कर दिया है।

श्रीलंका ने सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए भारत के साथ करार किया

● दोनों देश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी सहयोग करेंगे

भाषा । कोलंबो

भारत और श्रीलंका ने द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के प्रयासों के तहत श्रीलंका के समुद्री तट के नजदीक स्थित पूर्वी जिले त्रिंकोमाली में 100 मेगावॉट का सौर ऊर्जा संयंत्र बनाने के लिए करार किया है। दोनों देश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी सहयोग करेंगे। समझौते पर हस्ताक्षर श्रीलंका के वित्त मंत्रालय में शुक्रवार को हुए। भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा कि भारत के राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी)और श्रीलंका के सिलोन इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड (सीईबी) के संयुक्त उद्यम त्रिंकोमाली पॉवर कंपनी लिमिटेड के लिए जॉइंट वेंचर ऐंड शेयरहोल्डर्स एग्रिमेंट (जेवीएसएचए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसके तहत सामपुर में 100 मेगावॉट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाना है।

श्रीलंका की सरकारी तेल कंपनी ने ईंधन की कीमतें बढ़ाई

भाषा। कोलंबो

● सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) द्वारा कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल की कीमत 43.5 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 254 रुपए प्रति लीटर हो गई है

श्रीलंका की सरकारी तेल और गैस कंपनी सीलोन पेट्रोलियम ने पेट्रोल की कीमत में 77 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 55 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इससे पहले भारत की प्रमुख तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की सहायक कंपनी लंका आईओसी ने ईंधन की कीमतें बढ़ाई थीं। आईओसी ने पेट्रोल की कीमत में 50 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 75 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) द्वारा कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल की कीमत 43.5 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 254 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 45.5 प्रतिशत बढ़कर 176 रुपए प्रति लीटर के भाव पर पहुंच गया है।

पेज एक का शेष

आप हिमाचल...

प्रदेश की जनता को तीसरा विकल्प देने जा रही है। हिमाचल में भी दिल्ली मॉडल को लागू किया जाएगा। यहां आप का मुकाबला कांग्रेस से नहीं बल्कि बीजेपी से है। प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति ठीक नहीं है और भाजपा को हराना की कांग्रेस के बस की बात नहीं है। ऐसे में आम आदमी पार्टी का सीधा का मुकाबला भाजपा से होने वाला है। प्रदेश में भाजपा व कांग्रेस के बड़े नेता आम आदमी के संपर्क में है और जल्द ही पार्टी की सदस्यता भी लेंगे। प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क जैसे मुद्दों को लेकर उनकी पार्टी जनता के बीच जाएगी। जो पैसा नेताओं के ऐशो आराम पर खर्च होता है। वही पैसा आप प्रदेश की जनता को मुफ्त बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा पर खर्च करेगी। उधर सोमनाथ भारती ने कहा कि आप को पंजाब में मिली धमाकेदार जीत के बाद दक्षिणी के राज्यों के लोगों ने आम आदमी पार्टी के प्रति रुचि दिखाई है। उन्हें दक्षिण भारत से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। लोगों के रुख को देखते हुए और दक्षिणी राज्यों में मिल रही प्रतिक्रिया पर गौर करते हुए पूरे इलाके में सदस्यता अभियान चलाने का फैसला किया है। भारती ने कहा कि सदस्यता अभियान पार्टी के स्थानीय समूहों द्वारा आगे बढ़ाया जाएगा। वह लोगों का आह्वान करते है कि जो भारतीय राजनीति में बदलाव चाहते हैं। वे आप से जुड़ें और क्रांति का हिस्सा बनें। पार्टी ने दक्षिणी राज्यों में चरणबद्ध तरीके से पदयात्रा निकालने का भी फैसला किया है। 14 अप्रैल को बाबा साहेब आम्बेडकर की जयंती पर पहली पदयात्रा तेलंगाना से शुरू होगी। वह क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे। इलाके के हर घर तक केजरीवाल की राजनीति, बाबा साहेब और भगत सिंह के विचारों को पहुचाएंगे। इस दौरान दिल्ली के लोगों के जीवन में आए बदलाव को रेखांकित किया जाएगा। कलां में समारोह के दौरान मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मान ने कहा कि समारोह में पंजाब के सभी लोगों को निमंत्रण है और हर पंजाबी को शपथ लेनी है। सब कुछ पंजाब की तरक्की के लिए होगा और वह पंजाबी में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

ईपीएफओ ने...

खातों में ब्याज जमा करवा देगा। सूत्रों ने कहा कि ईपीएफओ के पास जमा धन पर उसकी आय के आधार पर ब्याज दर तय की जाती है। जमाराशि 13 प्रतिशत बढ़ी है, वहीं ब्याज से आय केवल 8 प्रतिशत बढ़ी है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ने 2020-21 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर 8.5 रखने का निर्णय मार्च 2021 में लिया था। इसे अक्टूबर 2021 में वित्त मंत्रालय ने मंजूरी दी थी। अब सीबीटी के हालिया फैसले के बाद 2021-22 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर की सूचना वित्त मंत्रालय को अनुमोदन के लिए भेजी जाएगी। मार्च 2020 में ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर सात साल में सबसे कम 8.5 फीसदी करने का फैसला किया था, जो 2018-19 में 8.65 फीसदी और 2017-18 में 8.55 फीसदी थी। कमाई कम होने के कारण ईपीएफओ को पहले भी ब्याज दरें कम करनी पड़ीं। 2017-18 में ब्याज दर 8.55 फीसदी थी, 2016-17 में यह 8.65 फीसदी थी। भाकपा सांसद बिनॉय बिस्वाम ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से ईपीएफओ पर ब्याज दर कम करने के फैसले पर पुनः विचार करने का अनुरोध किया। सीतारमण के लिखे पत्र में बिस्वाम ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत सरकार ने चार राज्यों में जीत के तुरंत बाद अपने रंग दिखाने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, ईपीएफ पर ब्याज दर 8.1 फीसदी से घटाकर 8.5 फीसदी करने का ईपीएफओ का फैसला न केवल गैर-जिम्मेदाराना है बल्कि यह भी दिखाता है कि देश के कामकाजी लोगों के प्रति सरकार कोई चिंता नहीं रखती है।

दिल्ली में...

है। विधानसभा चुनावों में भाजपा के 40 प्रतिशत से अधिक के वोट शेयर ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि भाजपा के पास पहले से ही 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़त है। इसकी संभावना काफी कम है कि अगले दो वर्ष में विपक्षी दल मोदी और भाजपा को यूपी में एक बार फिर बड़ी जीत से रोक पाएं। इस बीच शनिवार को आज लखनऊ में पांच कालीदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर भाजपा पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। बताया जा रहा है कि चुनाव में भारी जीत के बाद योगी आदित्यनाथ से मिलकर उन्हें बधाइयों देने वालों का तांता लगा हुआ है।

रूस ने...

हैं। रूसी विमानों और तोपों ने यूक्रेन के पश्चिम में जहां हवाई पट्टियों को निशाना बनाया, वहीं पूर्व में एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र पर बम व गोले बरसाए। उसके टैंक और तोपों ने पहले से ही नियंत्रण में आ चुके शहरों में हमले जारी रखा, जिससे लोग वहां जान गंवाने वाले लोगों को दफना नहीं पाए। रूस इससे पहले सीरिया और चेचन्या में भी ऐसी ही रणनीति अपना चुका है। वह सशस्त्र प्रतिरोध को दबाने के लिए हवाई हमले और गोलाबारी लगातार जारी रखता आया है। रूसी हमलों ने दक्षिणी बंदरगाह शहर मारियुपोल को देश के बाकी हिस्सों से काट दिया है और अगर युद्ध जारी रहता है तो कीव सहित अन्य क्षेत्रों को भी इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। मारियूपोल में रूसी कार्रवाई के चलते वहां भोजन-पानी पहुंचाने और फंसे हुए नागरिकों को निकालने के प्रयास बार-बार नाकाम हो रहे हैं। इस बीच, अमेरिका के रक्षा अधिकारियों ने रूस के हवाई अभियान को लेकर एक आकलन साझा किया। उन्होंने कहा कि रूसी पायलट हमले के लिए दिनभर में औसतन 200 उड़ान भर रहे हैं। उधर, मेयर कार्यालय ने कहा कि 12 दिनों के हमले के दौरान मारियूपोल में अब तक 1500 से अधिक लोगों की जान चली गई। मेयर ने कहा कि रूसी बमबारी के चलते जारी मौतों के बीच कर्मचारी कब्र खोदने का काम भी नहीं कर पा रहे हैं, ऐसे में मृतकों को दफनाया तक नहीं जा पा रहा है। एसोसिएटेड प्रेस के एक फोटोग्राफर ने उस पल को अपने कैमरे में कैद किया है, जिसमें एक टैंक को एक अपार्टमेंट पर सीधा हमला करते देखा जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 24 फरवरी से शुरू हुए युद्ध के बाद से रूसी बलों ने यूक्रेन में कम से कम दो दर्जन अस्पतालों और चिकित्सा सुविधाओं को निशाना बनाया है। यूक्रेन के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि मारियूपोल से करीब 489 किलोमीटर पश्चिम में स्थित शहर माइकोलेव में हुए जबरदस्त हमलों से एक कैंसर अस्पताल और कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। अस्पताल के प्रमुख डॉक्टर मास्किम बेज्नोसेंकों ने कहा कि हमले के दौरान अस्पताल में सैकड़ों मरीज मौजूद थे। हालांकि, किसी की मौत नहीं हुई।

प्रतिबंधों का...

अपील की गई है कि वे अंतरिक्ष केंद्र को चालू रखें। उन्होंने अपनी अपील को एक नक्शे के जरिए प्रदर्शित किया है, जिसमें आईएसएस के उड़ान मार्ग और उसके गिरने के संभावित क्षेत्र को दर्शाया गया है और कहा गया है कि यह रूस के शायद ही किसी हिस्से में गिरेगा। अंतरिक्ष केंद्र में फिलहाल नासा के चार, रूस के दो और एक यूरोपीय अंतरिक्ष यात्री मौजूद हैं।

यूक्रेन संघर्षः टाटा स्टील ने रूसी कोयले के विकल्प की तलाश शुरू की

भाषा। कोलकाता

टाटा स्टील लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि वह रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच रूसी आपूर्तिकर्ताओं और बैंकों के साथ अनिश्चितता का सामना कर रही है और कोयले के आयात के लिए वैकल्पिक बाजारों की तलाश कर रही है। टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने कहा कि रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद के भू-राजनीतिक हालात ने यूरोप में इस्पात निर्यात के नए अवसर भी खोले हैं।

इस संघर्ष के चलते रूस और यूक्रेन की आपूर्ति बाधित होने से यूरोप में 4.5 करोड़ टन इस्पात की कमी हो गई है। नरेंद्रन ने सीआईआई पूर्वी क्षेत्र की वार्षिक बैठक के मौके पर कहा कि टाटा स्टील कोयले के आयात के लिए वैकल्पिक बाजारों की तलाश करेगी। इस समय रूसी आपूर्तिकर्ताओं और बैंकरों को लेकर काफी अनिश्चितता है।

उन्होंने कहा कि टाटा स्टील अपनी कोयला जरूरतों का 10-15 फीसदी रूस से खरीदती है। उन्होंने कहा कि कंपनी के यूरोपीय परिचालन के लिए उत्तरी अमेरिका से अधिक कोयला खरीदना होगा। नरेंद्रन ने कहा कि टाटा स्टील बेहतर मार्जिन के लिए दक्षिणी यूरोप को अधिक निर्यात करने पर जोर देगी। उन्होंने कहा कि यदि यूक्रेन-रूस संघर्ष अगले कुछ महीनों तक जारी रहता है, तो लागत में वृद्धि सभी को प्रभावित करेगी।

सरकार ने 50 किमी/दिन राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण गति को लक्षित किया है

नई दिल्ली(भाषा)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि सरकार देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की गति को प्रतिदिन 50 किमी करने का लक्ष्य बना रही है और उम्मीद जताई कि चालू वित्तवर्ष की निर्माण गति वर्ष 2020-21 की तुलना में अधिक होगी। गडकरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ईटी ग्लोबल बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों के पास सड़क नेटवर्क विकसित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा, अब, हम प्रतिदिन 50 किमी (राजमार्ग) के निर्माण स्तर तक जाना चाहते हैं। देश में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) निर्माण की गति वर्ष 2020-21 में रिकॉर्ड 37 किमी प्रति दिन के स्तर को छू गई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, इस सप्ताह उन्होंने एक हजार किलोमीटर राजमार्ग के निर्माण के लिए ठेके देने के लिए फाइल पर हस्ताक्षर किए हैं। गडकरी ने कहा कि कोविड प्रेरित व्यवधानों के कारण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, लेकिन फिर भी चालू वित्तवर्ष में मार्च के अंत तक, हम पिछले वित्तवर्ष के राजमार्ग निर्माण के रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश करेंगे।

रूसी सीमा पर 12 हजार जवान भेजे : बाइडन

● कहा, लेकिन हम यूक्रेन में तीसरा विश्व युद्ध नहीं लड़ने जा रहे हैं

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने लातविया, एस्टोनिया, लिथुआनिया और रोमानिया जैसे देशों में रूस से सटी सीमा पर अपने 12 हजार सैनिक भेजे हैं। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि वह यूक्रेन में तीसरा विश्व युद्ध नहीं लड़ने जा रहे और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में कभी विजई नहीं होंगे। बाइडन ने शुक्रवार को हाउस डेमोक्रेटिक कॉकस के सदस्यों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि अमेरिका यूक्रेन में तीसरा विश्व युद्ध नहीं लड़ने जा रहा है , लेकिन उन्होंने यह कड़ा संदेश भी भेजा कि वाशिंगटन नाटो के दायरे में आने वाली हर इंच जमीन की रक्षा करेगा। उत्तर एटलांटिक संधि क्षेत्र (नाटो) 30 उत्तर अमेरिकी और यूरोपीय देशों का एक सैन्य समूह है। नाटो के मुताबिक, उसका मकसद सैन्य और राजनीतिक माध्यम से अपने सदस्य देशों की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चत करना है। रूसी आक्रमण से निपटने में यूक्रेन के लोगों ने उल्लेखनीय बहादुरी और साहस का प्रदर्शन किया है, लेकिन अमेरिका द्वारा प्रदान की जाने वाली सुरक्षा सहायता उनके बचाव में अहम रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, और जिस तरह हम यूक्रेन का समर्थन कर रहे हैं, उसी तरह हम यूरोप में अपने सहयोगियों के साथ खड़े रहना जारी रखेंगे और एक स्पष्ट संदेश देंगे कि हम एक एकजुट और आक्रामक नाटो के साथ नाटो के दायरे में आने वाली हर एक इंच भूमि की रक्षा करेंगे। बाइडन ने कहा, इसीलिए मैंने लातविया, एस्टोनिया, लिथुआनिया और रोमानिया सहित कुछ अन्य देशों में

रूस से सटी सीमा पर 12 हजार अमेरिकी जवान भेजे हैं। अगर हम जवाबी कार्वाई करते हैं तो तीसरा विश्व युद्ध निश्चित है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, भले ही नाटो क्षेत्र की रक्षा का पवित्र दायित्व हम पर है, लेकिन हम यूक्रेन में तीसरा युद्ध नहीं लड़ेंगे। रूस ने यूक्रेन के दोनेत्स्क और लुहान्स्क को स्वतंत्र क्षेत्र के रूप में मान्यता देने के तीन दिन बाद 24 फरवरी को वहां विशेष सैन्य अभियान शुरू किया था। बाइडन ने कहा, यह विचार कि हम यूक्रेन में विध्वंसक साजो-सामान भेजें और हमारे विमान, ट्रेन व टैंक वहां अमेरिकी सैनिकों और पायलट को पहुंचाएं, जरा समझिए... बेवकूफी मत कीजिए, आप सब चाहे जो भी कहें... यह तीसरा विश्व युद्ध कहलाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक, उन्होंने यूरोपीय संघ, नाटो और एशिया में अपने सहयोगियों के साथ घंटों विचार-विमर्श किया है। नतीजतन, हम पुतिन पर आर्थिक दबाव बढ़ाने और रूस को वैश्विक मंच पर और अलग-थलग करने में सफल हुए हैं। बाइडन के अनुसार, जी-7 देशों (कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका) ने रूस से तरजीही राष्ट्र का दर्जा छीनने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के नेतृत्व में लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों से रूसी अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है। बाइडन ने कहा, हमारी तरफ से लगाए गए आर्थिक और निर्यात प्रतिबंध रूसी अर्थव्यवस्था को कुचल रहे हैं। रूबल का आधा से ज्यादा अवमूल्यन हो चुका है। मॉस्को स्टॉक एक्सचेंज बंद है... क्यों बंद है? क्योंकि यह जैसे ही खुलेगा, यह धराशाई हो जाएगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने रूस की सरकार की रेटिंग बेहद गिरा दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए लोकतांत्रिक देश एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने कहा, हम हिम्मत दिखा रहे हैं और हम कभी डगमगाएंगे नहीं। पुतिन को यूक्रेन युद्ध में कभी जीत नसीब नहीं होगी।

बाइडन ने कहा, रूसी आक्रमण का एक एकीकृत मोर्चे के रूप में विरोध करने के लिए मैं दुनिया का आभार जताना चाहता हूं। जब पुतिन ने हमला किया, तो उन्हें लगा कि वह नाटो को विभाजित कर सकते हैं। उन्हें लगा कि वह अमेरिका में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं को बांट सकते हैं, लेकिन वह इसमें नाकाम रहे।

क्विक न्यूज

नेपाल के प्रधानमंत्री ने नेपाली नागरिकों को यूक्रेन से निकालने के लिए भारत का आभार व्यक्त किया

काठमांडू । नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने रूस के सैन्य हमले के बाद यूक्रेन में फंसे चार नेपाली नागरिकों को निकालने के लिए शनिवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार का आभार व्यक्त किया। भारत के ऑपरेशन गंगा के तहत नेपाली छात्रों को निकाला गया था। आपरेशन गंगा 24 फरवरी को रूस के सैन्य आक्रमण के बाद यूक्रेन में फंसे भारतीयो को वापस लाने के लिए शुरू किया गया था। देउबा ने एक ट्वीट किया, चार नेपाली नागरिक अभी-अभी यूक्रेन से भारत होते हुए नेपाल पहुंचे है। ऑपरेशन गंगा के जरिए नेपाली नागरिकों को स्वदेश लाने में मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार को धन्यवाद। पिछले हफ्ते, भारत सरकार ने यूक्रेन से दो नेपाली नागरिकों को निकाला था।

करीब एक दशक तक कैद में रहे सऊदी ब्लॉगर रिहा

मॉन्ट्रियल। सऊदी अरब के ब्लॉगर और कार्यकर्ता रइफ बदावी को शुक्रवार को करीब एक दशक के बाद रिहा किया गया। यह जानकारी कनाड़ा में रह रही उनकी पत्नी ने दी। रइफ को सऊदी अरब के रूढ़िवादी धार्मिक संस्थानो की आलोचना करने की वजह से सजा हुई थी और इस फैसले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई थी। कनाडा के शेरब्रुक शहर में तीन बच्चों के साथ रह रही रइफ की पत्नी इंसाफ हैदर ने ट्वीट कर बताया कि वर्ष 2015 के यूरोप के साखरोव मानवाधिकार पुरस्कार सम्मानित अब मुक्त है। परिवार के प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने इसके अलावा कोई और टिप्पणी नही है। बदावी की सजा 28 फरवरी को खत्म हुई। मॉन्ट्रियल में मानवाधिकार वकील और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदावी का पक्ष रखने वाले इर्विन कॉटलर ने पिछले महीने कहा था कि उनके मुवक्किल की मार्च मे रिहाई होने की उम्मीद है।

राष्ट्रमंडल दिवस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी ब्रिटेन की महारानी

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय सोमवार को लंदन के वेस्टमिंस्टर एब्बे मे वार्षिक राष्ट्रमंडल दिवस समारोह मे शामिल नही होंगी। यह जानकारी बकिंघम पैलेस ने शनिवार को दी।95 वर्षीय महारानी 14 मार्च को भव्य समारोह में शामिल होने वाले थी। एलिजाबेथ द्वितीय के पिछले महीने कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद यह ऐसा एक बड़ा कार्यक्रम था जिसमे वह भौतिक रूप से शामिल होने वाी थी। बकिंघम पैलेस ने एलिजाबेथ द्वितीय की अनुपस्थिति का कोई विशेष कारण नही बताया, लेकिन यह उनके खराब स्वास्थ्य से संबंधित नही माना जा रहा है, बल्कि यह बर्कशायर के विंडसर कैसल स्थित आवास से लंदन तक की यात्रा से बचने के लिए प्रतीत हो रहा है। उनके बेटे और उत्तराधिकारी, राजकुमार चार्ल्स उनका प्रतिनिधित्व करेंगे।बकिंघम पैलेस के एक बयान में कहा गया है, शाही परिवार के साथ व्यवस्थाओं पर चर्चा करने के बाद, महारानी ने वेल्स के राजकुमार को सोमवार को वेस्टमिंस्टर एब्बे में राष्ट्रमंडल दिवस कार्यक्रम उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए कहा है।

फ्रांस में हमलावार को पुलिस ने मार गिराया

मार्सिले। फ्रांस के दक्षिणी शहर मार्सिले में चाकू से तीन पुलिसकर्मियो को घायल करने वाले एक हमलावर को पुलिस ने शनिवार को मार गिराया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि चेतावनी फायरिंग को बार-बार नजरअंदाज करने पर पुलिस ने उसे मार गिराया। यह अभी स्पष्ट नही हो पाया है कि मारे गए इस फ्रांसीसी नागरिक ने अधिकारियो पर हमला क्यों किया था। हमले वाले स्थान पर पहुंचकर डर्मनिन ने कहा कि पुलिस को हमलावर के बारे में कोई जानकारी नही है और उसके खिलाफ कोई पुलिस रिकॉर्ड भी नही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने हमलावर को कई तरह से चेतावनी देने की कोशिश की, लेकिन कोई तरीका काम नही आया। मंत्री ने कहा कि पुलिस को अंततः हमलावर को रोकने के लिए गोली चलानी पड़ी। अधिकारियो ने बताया कि हमलवार ने तीन अधिकारियो पर हमला किया जिसमे से एक अस्पताल में भर्ती है। फ्रांस मे हाल के सालो में कई घातक उग्रवादी हमले हुए हैं।

अमेरिकी सीनेट ने यूक्रेन को मदद देने के प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी दी

वाशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस ने युद्धग्रस्त यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियो को 13.6 अरब डॉलर की सैन्य व मानवीय आपात मदद प्रदान करने को मंजूरी दे दी है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण मे अब तक हजारो लोगो की मौत हो चुकी है जबकि 20 लाख से अधिक लोगो को देश छोड़कर भागना पड़ा है। सीनेट ने बृहस्पतिवार देर रात कुल 1.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के प्रस्ताव को मंजूरी दी। प्रस्ताव के पक्ष मे 68 जबकि विरोध में 31 वोट पड़े। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने मतदान से कुछ देर पहले कहा, हम यूक्रेन के लोगो से वादा करते है कि उन्हे पुतिन के खिलाफ लड़ाई मे अकेला नही छोड़ा जाएगा। और थोड़ी ही देर मे जब हम इस प्रस्ताव को पारित कर देंगे, तो यह वादा पूरा हो जाएगा।

यूक्रेन के कीव में रूस द्वारा दागे गए गोले के बाद निकलता धुंआ

जैविक हथियार संधि के मसले को संबंधित पक्षों के बीच सहयोग से सुलझाएं : भारत

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से कहा है कि जैविक एवं जहरीले हथियार संधि के तहत किसी भी मामले को सभी संबंधित पक्षों के साथ व्यापक विमर्श और सहयोग से निपटाया जाना चाहिए।

सुरक्षा परिषद में यूक्रेन में कथित तौर पर जैविक प्रयोगशालाओं के मसले पर विचार विमर्श किया गया। रूस ने यह कहते हुए सुरक्षा परिषद की बैठक आहूत करने का अनुरोध किया है कि अमेरिका के समर्थन से यूक्रेन रासायनिक और जैविक प्रयोगशालाएं संचालित कर रहा है। हालांकि अमेरिका ने इन आरोपों का पुरजोर खंडन किया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई दूत टी. एस. तिरुमूर्ति ने शुक्रवार को कहा, हमने यूक्रेन में जारी स्थिति पर बार-बार गहरी चिंता व्यक्त की है।

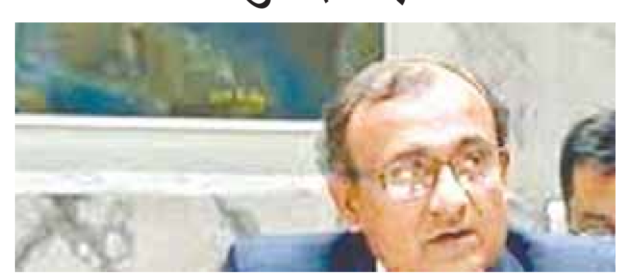

रूस ने यूक्रेन में जैविक प्रयोगशालाओं के मसले पर सुरक्षा परिषद की बैठक आयोजित करने की अपील की है। यूक्रेन : जैविक कार्यक्रमों पर रिपोर्ट विषय पर सुरक्षा परिषद को सम्बोधित करते हुए तिरुमूर्ति ने कहा, भारत ने सदस्य देश (रूस) के हालिया बयान और यूक्रेन से संबंधित जैविक गतिविधियों के संदर्भ में व्यापक जानकारियों का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा, इस संदर्भ में हम वैश्विक और गैर-भेदभावपूर्ण निरस्त्रीकरण संधि के तौर पर जैविक और विषाक्त हथियार संधि (बीटीडब्ल्यूसी) के महत्व को रेखांकित करना चाहेंगे। तिरुमूर्ति ने जोर देकर कहा कि बीटीडब्ल्यूसी का अक्षरश: पूर्ण एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा, हमारा यह भी मानना है कि बीटीडब्ल्यूसी के तहत किसी भी मामले का निपटारा संधि के प्रावधानों के तहत और संबंधित पक्षों से विचार विमर्श एवं सहयोग के जरिए किया जाना चाहिए। तिरुमूर्ति ने यह भी कहा कि भारत को पूरी उम्मीद है कि रूस और यूक्रेन के बीच सीधी बातचीत आपसी संघर्ष खत्म करने में महती भूमिका निभाएगी।

भारत का सहयोग जारी रखेगा अमेरिका: शीर्ष अमेरिकी एडमिरल

भाषा। वाशिंगटन

● अमेरिका-भारत के बीच पिछली टू प्लस टू वार्ता 2020 में नई दिल्ली में हुई थी, अगली बैठक की मेजबानी अमेरिका वाशिंगटन में करेगा

अमेरिका के एक शीर्ष एडमिरल ने अमेरिकी सांसदों से कहा है कि अमेरिका और भारत एक जबरदस्त साझेदार हैं और देश भारत को चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के लिए जरूरी साजो सामान और अन्य चीजों से सहयोग करना जारी रखेगा। अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल जॉन एक्विलिनो ने इस सप्ताह सीनेट आर्मड सर्विसेज कमेटी आन मिलिट्री पोस्चर के समक्ष कहा कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंध संभवत: शीर्ष बिंदु पर हैं। वह सीनेटर गैरी पीटर्स के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। पीटर्स ने सवाल किया था, एडमिरल, आपके लिए मेरा प्रश्न है कि क्या आप हमारे भारतीय समकक्षों के साथ अपने संबंधों के बारे में बात कर सकते हैं और हम दोनों देशों के बीच अपने सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए और क्या कर सकते हैं? इसके जवाब में एडमिरल एक्विलिनो ने कहा, सीनेटर, मुझे कोई चिंता नहीं है। भारत में हमारे सहयोगी जबरदस्त साझेदार हैं, दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंध शायद अपने उच्चतम बिंदु पर है। हम एकसाथ और अधिक करना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, हालांकि जब आप जबरदस्त साझेदारी के बारे में बात करते हैं, तो यह मौजूद है। हम और क्या कर सकते हैं? जानकारी साझा करना जारी रखें, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उन्हें आवश्यक उपकरणों के साथ उनका समर्थन करना जारी रखें और पूरे क्षेत्र में एकसाथ भागीदारी और संचालन जारी रखें। उनकी यह टिप्पणी इसके मद्देनजर महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और चीन ने शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख में कुछ शेष टकराव वाले बिंदुओं पर 22 महीने के लंबे गतिरोध के समाधान के लिए उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता का एक और दौर आयोजित किया। पैंगोंग झील क्षेत्रों में हिंसक झड़प के बाद 5 मई, 2020 को भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध शुरू हो गया। सीनेट की समिति के समक्ष एडमिरल एक्विलिनो ने अमेरिका और भारत के बीच सैन्य अभ्यास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और भारत के साथ मालाबार अभ्यास महत्वपूर्ण है। भारतीयों के साथ मिनी लेटरल और बहुपक्षीय जुड़ाव बढ़ाया और अंतत: उन्हें उपकरण बेचना जारी रखा ताकि हम सैन्य क्षेत्र में एक साथ अधिक अंत:क्रियाशील और अधिक प्रभावी हो सकें। हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव एली रैटनर ने बुधवार को हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर कांग्रेस की बैठक के दौरान सदन की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को बताया कि उनका मानना है कि अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में अविश्वसनीय प्रवाह है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि भारत के साथ संबंध को लेकर कुछ चुनौतियां भी हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उनसे (चुनौतियों से) निपटा जा सकता है और हम संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। रैटनर ने कहा, अप्रैल के आरंभ में हम यहां बहुप्रतीक्षित टू प्लस टू वार्ता करने जा रहे हैं। अमेरिका-भारत के बीच पिछली टू प्लस टू वार्ता 2020 में नई दिल्ली में हुई थी। अगली बैठक की मेजबानी अमेरिका वाशिंगटन में करेगा। टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता दोनों पक्षों के विदेश और रक्षा मंत्रियों के बीच होती है।

बाइडन ने शेफाली राजदान को नीदरलैंड में अपना राजदूत नामित किया

भाषा। वाशिंगटन

● व्हाइट हाउस ने कहा कि दो बच्चों की मां दुग्गल एक अनुभवी राजनीतिक कार्यकर्ता हैं

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय मूल की राजनीतिक कार्यकर्ता शेफाली राजदान दुग्गल को नीदरलैंड में अपना राजदूत नामित करने की अपनी मंशा जाहिर की है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी।

प्रवासी भारतीय 50 वर्षीय दुग्गल मूल रूप से भारत में कश्मीर से हैं। वह सिनसिनाटी, शिकागो, न्यूयॉर्क और बोस्टन में पली बढ़ी हैं।व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कई अन्य प्रमुख प्रशासनिक और राजनयिक पदों पर नियुक्ति की घोषणा के साथ दुग्गल को लेकर जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि दो बच्चों की मां दुग्गल एक अनुभवी राजनीतिक कार्यकर्ता, महिला अधिकार की पैरोकार और मानवाधिकार प्रचारक हैं। वह होलोकॉस्ट मेमोरियल संग्रहालय परिषद के लिए पूर्व में राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त की जा चुकी हैं और वेस्टर्न रीजन सलाहकार के रूप में काम कर रही हैं।दुग्गल मानवाधिकार निगरानी संस्था के सैन फ्रांसिस्को समिति की सदस्य हैं, वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी लीडरशिप एंड कैरेक्टर काउंसिल की सदस्य हैं और एमिलीज लिस्ट के लिए राष्ट्रीय निदेशक मंडल में शामिल हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से राजनीति संचार में एमए किया है और मियामी विश्वविद्यालय में जनसंचार का भी अध्ययन किया है।दुग्गल कई नागरिक पुरस्कारों से सम्मानित हुई हैं, जिसमें यूएस होलोकॉस्ट मेमोरियल म्यूजियम द्वारा वेस्टर्न रीजनल लीडरशिप अवार्ड, कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली द्वारा कम्युनिटी हीरो और नेशनल डायवर्सिटी काउंसिल द्वारा कैलिफोर्निया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक के रूप में सम्मानित किया जाना शामिल है। व्हाइट हाउस ने कहा कि उन्होंने बाइडन के लिए महिलाओं की राष्ट्रीय सह-अध्यक्ष और डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी में उप राष्ट्रीय वित्त अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। दुग्गल पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के 2008 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में सक्रिय थीं और हिलेरी क्लिंटन के राष्ट्रपति चुनाव अभियान से भी जुड़ी थीं, जहां वह हिलेरी के चुनाव अभियान की उत्तरी कैलिफोर्निया संचालन समिति और महिलाओं के लिए हिलेरी समिति की सदस्य थीं।

तुर्की के 86 नागरिक मारियूपोल में शरण लिए हुए हैं, इनमें 34 बच्चे भी

इस्तांबुल । तुर्की में यूक्रेनी दूतावास ने कहा है कि तुर्की के 86 नागरिकों का एक समूह रूसी सैनिकों के घेरे में आए मारियूपोल शहर की एक मस्जिद में शरण लिए हुए है, जिनमें 34 बच्चे भी शामिल हैं। दूतावास की एक प्रवक्ता ने सिटी मेयर से प्राप्त सूचना के हवाले से कहा है कि रूसी सैनिकों से घिर चुके इस शहर की एक मस्जिद में ए लोग हमले से बचने के लिए शरण लिए हुए हैं।प्रवक्ता ने कहा, वाकई मारियूपोल में संचार की बड़ी समस्या है और उन तक पहुंचने का कोई उपाय नहीं हैं। पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से मारियूपोल में हजारों नागरिक फंसे हैं, जिनके पास न खाने का भोजन है, न पीने का पानी। हाड़ कंपाती ठंड में उष्मा या बिजली का भी अभाव है। उन लोगों को वहां से निकालने के लिए संघर्ष विराम के प्रयास विफल हो रहे हैं। तुर्की के अधिकारियों ने इस टिप्पणी पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इतिहास में छिपी है यूक्रेन पर रूसी हमले की निंदा से दक्षिण अफ्रीका के इनकार करने की वजह

केप टाउन, द कन्वरसेशन

दक्षिण अफ्रीका ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासभा में उस प्रस्ताव पर हुए मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जिसमें यूक्रेन पर रूसी हमले की निंदा की गई थी और पूर्वी यूरोपीय देश से रूसी बलों की वापसी की मांग की गई थी।

दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने सफाई दी है कि उसके रूस और यूक्रेन, दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं, लिहाजा वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा।वहीं, राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका मतदान में इसलिए शामिल नहीं हुआ, क्योंकि यह सार्थक भागीदारी की मांग को आगे नहीं बढ़ाता था।दक्षिण अफ्रीका में विपक्षी दल द डेमोक्रेटिक अलायंस ने इस कदम को लेकर सत्तारूढ़ अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) को घेरने में जरा भी देरी नहीं की। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार मतदान से इसलिए नदारद रही, क्योंकि रूसी व्यवसाई विक्टर वेक्सेलबर्ग ने अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) को 75 लाख रूबल का चंदा दिया था। हालांकि, वेक्सेलबर्ग को सिर्फ इसलिए पुतिन समर्थक नहीं माना जा सकता, क्योंकि वह एक रूसी नागरिक हैं। यही नहीं, क्रेमलिन द्वारा 2005 में अरबपति मिखाइल खोदोरकोव्स्की को जेल में डालने और उनकी संपत्ति जब्त करने के बाद कुलीन वर्ग का कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक रूप से पुतिन विरोधी विचार व्यक्त करने की हिम्मत नहीं जुटाएगा।

इसके अलावा, हकीकत के कई आयाम हैं। और इस मामले में इतिहास भी प्रासंगिक है। एएनसी को याद है कि शीत युद्ध के दौरान उसके सहयोगी कौन थे और किसने उसे आतंकवादी कहा था। इस तथ्य ने अन्य विचारों को खारिज कर दिया है, जिनमें यह भी शामिल है कि दक्षिण अफ्रीका एक छोटे-से देश के रूप में किसी महाशक्ति के आक्रमण से बचने के लिए संयुक्त राष्ट्र के उन चार्टर सिद्धांतों पर निर्भर करता है, जो किसी क्षेत्र पर कब्जे के लिए युद्ध और आक्रमण की रणनीति का विरोध करते हैं।

ऐतिहासकि संबंधों का बंधन

एएनसी और पूर्व सोवियत संघ के बीच रिश्तों का लंबा इतिहास रहा है। 1927 में एएनसी के संस्थापक सदस्यों में शामिल योशिय्याह त्सांगना गुमेदे तत्कालीन सोवियत संघ की यात्रा करने वाले पहले पार्टी नेता बने थे। उनकी यह यात्रा बेल्जियम में साम्राज्यवाद विरोधी लीग की बैठक में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद हुई थी।वर्ष 1960 में रंगभेद पर प्रतिबंध लगने के बाद एएनसी को दक्षिण अफ्रीका को श्वेत शासन से आजाद कराने की लड़ाई में अपने निर्वासित मिशन के लिए सोवियत संघ से मदद मिली थी। यह मदद अखिल अफ्रीका अफ्रीकी एकता संगठन या किसी अन्य से मिली सहायता से कहीं ज्यादा थी, जो अब अफ्रीकी संघ के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1970 के दशक के अंत में जाकर स्कैंडिनेवियाई मदद सोवियत फंडिंग से अधिक हो गई थी। लेकिन स्कैंडिनेवियाई सहायता केवल शांतिपूर्ण सहायता तक ही सीमित रही। सिर्फ सोवियत संघ ने एएनसी की सशस्त्र शाखा उमखोंटो वी सिजवे को हथियार और अन्य सैन्य सहायता मुहैया कराई।1988 में इस बात की आहट लगने पर कि रंगभेद के खिलाफ संघर्ष में जीत करीब है, मॉस्को ने नौसैनिक और वायुसैनिक प्रशिक्षण के अलावा एएनसी को पारंपरिक युद्ध एवं गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग में भी सहयोग देना शुरू कर दिया। इस तरह के ऐतिहासिक संबंध यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर यूएन महासभा में हुए मतदान के दौरान अफ्रीकी देशों की प्रतिक्रिया में दिखे अंतर से स्पष्ट थे। स्वापो के नेतृत्व वाले नामीबिया, एमपीएलए के शासन वाले अंगोला और फ्रेलिमो की हुकूमत वाले मोजाम्बिक ने भी प्रस्ताव पर मतदान का बहिष्कार करने में दक्षिण अफ्रीका का साथ दिया। स्वापो, एनपीएलए और फ्रेलिमो को 20वीं सदी में शीत युद्ध के दौरान सोवियत सहायता प्राप्त हुई थी, जब वे खुद गुरिल्ला युद्ध लड़ने वाले मुक्ति संगठन थे।इसके विपरीत, बोत्सवाना और जाम्बिया ने रूसी आक्रमण की निंदा करने के पक्ष में मतदान किया। गौरतलब है कि दोनों देशों की सत्ताधारी पार्टियां शांतिपूर्ण रूप से सत्ता में आई थीं और उनके रूस से कोई संबंध नहीं हैं।

● स्वापो, एनपीएलए और फ्रेलिमो को 20वीं सदी में शीत युद्ध के दौरान सोवियत सहायता प्राप्त हुई थी, जब वे खुद गुरिल्ला युद्ध लड़ने वाले मुक्ति संगठन थे

28 सदस्ईय अफ्रीकी संघ के 17 देश यूएन महासभा में रूसी आक्रमण की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहे।

भोपाल में रूस व यूक्रेन के बीच हो रहे हमले को लेकर अपने चेहरे के पेंट करके युद्ध रोकने को लेकर प्रदर्शन करता युवक

पूर्व छात्र नेता गेब्रियल बोरिक बने चिली के सबसे युवा राष्ट्रपति

सैंटियागो। वामपंथी झुकाव वाले पूर्व छात्र नेता गेब्रियल बोरिक ने शुक्रवार को चिली के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। बोरिक ने अपेक्षाकृत विविधतापूर्ण अर्थव्यवस्था होने के बावजूद हाल के वर्षों में असमानता को लेकर बार-बार बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों को झेलने वाले चिली में राजनीतिक और आर्थिक सुधार का संकल्प जताया। दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र के इतिहास में बोरिक (36) सबसे कम उम्र के राष्ट्रपति हैं। वह केवल चार साल के थे जब 17 साल की सैन्य तानाशाही के बाद देश में लोकतंत्र बहाल हुआ था, जिसने आधुनिक चिली के लिए आधार तैयार किया। बोरिक ने संकल्प जताया है कि उनकी युवा, समावेशी सरकार 1973 से 1990 तक जनरल अगस्टो पिनोशे के शासन के दौरान लागू मुक्त बाजार मॉडल से उपजी गरीबी और असमानता को दूर करेगी। उनका चार साल का कार्यकाल ऐसे समय में शुरू हो रहा है जब संविधान सभा देश के लिए पिनोशे के शासन में अपनाए गए संविधान को बदलने के लिए एक नया संविधान तैयार कर रही है।

देश में लगातार कम हो रहे हैं कोरोना के मामले

भारत में गत 24 घंटे के दौरान कोविड-19 के सिर्फ 3,614 नए मामले सामने आए जो 12 मई 2020 के बाद एक दिन में सामने आए सबसे कम मामले हैं। इसके साथ ही देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,29,87,875 हो गई है जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 40,559 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार सुबह आठ बजे किए गए अद्यतन आंकड़ों में यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक गत 24 घंटे के दौरान 89 और मरीजों की मौत होने से देश में कोविड-19 महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या 5,15,803 हो गई है। कुल संक्रमितों के मुकाबले उपचाराधीन मरीजों की संख्या केवल 0.09 प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर कोविड-19 से ठीक होने की दर में भी और सुधार हुआ है।

DOC टॉक

डॉ. आयुष शर्मा
संस्थापक और निदेशक
लेजर स्पाइन क्लीनिक

स्वस्थ रहने के लिए सक्रिय रहें

साइटिका या कटिस्नायु शूल तंत्रिका दर्द –जिसे अक्सर कटिस्नायुशूल नामक चिकित्सा स्थिति में समेट दिया जाता है– पैर में दर्द के लक्षण, पीठ के निचले हिस्से में शुरू होने वाली छोटी या मजबूत सुन्नता और फिर नितंब तक और पैर के पिछले हिस्से तक जाता है। आमतौर पर माना जाता है कि कटिस्नायुशूल शरीर के निचले हिस्से के केवल एक तरफ को प्रभावित करता है, दर्द पीठ के निचले हिस्से से जांघ के पिछले हिस्से तक और पैर के पिछले हिस्से से नीचे तक फैलता है। यह दर्द पैर या पैर की उंगलियों तक आगे बढ़ने की संभावना है, जहां पर साइटिक तंत्रिका प्रभावित हुई है, इसलिए यह व्यक्ति दर व्यक्ति में भिन्न होता है।

एक से अधिक लक्षणों द्वारा चित्रित, जहां कुछ रोगी गंभीर व असहनीय दर्द की शिकायत करते हैं, वहीं कुछ अपने तजुर्बे को गाहे बगाहे व परेशान करने वाले के रूप में साझा करते हैं। हालांकि, इन दर्दों के भविष्य में खराब होने की आशंका है और इसलिए सावधानी बरतने और तदनुसार व्यायाम करने की सलाह दी जाती है।

अलग–अलग व्यक्तियों पर इस दर्द के प्रभाव की तरह, साइटिका के कारण होने वाली स्थिति के आधार पर विशिष्ट कटिस्नायुशूल लक्षण भी प्रकार, स्थान व गंभीरता में भिन्न होते हैं। मरीजों को उसी वितरण में झुनझुनी या पिन और सुई महसूस होने की शिकायत भी हो सकती है। हालांकि स्थायी कटिस्नायुशूल तंत्रिका क्षति (ऊतक क्षति) एक अपेक्षाकृत दुर्लभ घटना है, जब ऐसा होता है तो यह अक्सर अपरिवर्तनीय होता है। इसलिए, यदि किसी को निचले क्षेत्र में कमजोरी, ऊपरी जांघों में सुन्नता, और/ या मूत्राशय या आंत्र नियंत्रण में कमी का अनुभव होता है, तो स्थिति के गंभीर होने/ बिगड़ने से पहले तत्काल चिकित्सा सहायता लेने की सलाह दी जाती है।

लक्षण

- आपको नितंब या पैर के केवल एक तरफ लगातार दर्द का अनुभव हो सकता है (शायद ही कभी दोनों पैरों में हो सकता है)।
- ऐसा दर्द जो बैठने या खांसने/ छींकने पर बढ़ जाता है।
- कुछ सुन्नता, कमजोरी या पैर या पैर को हिलाने में भी कठिनाई।
- पैर में जलन या झुनझुनी का अनुभव होना।
- आप एक तेज दर्द भी महसूस कर सकते हैं जिससे खड़ा होना या चलना मुश्किल हो जाता है।

कारण

- साइटिका मुख्य रूप से निचले काठ और लुंबोसैक्रल रीढ़ की जड़ की जलन के कारण होता है। इसका सबसे आम कारण रीढ़ की हड्डी में फैला हुआ या हर्नियेटेड डिस्क है (जिसे अक्सर स्लिप डिस्क कहा जाता है)। साइटिका के कुछ अन्य कारणों में शामिल हैं :
- रीढ़ की नाल का पतला होना
- अपकर्षक कुंडल रोग
- स्पोंडिलोलिस्थीसिस
- यदि आप गर्भवती हैं, मोटापे से ग्रस्त हैं, या ऊंची एड़ी के जूते पहनती हैं और अत्यधिक नरम गद्दे पर सोती हैं, तो आपको साइटिका दर्द होने की संभावना है।

उपचार : यदि आपको हर्नियेटेड डिस्क है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सर्जरी की आवश्यकता होगी, ऐसे कई मामले हैं जहां समय के साथ लक्षणों में सुधार हुआ है। बल्कि साइटिका के 10 में से नौ मरीजों को सर्जरी की जरूरत नहीं होती है।

अक्सर, यह सावधानियों, दवाओं और नियंत्रित व्यायामों का एक संयोजन है जो दर्द का इलाज करने में मदद करता है।

सावधानियां : दर्द को बिगड़ने से बचाने के लिए मरीजों को पीठ के निचले हिस्से में अचानक या अत्यधिक गतिविधियों से बचना चाहिए। बैठने, घुटने टेकने, कमर के बल झुकना, भारी वजन उठाना (या गलत तरीके से हल्का वजन भी उठाने) जैसी गतिविधियों से बचना चाहिए।

व्यायाम और शारीरिक उपचार – डॉक्टर आमतौर पर एक बहुत ही विशिष्ट, नियंत्रित, प्रगतिशील व्यायाम कार्यक्रम निर्धारित करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह कितना भी उल्टा या विचित्र क्यों न लगे, बिस्तर पर आराम करने के विपरीत साइटिका के मामले में व्यायाम अपेक्षाकृत अच्छा काम करता है। तो, आप एक या दो दिन आराम कर सकते हैं जब दर्द बढ़ जाता है, लेकिन कुछ समय बाद निष्क्रियता विपरीत काम करना शुरू कर देती है। ये अभ्यास मुख्य रूप से इन दो उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं :

- वे निकट अवधि में साइटिक दर्द को कम करते हैं
- वे कंडीशनिंग प्रदान करने में मदद करते हैं जो भविष्य में दर्द की पुनरावृत्ति को रोक सकते हैं।

एक व्यायाम व्यवस्था से रहित, पीठ की मांसपेशियां और रीढ़ की हड्डी की संरचनाएं स्पष्ट रूप से खराब हो जाती हैं और इस कारण पीठ को सहारा देने में कम सक्षम होती हैं। इससे आगे चलकर पीठ में चोट और खिंचाव हो सकता है जो बदले में अधिक दर्द को जन्म देगा। शरीर की प्रभावी गतिविधियां डिस्क के भीतर पोषक तत्वों व तरल पदार्थों के आदान–प्रदान में भी सहायता करती हैं और उन्हें स्वस्थ रखती हैं जिससे कि साइटिक तंत्रिका पर किसी भी तनाव को रोका जा सके।

बहुत से रोगियों ने एंडोस्कोपिक या एंडो पोर्टल डीकंप्रेसन के माध्यम से राहत पाई है जो कि 30 मिनट की प्रक्रिया है जिसमें 24 घंटे से कम समय तक अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। इसलिए, साइटिका के दर्द के लिए सर्जरी अंतिम उपाय हो सकता है, लेकिन आपका डॉक्टर यह सुनिश्चित करेगा कि उसने आपको इसकी ओर बढ़ने के लिए कहने से पहले सभी संभव साधनों की जांच परख की है। और तंत्रिका क्षति की अपरिवर्तनीय प्रकृति को देखते हुए, जो स्थिति को लापरवाही से संभालने या स्वउपचार के कारण हो सकती है, दर्द के प्रारंभिक चरण में एक न्यूरोसर्जन/ रीढ़ सर्जन /ऑर्थो सर्जन से परामर्श करने की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है।

डॉ. सुनीता दुबे का कहना है कि जीवन की शुरुआत में ही आंखों की जांच में निवेश करने से स्थायी अंधापन, जीवन की बेहतर गुणवत्ता और संबंधित वित्तीय खर्चों को रोका जा सकता है

2020 में दुनिया भर में लगभग 596 मिलियन लोगों को दूर दृष्टि दोष था, जिनमें से 43 मिलियन नेत्रहीन हो गए। जिन कारणों से दृष्टि हानि होती है उन्हें अक्सर प्रारंभिक उपचार व निरंतर पुनर्वास हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। यह ग्लूकोमा, मोतियाबिंद, अपवर्तक त्रुटि, और उम्र से संबंधित धब्बेदार अध: पतन जैसी बीमारियों के लिए सच है।

विश्व स्तर पर, ग्लूकोमा अंधेपन का दूसरा सबसे आम कारण है। वास्तव में, डब्ल्यूएचओ के अनुसार, ग्लूकोमा के कारण लगभग 4.5 मिलियन लोग अंधे हैं। मोतियाबिंद और अनुपचारित अपवर्तक त्रुटियों के बाद यह भारत में अंधेपन का तीसरा प्रमुख कारण भी है। समय के साथ, यदि आंखों का दबाव लगातार उच्च बना रहता है, तो आंखों से मस्तिष्क तक छवियों को भेजने वाली ऑप्टिक तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो सकती है। यदि इस समस्या को अनुपचारित छोड़ दिया जाता है, तो बढ़े हुए नेत्र दबाव से दृश्य हानि और कभी–कभी अंधापन हो सकता है।

आंखों के दबाव की नियमित जांच की आवश्यकता

ग्लूकोमा रोगियों में रोग की गंभीरता को नियंत्रित करने के लिए नियमित रूप से आंखों की जांच के जरिए प्रारंभिक पहचान महत्वपूर्ण है। इंट्राओकुलर दबाव को निर्धारित करने के लिए टोनोमेट्री परीक्षण के रूप में जाना जाता है, जिससे आंखों के दबाव की जांच की जाती है। सामान्य आंख का दबाव लगभग 10–20 एमएम एचजी होता है। ग्लूकोमा के मामलों में, दबाव 22 एमएम एचजी या उससे अधिक होता है। हालांकि, कई बार आंखों के दबाव में वृद्धि के बिना भी ग्लूकोमा विकसित हो सकता है। फिर भी, यदि रोग गंभीर अवस्था में नहीं है तो हर साल आंखों के दबाव की जांच करवाना जरूरी है। गंभीर ग्लूकोमा वाले लोगों को हर दो महीने में अपनी आंखों के दबाव की जांच करवानी चाहिए।

आंखों की जांच के दौरान नेत्र रोग विशेषज्ञ से पूछने वाले महत्वपूर्ण प्रश्न

नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाते समय, ग्लूकोमा के पारिवारिक इतिहास वाले लोगों को प्रासंगिक जानकारी व ज्ञान से लैस होने के लिए प्रश्न व वर्तमान चिंताओं को पूछना चाहिए। कुछ लोगों को ग्लूकोमा नहीं होता है, लेकिन ऑप्टिक तंत्रिका के प्रकट होने के तरीके के अनुसार उन्हें ग्लूकोमा संदिग्ध के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, लेकिन निदान अनिश्चित हो सकता है। यदि रोगी को निकट दृष्टिदोष या मायोपिया है तो निदान भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि किसी को ग्लूकोमा होने का संदेह है, तो नियमित रूप से फॉलो–अप के लिए जाने की सलाह दी जाती है क्योंकि निदान ग्लूकोमा में प्रगति कर सकता है। मरीजों को आंखों के दबाव की रीडिंग के बारे में पूछना चाहिए कि यह सलाह दी गई उपचार के कारण सुधार दिखा रहा है या नहीं। स्थिर लक्षण इंगित करते हैं कि रोगी उपचार पद्धति के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है।

ग्लूकोमा के पारिवारिक इतिहास वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण सुझाव

ग्लूकोमा के पारिवारिक इतिहास वाले लोगों को हर एक या दो साल में पूरी तरह से आंखों की जांच करवानी चाहिए, खासकर अगर उनकी उम्र 40 वर्ष से अधिक हो। इसके अतिरिक्त, यदि किसी को मधुमेह या उच्च रक्तचाप जैसी कोई अन्य समस्या है, तो उन्हें अपनी आंखों की बार–बार जांच करानी चाहिए। आंखों की देखभाल में निवेश आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और बाद में होने वाले अत्यधिक चिकित्सा खर्चों को रोकने में एक लंबा रास्ता तय करता है। ग्लूकोमा परामर्श, अस्पताल के दौरे, परीक्षण आदि के जरिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समग्र चिकित्सा खर्चों में वृद्धि की ओर ले जाता है। यदि रोग की गंभीरता अधिक है या यदि स्थिति का निदान नहीं किया जाता है, जब तक कि यह गंभीर अवस्था तक नहीं पहुंच जाती है, तो वित्तीय बोझ बढ़ जाता है। नियमित रूप से आंखों की जांच व शुरुआती चिकित्सा हस्तक्षेप से रोगियों व उनके परिवारों को पर्याप्त वित्तीय प्रभाव से बचाया जा सकता है।

डॉ. सुनीता दुबे
चेयरपर्सन–क्वालिटी एश्योरेंस और हेड, ग्लूकोमा सर्विसेज, डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल

ग्लूकोमा के पारिवारिक इतिहास वाले लोगों को हर एक या दो साल में पूरी तरह से आंखों की जांच करवानी चाहिए, खासकर अगर उनकी उम्र 40 वर्ष से अधिक हो। इसके अतिरिक्त, यदि किसी को मधुमेह या उच्च रक्तचाप जैसी कोई अन्य समस्या है, तो उन्हें अपनी आंखों की बार-बार जांच करानी चाहिए। आंखों की देखभाल में निवेश आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और बाद में होने वाले अत्यधिक चिकित्सा खर्चों को रोकने में एक लंबा रास्ता तय करता है।

जांच और उपचार

ग्लूकोमा का पता चलने के बाद, डॉक्टर आपके मामले की गंभीरता के आधार पर उपचार की सलाह देंगे। उपयुक्त उपचार विकल्प का उद्देश्य आंखों के दबाव को कम करना है। रोग की गंभीरता के आधार पर, रोगी को आई ड्रॉप, कभी–कभी मौखिक दवाएं, लेजर उपचार, या सर्जरी निर्धारित की जा सकती है। प्रगति को धीमा करना, सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करना है और इलाज करने वाले डॉक्टर के साथ मिलने में देरी या चूक नहीं करना है।

जीवन में शुरुआत में ही आंखों की जांच में निवेश करने से स्थायी अंधापन, जीवन की बेहतर गुणवत्ता और संबंधित वित्तीय खर्चों को रोका जा सकता है।

–लेखक डॉ श्रॉफ चौरिटी आई हॉस्पिटल में क्वालिटी एश्योरेंस में चेयरपर्सन तथा ग्लूकोमा सर्विसेज में हेड हैं।

महत्वपूर्ण जीवन शैलीगत बदलाव

यह एक प्रचलित गलत धारणा है कि प्रजनन क्षमता एक महिला की समस्या है, पुरुष बांझपन भी आज समान रूप से महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। रोहित शेलतकर बता रहे हैं कि दोनों के लिए बेहतर प्रजनन स्वास्थ्य कैसे निर्मित किया जाए

प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं के आम तौर पर जीवन में बाद के चरण के लिए स्थगित होने की संभावना रहती है और अक्सर गुपचुप स्तर पर आयोजित की जाती हैं। हालांकि इन दोनों नजरियों में बदलाव की आवश्यकता है क्योंकि प्रजनन स्वास्थ्य ऐसा कुछ नहीं है जिसे केवल तभी देखा जा सकता है जब दंपत्ति / लोग गर्भधारण करना चाहते हों और न ही इसके बारे में एकांत में बात की जानी चाहिए क्योंकि प्रजनन स्वास्थ्य अंतत: समग्र शारीरिक और मानसिक भलाई से जुड़ा और प्रभावित होता है। इसके अतिरिक्त, यह एक लोकप्रिय गलत धारणा है कि प्रजनन क्षमता एक महिला की समस्या है, पुरुष बांझपन आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। इस प्रकार, बांझपन की समस्या को पुरुषों व महिलाओं द्वारा समान रूप से सहन किया जाना चाहिए और दोनों को समय के साथ अपने प्रजनन स्वास्थ्य का निर्माण करने की आवश्यकता है।

जीवनशैली में बदलाव

प्रजनन स्वास्थ्य के संदर्भ में, जीवनशैली में बदलाव पर पर्याप्त जोर नहीं दिया जा सकता है। आदमी के शुक्राणुओं की संख्या, गतिशीलता व आकृति विज्ञान सभी उसकी जीवन शैली की गुणवत्ता से काफी प्रभावित होते हैं। तनाव, शराब का सेवन और धूम्रपान पुरुष प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसी तरह, महिलाओं के लिए, तंबाकू का सेवन का मसला कम प्रजनन–दर से जुड़ा है। धूम्रपान अंडाशय की उम्र बढ़ने में महत्वपूर्ण योगदान देता है और अंडे की त्वरित और समय से पहले कमी तथा ओव्यूलेशन विकारों व हार्मोनल असंतुलन का खतरा बढ़ जाता है। इष्टतम शरीर के वजन को बनाए रखना और नियमित व्यायाम करना दोनों के लिए आवश्यक है। नियमित व्यायाम महिलाओं को ओवुलेशन समस्याओं के जोखिम को कम करने तथा पीसीओएस जैसे प्रजनन विकारों को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। मोटापा पुरुषों में शुक्राणु की गुणवत्ता व प्रजनन क्षमता को घटा सकता है।

सूक्ष्म पोषक तत्वों की पूर्ति

प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और बाद में प्रजनन क्षमता में सुधार शरीर में सेलुलर स्तर पर होने वाले परिवर्तनों पर आधारित है। इसलिए, शरीर में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी पुरुषों व महिलाओं दोनों के प्रजनन स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

जिंक: महिलाओं के लिए, रक्त में जिंक–दर की कमी होने का संबंध गर्भधारण करने की लंबी अवधि के साथ जुड़ा हुआ है। पुरुषों के लिए, शुक्राणु निर्माण के लिए यह खनिज आवश्यक है।

विटामिन डी : यह महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका निम्न स्तर पीसीओएस (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) से जुड़ा हुआ है जो गर्भवती होने की कोशिश कर रही महिलाओं के लिए एक बड़ी बाधा का कार्य करता है।

सेलेनियम : हालांकि इसे बहुत अधिक महत्व नहीं मिलता है, लेकिन प्रजनन स्वास्थ्य में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महिलाओं के लिए, सेलेनियम अंडे के चारों ओर कूपिक द्रव के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकता है, और पुरुषों के लिए, यह शुक्राणु के उत्पादन में एक आवश्यक तत्व है। कुल मिलाकर, जीवनशैली में बदलाव के साथ विटामिन पूरकता और अंडे, मछली, सफेद व सीमित मात्रा में रेड मीट, उच्च फाइबर और फलों व सब्जियों जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों से भरे स्वस्थ आहार का पुरुषों व महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

–लेखक विटाबायोटिक्स के उपाध्यक्ष हैं तथा फिटनेस व पोषण विशेषज्ञ हैं।

उत्तम स्वास्थ्य के लिए अच्छा पोषण आवश्यक है

डॉ. सी एस मिथरेयी का कहना है कि संज्ञानात्मक कार्य को बनाए रखने की कुंजी अनेक स्वस्थ आदतों, जैसे कि चलना, भरपूर मात्रा में ओमेगा -3 फैटी एसिड खाना और सामाजिक रहना, का संयोजन हो सकता है

अच्छा स्वास्थ्य कोई दुर्घटना नहीं है, यह लगातार स्वस्थ आदतों का परिणाम है। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया हमारे स्वास्थ्य पर भारी असर डालती है।

महिलाओं में अच्छे स्वास्थ्य का मसला अक्सर इसलिए होता है क्योंकि उन्हें जीवन भर हार्मोनल परिवर्तनों के बीच अपने परिवार व करियर में संतुलन बनाए रखने के लिए कई कार्य करने पड़ते हैं।

उम्र बढ़ने के साथ–साथ मौजूदा शारीरिक व भावनात्मक स्वास्थ्य की शुरुआत, आप कम उम्र से ही अपने द्वारा हर रोज किए जाने वाले सरल विकल्पों में सुधार से करें।

अच्छा खाएं

- जी हां आपने सही सुना है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए अच्छा पोषण महत्वपूर्ण है। वजन कम करने के लिए कम भोजन करने का विकल्प अपनाना अच्छा पोषण नहीं है
- प्रतिदिन 7 से 10 सर्विंग फल और सब्जियां खाएं। अधिक साबुत अनाज खाएं।
- रेड और प्रोसेस्ड मीट का सेवन कम करें और शराब को सीमित करें। अधिक वनस्पति प्रोटीन का सेवन करें
- रिफाइंड चीनी कम खाएं

चलते फिरते रहें

- स्वस्थ रहने के लिए आपको चलते रहने की जरूरत है।
- चाल–विविधता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विभिन्न मांसपेशियों व जोड़ों का उपयोग करती है
- रोजाना कम से कम 30 से 40 मिनट तेज चलें

काम पर सीढ़ियां चढ़कर जाना, दोपहर के भोजन के दौरान 10–15 मिनट तक पैदल चलना, अपने डेस्क से बार–बार उठकर या अपने डेस्क पर एक छोटा पेडलिंग उपकरण रखने के जरिए इसे पूरा किया जा सकता है।

तनाव का प्रबंधन करें

- तनाव जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। थोड़ा सा अल्पकालिक तनाव वास्तव में हमारे संज्ञानात्मक कौशल को तेज करने और हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए दिखाया गया है, लेकिन लंबे समय तक, पुराना तनाव वास्तव में हमारे स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है।
- इसे दूर करने के लिए रोजाना ध्यान, प्रार्थना, ताई ची, योग या गहरी सांस लेने जैसे उपाचय करें जो आनंददायक हों। अधिक नियोजित व मनोरंजक तरीके से दिन–प्रतिदिन की चुनौतियों का सामना करें।

डॉ. सी एस मैत्रेयी
वरिष्ठ सलाहकार – प्रसूति एवं स्त्री रोगी, मधुकर रेनबो चिल्ड्रेन हॉस्पिटल दिल्ली

दिमाग को सक्रिय रखें

- अच्छी तरह से बुढ़ाने, स्वतंत्रता बनाए रखने और खुश रहने के लिए संज्ञानात्मक कार्य महत्वपूर्ण है।
- संज्ञानात्मक कार्य को बनाए रखने की कुंजी कई स्वस्थ आदतों का संयोजन हो सकती है जैसे चलना, भरपूर मात्रा में ओमेगा –3 फैटी एसिड खाना और सामाजिक रहना।

अच्छी नींद लें

नींद स्वास्थ्य का अभिन्न अंग है। नींद के दौरान, शरीर आराम करता है और पुन: ताजा होता है। आपको प्रतिदिन 6–8 घंटे की नींद की लेनी चाहिए।

शांतिपूर्ण अच्छी नींद निम्न उपायों द्वारा प्राप्त की जा सकती है:

- सोते समय शराब से परहेज
- रात्रि भोजन जल्दी करें
- गैजेट्स से बचें
- अपने सर्काडियन रिदम के अनुसार सोना

नियमित जांच

बीमारी को रोकने या इसका जल्दी से पता लगाने के लिए, जब यह सर्वाधिक उपचार–योग्य होती है, नियमित जांच व स्क्रीनिंग परीक्षाएं बहुत आवश्यक होती हैं

रक्तचाप की जांच

20 साल की उम्र के बाद, हर दो साल में कम से कम एक बार, तथा 40 साल और उससे अधिक उम्र के वयस्कों के लिए वार्षिक जांच कराने की सिफारिश की जाती है।

पेप स्मीयर

21 साल की उम्र से लेकर 65 साल की उम्र तक, आपको हर तीन साल में एक पैप स्मीयर करवाना चाहिए। यदि आप 30 वर्ष या उससे अधिक उम्र के हैं, तो आप हर पांच साल में परीक्षण कर सकते हैं यदि आप इसे एचपीवी के लिए एक स्क्रीन के साथ जोड़ देते हैं।

मैमोग्राम, जो स्तन कैंसर के लिए जांच करता है, की 50 वर्ष की आयु से हर दो साल में सिफारिश की जाती है। यदि आपमें बीमारी का पारिवारिक इतिहास है, या अन्य चिंताएं हैं, तो वार्षिक जांच शुरू कराने के बारे में पहले अपने डॉक्टर से बात करें।

अस्थि घनत्व जांच

महिलाओं को 65 वर्ष की आयु में अस्थि घनत्व परीक्षण से ऑस्टियोपोरोसिस की जांच करवानी शुरू कर देनी चाहिए, जिसकी आवृत्ति जोखिम के कारकों पर निर्भर करती है।

रक्त जांचें

लगभग 45 वर्ष की आयु से, महिलाओं को नियमित रूप से हर साल रक्त –परीक्षण करवाना चाहिए, जिसमें रक्त शर्करा, थायरॉइड फंक्शन परीक्षण, पूर्ण रक्त गणना, लिपिड प्रोफाइल और मूत्र आर/एम शामिल हैं।

–लेखिका मधुकर रेनबो चिल्ड्रेन हॉस्पिटल दिल्ली में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में वरिष्ठ सलाहकार हैं।

सिनेमा के कैनवास पर कविता

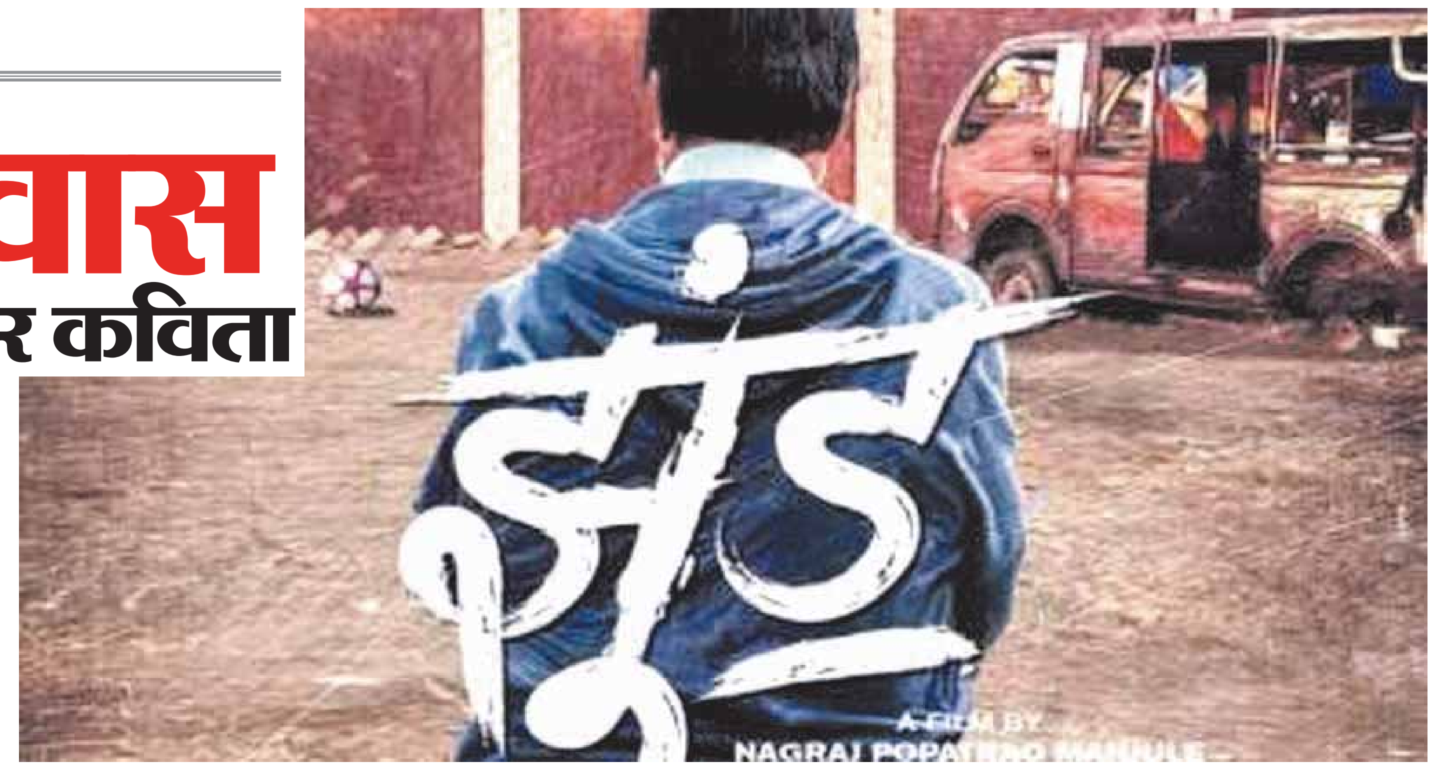

राजधानी की एक संक्षिप्त यात्रा पर, निर्देशक नागराज मंजुले - एक अनौपचारिक चर्चा में - सैमी सत्तार को अपने नवीनतम फिल्म झुंड के बारे में बताते हैं और यह भी कि फिल्म उद्योग के साथ-साथ ओटीटी में बाहरी लोग विषयवस्तु को प्रभावित कर रहे हैं

एक आलीशान होटल की 20वीं मंजिल पर, जहां एक दीवार आंशिक रूप से कांच से बनी है, नागराज मंजुले एक शांत सफल कहानी लिख रहे हैं। यह बाहर के दृश्य में परिलक्षित होता है जहां जेसीबी और क्रेन पुराने सत्ता केंद्रों को एक चमकदार नए भारत के अपने संस्करण की नींव स्थापित करने के लिए बिछा रहे हैं, लेकिन उन्मादी गतिविधि की आवाज हमारे तक नहीं पहुंचती है। मंजुले, अपने तरीके से, फिल्म उद्योग के स्थापित सत्ता केंद्रों में सेंध लगाते रहे हैं।

पीले रंग की चेक की आधी बाजू की शर्ट में, वह बहुत सहज दिखते हैं, उनकी चितकबरी दाढ़ी ने उन्हें एक ऐसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक के रूप में भव्यता की रंगत प्रदान की थी, जो हाल ही में महान अभिनेता अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत झुंड फिल्म लेकर आए हैं। निर्देशक दोपहर के भोजन के लिए बाहर जाने वाले हैं, लेकिन बातचीत के लिए बैठना पसंद करते हैं। वह रेखांकित करते हैं कि वह चर्चा की टेबल पर बैठने से पहले प्रश्नों का उत्तर हिंदी में देना पसंद करते हैं।

मंजुले कहते हैं, ''जब अवधारणा मेरे पास आई और मैंने दो-तीन महीने तक इस पर शोध किया, लोगों से मिला और तब मुझे एहसास हुआ कि मुझे यह फिल्म करनी चाहिए। कभी-कभी लोग आपके पास आते हैं और पूछते हैं, 'क्या आप इसे करेंगे?' और दूसरे रूप में यह पूछते हैं, 'अगर मैं यह कर सकता हूं।' मैंने इसके बारे में दोनों तरह से सोचा और महसूस किया कि मुझे यह करना चाहिए।'' मंजुले ने फिर बच्चन से संपर्क किया, उन्हें कहानी सुनाई, जो उन्हें पसंद आई और वह इसे करने पर सहमत हो गए।

झुंड उन 50-100 लोगों की कहानी कहती है जो झुग्गियों में रहते हैं और फुटबॉल खेलते हैं। बकौल मंजुले, मंजुले कहते हैं, ''जब मैं यह समझने की कोशिश कर रहा था कि मुझे ऐसा क्यों करना चाहिए, तो मुझे एहसास हुआ कि यह पहली बार था जब बाहर से किसी ने एक कहानी सुनाई थी, जो मेरे दिल में थी। यह मेरी कहानी लग रही थी और इसलिए, मुझे इसे करना पड़ा।''

यह स्वाभाविक रूप से किसी को आश्चर्यचकित करता है कि मंजुले अपनी फिल्मों के लिए, अपने जीवन से कितनी ज्यादा प्रेरणा लेते हैं, जो अक्सर समाज के हाशिये के बारे में होती हैं। ''इसे जीया जाता है लेकिन हूबहू नहीं। मैं बहुत लंबे समय तक झुग्गी में नहीं रहा। मैं एक गांव में पला-बढ़ा हूं। लेकिन मेरे रिश्तेदार एक झुग्गी में रहते थे इसलिए मैंने इसे देखा और समझा है। गांव और कस्बे अलग हैं। इसके बावजूद, आप जहां भी जाते हैं, पुरुष-महिला संबंध समान होते हैं। पहले मैंने सोचा था कि विदेश के लोग, उनके रिश्ते और उनकी परेशानियां अलग होंगी, लेकिन बाद में, मुझे पता चला कि दृष्टिकोण भले ही अलग हों, लेकिन रिश्ते, भावनाएं और यहां तक कि संबंध एक जैसे हैं।

फिल्म करने का फैसला करने के बाद कास्टिंग का काम आया। वास्तविक जीवन पर आधारित कहानी की तीन परतें थीं। मंजुले कहते हैं, ''वास्तविक लोग, जिन पर किरदार आधारित हैं। कुछ असली लोगों ने खुद ही चरित्र को निभाया, मसलन, एक लड़की, बॉबी, ने ऐसा किया। और फिर, कुछ लोगों को असली किरदार निभाने के लिए कास्ट किया गया। अन्य किरदार वास्तविक नहीं हैं, लेकिन अनेक किरदारों पात्रों से प्रेरणा लेने वाला एक मिश्रण है। मुख्य भूमिका में बाबू है, जो एक नया चरित्र है।'' मंजुले आगे कहते हैं, ''जब आप कोई फिल्म बनाते हैं, तो वह कल्पना पर आधारित होती है। आप वास्तविक जीवन से प्रेरित होते हैं और फिर, कल्पना उड़ान भरती है। मैं इन पात्रों को लिख रहा था और उन्हें समझ रहा था। हम वहां रहने वाले बच्चों को कास्ट करने के लिए झोपड़ पट्टी गए, क्योंकि उनकी भाषा, कपड़े और रहन-सहन का तरीका उस जगह को दर्शाता है। जिस ढंग से आप किसी किरदार की कल्पना करते हैं और फिर उसे जीवंत करते हैं, वह एक दिलचस्प प्रोजेक्ट है।''

मंजुले ने उस प्रतिभा को भी आकर्षित किया जिसके साथ उन्होंने अतीत में काम किया था। आकाश थोसर, सैराट (2016) में प्रमुख अभिनेता, तथा फैंड्री (2013) से सोमनाथ अवघड़े को इसमें लिया गया था। कई नए कलाकार थे। बच्चन के साथ फिल्म में गैर-अभिनेताओं को खड़ा करने से स्वाभाविक रूप से इसके नुकसान हुए होते। मंजुले बताते हैं, ''चुनौतियां हर किसी में अलग होती हैं। आपको अलग-अलग हथकंडे अपनाने पड़ते हैं। एक साइज सबके लिए फिट नहीं होता है। आपको हर तरह के हथियार रखने पड़ते हैं (हंसते हुए)। अगर कोई छोटा बच्चा है, तो तरीका अलग होगा। बच्चन सर के साथ, तरीका अलग होगा। अंत में, आपको काम पूरा करना होता है।''

उनकी पिछली फिल्में जहां मराठी में थीं, वहीं झुंड हिंदी में बनी है। मंजुले को लगता है कि अगर मैं फिल्म बनाकर कुछ बेचने की ओर रुख करता तो मुझसे इस बदलाव के बारे में सवाल पूछा जा सकता था। केवल भाषा बदल गई है। फिल्म अपने आप में एक भाषा होती है।

फिल्म दर फिल्म जिस चीज ने मंजुले के काम को अलग ठहराया है, वो यह है कि जीवन के ग्लैमरस संस्करण का चित्रण करने के बजाय उपेक्षित 'अन्यों' का चित्रण करना है। वह समझाने के लिए रूपकों का उपयोग करते हैं, ''अक्सर, जब लोग घर आ रहे होते हैं और घर में कचरा होता है तो हम उसे कोने में छिपा देते हैं। जो कुछ भी टूटा हुआ या क्षतिग्रस्त है, हम उसे प्रदर्शित नहीं करते हैं।

''जब भी कोई राजनेता किसी रास्ते से गुजर रहा होता है तो वह रास्ता साफ हो जाता है। हम ऐसे ही हैं और समाज भी ऐसा ही है।'' इसलिए, मंजुले, जो निर्देशक बनने से पहले एक शौकीन फिल्म दर्शक हैं, को कोई भी ऐसा पात्र नहीं मिला जो उन्हें किसी भी तरह से सोचने के लिए बाध्य करता हो, भले ही वह नाम से हो या उपस्थिति से। वह शांत भाव से कहते हैं, ''अधिकांशतया नागराज नाम का एक खलनायक था। मगर कोई नायक कभी नहीं। न ही मेरे जैसा दिखने वाला कोई। मैं कहना चाहता था कि मेरा भी वजूद है...जब मैंने फिल्में बनाना शुरू किया, तो मैंने सोचा कि इस बारे में क्या किया जाए। अगर मैं खड़ा हूं और दूसरे बैठे हैं, तो मेरे बारे में क्या ...। यह बात सभी के लिए लागू होती है। चाहे वह पिछड़े हो, महिलाएं... सबकी स्थिति एक जैसी है लेकिन वे अलग-अलग हैं। एक महिला दूसरी महिलाओं को अलग तरह से देखती है। दलित महिलाओं को उच्च जाति वालों से अलग माना जाता है। हम विभाजन गढ़ने में विशेषज्ञ हैं।''

बेशक, सबसे अच्छी बात यह थी कि मंजुले ने सैराट के साथ जैकपॉट पर कब्जा किया, जो 4 करोड़ रुपये के बजट पर बनी थी और अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मराठी फिल्म बनने के लिए कुल 110 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म को पंजाबी, कन्नड़, ओडिया, बंगाली और हिंदी (धड़क) सहित कई भारतीय भाषाओं में बनाया गया था, जिनमें से कोई भी वैसी सफलता नहीं पा पाई, जो मूल फिल्म ने प्राप्त की थी। मंजुले कहते हैं, ''हर फिल्म का एक इरादा होता है। अगर वह धुंधला हो जाता है, तो फिल्म एक अलग लाइन पर जाती है। सैराट मेरी फिल्म थी लेकिन रीमेक नहीं थी इसलिए मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। कोई भी फ्लॉप नहीं बनाता।

अगर इरादा यह सुनिश्चित करना है कि यह हिट फिल्म है, तो यह निर्माता का काम नहीं हुआ होता। मैं एक कहानी बताना चाहता था, यह सुनिश्चित नहीं करना चाहता था कि यह हिट हो। हमें इस बात की बारीकी देखनी चाहिए कि यह फिल्म हिट क्यों हुई। कभी-कभी मूल फिल्म इतनी बड़ी नहीं होती है लेकिन रीमेक हो जाती है ... वह भी हो सकता है और हमें उस पर भी गौर करना चाहिए।'' मंजुले के पास दो मराठी फिल्में हैं, जिनका उन्होंने निर्माण और अभिनय किया है और एक फिल्म ऐसी है, जिसे उन्होंने लिखा है। एक और प्रवृत्ति जो इसके साथ-साथ देखी गई है, वो यह है कि हिंदी सिनेमा को अब भारतीय सिनेमा के प्रतिनिधि के रूप में नहीं देखा जाता है। मंजुले कहते हैं, ''यह धीरे-धीरे हो रहा है और अगर यह आपकी भी प्रतिक्रिया है। दुनिया बदल रही है और चीजें बदल जाएंगी।''

कही जा रही कहानियों में भी आंशिक रूप से बदलाव देखने को मिल रहा है। ''नए निर्माता आ रहे हैं। जब आपके पास किसी भी चीज में विविधता नहीं होगी, तो वह मर जाएगी। प्रकृति भी यही कहती है। यह अच्छा है कि विविध सामग्री, अनुभव, कहानियां, पात्र, परिदृश्य सामने आ रहे हैं। अगर शहर के लोग ही फिल्में बनाते तो गांव नजरों से ओझल हो जाते। यदि पुरुष फिल्में बनाते हैं, तो वे महिलाओं के दृष्टिकोण को सामने नहीं रखेंगे, भले ही वे सहानुभूतिपूर्ण हों, क्योंकि उनका प्रत्यक्ष अनुभव नहीं होता है।

ओटीटी ने कई लोगों को अपनी आवाज उठाने के लिए एक मंच दिया है। मंजुले बताते हैं, ''हम कह सकते हैं कि इसमें सुधार हुआ है क्योंकि एक नया प्लेटफॉर्म आपको एक नया विकल्प और एक नया कंफर्ट जोन देता है। अगर आपको लगता है कि आपके पास बजट नहीं है या आपको आश्चर्य है कि किसी विशेष विषय की उपयोगिता होगी या नहीं, तो यह ओटीटी पर काम कर सकता है। इसने नए विकल्प और नए अवसर दिए हैं। यह एक नई दुनिया है। बहुत कुछ होगा और यह बड़े पर्दे को भी बदल देगा। हालांकि, रंगमंच बने रहेंगे। सवाल हमेशा उठाया गया है कि क्या केबल टीवी के पटल पर दिखाई देने पर भी बड़ी स्क्रीन बनी रहेगी। लेकिन ऐसा हुआ, भले ही वह बदल गया हो। रंगमंच का एक अलग स्वाद है।''

हालांकि, ओटीटी के आने से कंटेंट को देखने के तरीके में भी बदलाव आया है। मंजुले का कहना है,''ओटीटी एक शॉपिंग मॉल की तरह है, आप किसी भी तरह की तलाश कर सकते हैं। न केवल पूरे भारत से बल्कि पूरी दुनिया से फिल्में हैं।'' मंजुले आगे कहते हैं, ''लॉकडाऊन के बाद, हमें लोगों को बताना होगा कि झुंड थिएटर में रिलीज हो गई है। लोग थिएटर नहीं जा रहे हैं क्योंकि वे अब इसके अभ्यस्त नहीं रह गए हैं।'' यहां तक कि अगर आपके घर में थिएटर है, तो अकेले फिल्म देखना एक समूह के हिस्से के रूप में देखने की तुलना में एक अलग अनुभव है। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन्हें आप अकेले लैपटॉप पर देख सकते हैं। लेकिन फिल्मों का बड़े पर्दे पर सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, एक उचित साऊंड सिस्टम के साथ इसे पूरी तरह से अनुभव करने के लिए। यह एक अलग तरह का प्रभाव छोड़ता है।''

हालांकि वह जो फिल्में बनाते हैं वह प्रभाव छोड़ती है, मगर मंजुले की यात्रा भी सिल्वर स्क्रीन पर दिखाए जाने के योग्य है। ''मैं गलती से इंडस्ट्री में आ गया। मेरी फिल्म बनाने की कोई योजना नहीं थी। मैं सोच रहा था कि आजीविका के लिए क्या करूं। मुझे गलती से मास कॉम में प्रवेश मिल गया और मैंने एक लघु फिल्म बनाई। शुरुआत में किसी ने इसे ज्यादा पसंद नहीं किया लेकिन बाद में इसने राष्ट्रीय पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ बाल अभिनेता का पुरस्कार जीता। मुझे खुशी हुई और लोग भी मेरी क्षमताओं को लेकर थोड़ा और आश्वस्त हो गए।'' फिर, उन्होंने 30-40 दिनों में एक ही मसौदे में फैंड्री लिखी और उसे सुनाया। लोगों ने इसे पसंद किया और इसे कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिले। यह सिलसिला कुछ समय तक चलता रहा। इसके बाद उन्होंने सैराट बनाई और बाकी इतिहास है। बकौल मंजुले, ''पहले, मैंने कविताएं लिखीं और मैंने फिल्मों को खुद को व्यक्त करने का एक नया माध्यम पाया। मैंने इसके बारे में कभी सोचा नहीं था और चीजें बस हो गईं।'' मंजुले आगे कहते हैं कि उन्होंने पहले भी कई जगहों पर काम किया था। उनके शब्दों में, ''मैं दसवीं के बाद पुलिस बल में भर्ती हुआ और वहां 13 दिनों तक काम किया। मैंने उसे छोड़ दिया और पढ़ाई के लिए वापस चला गया।'' उन्होंने एक इस्त्री की दुकान में भी काम किया, फिर एक टेलीफोन बूथ और एक दुकान में चौकीदार के रूप में काम किया, लेकिन समझ नहीं पा रहे थे कि वह क्या करना चाहते हैं।

हालांकि, वह उन सारे सबकों के लिए आभारी हैं जो जीवन ने उन्हें रास्ते में सिखाए। उनका मानना है कि जिन समस्याओं का उन्होंने सामना किया, उन्होंने उनको बहुत कुछ सिखाया। ''कुछ भी बेकार नहीं जाता। हर समस्या आपको कुछ न कुछ सिखाती है। यह जरूरी नहीं है कि केवल सकारात्मक चीजें ही आपको कुछ सिखाएं। दूसरी ओर, मैंने स्कूल में जो कुछ भी पढ़ा, उसमें से बहुत कम किसी काम का साबित हुआ है। एकमात्र चीज जो उपयोग में आई, वो है साहित्य में प्रेमचंद, रवींद्रनाथ टैगोर, शरत चंद्र चट्टोपाध्याय और अन्य लोगों द्वारा लिखीं कहानियां जिन्होंने मुझे बहुत आशा और समझ प्रदान की है।'' अंत में बातचीत समाप्त करते हुए मंजुले कहते हैं। और ये उद्योग की स्थापित संरचनाओं को एक साथ फिल्म द्वारा थोड़ा-थोड़ा करके खरोंचने में सहायता करते हैं।

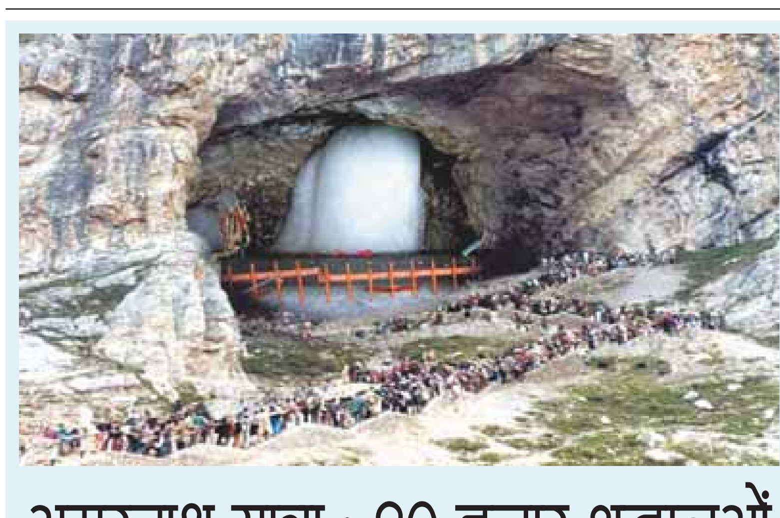

अमरनाथ यात्रा : 20 हजार श्रद्धालुओं की क्षमता का बनेगा यात्री निवास

जम्मू। जम्मू-कश्मीर प्रशासन दक्षिण कश्मीर स्थित अमरनाथ धाम की वार्षिक यात्रा में शामिल होने वाले श्रृद्धालुओं के लिए 20 हजार की क्षमता वाला यात्री निवास बना रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जम्मू संभाव के आयुक्त राघव लांगर ने बताया कि वर्ष 2020 और 2021 में कोविड-19 की वजह से 3,880 मीटर की उंचाई पर स्थित अमरानाथ गुफा तक की यात्रा सांकेतिक तौर पर आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि इस साल श्रद्धालुओं की संख्या बहुत अधिक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, इस साल बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है जिससे इस इलाके में पर्यटन की गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है जो पिछले दो साल से कोविड-19 की वजह से मंद थी।

श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईटी आधारित प्रौद्योगिकी पर अमल किया है

लांगर ने यह बात शुक्रवार को सरकारी विभागों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ बैठक की और वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। यह यात्रा आमतौर पर श्रावण (जुलाई और अगस्त) महीने पर चलती है। संभागीय आयुक्त ने कहा कि प्रशासन एक बार में 20 हजार लोगों के रहने की व्यवस्था कर रहा है। उन्होंने बताया कि श्राइन बोर्ड द्वारा तीन हजार बिस्तरों का यात्री निवास रामबन जिले के चंदरकोटे में बनाया गया है और इससे यात्रियों के रहने की सुविधा बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईटी आधारित प्रौद्योगिकी पर अमल किया है। बोर्ड ने इसबार वाहनों और यात्रियों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेन्टफकेशन (आरएफआडी) का इस्तेमाल करने का फैसला किया है।

बिहार और उत्तराखंड में गंगा की जल गुणवत्ता सुधरी

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अब जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) में कमी आने के साथ यहां इसका पानी नहाने योग्य है

नई दिल्ली। बिहार और उत्तराखंड राज्यों में गंगा नदी की जल गुणवत्ता में सुधार हुआ है और अब जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) में कमी आने के साथ यहां इसका पानी नहाने योग्य है। इससे स्पष्ट है कि नदी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। यह जानकारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई है। बीओडी पानी की गुणवत्ता तय करने का अहम मानक है। इसका अभिप्राय जैविक जंतुओं द्वारा ऑक्सीजन के उपभोग से है। निम्न मूल्य होने का अभिप्राय पानी की बेहतर गुणवत्ता से है। आंकड़ों के मुताबिक गंगा का पानी नहाने के मानक के अनुकूल मिला जो अन्य तथ्यों के साथ प्रति लीटर पानी में तीन मिलीग्राम बीओडी की मांग होने पर होता है। साझा किए गए आंकड़ों में गंगाजल की वर्ष 2015 और 2021 की तुलना की गई है। जिसके मुताबिक उत्तराखंड (हरिद्वार से सुल्तानपुर तक) और बिहार (बक्सर से भागलपुर तक)के हिस्से में गंगाजल में बीओडी का स्तर तीन मिलीग्राम प्रति लीटर रहा जो अप्रदूषित की श्रेणी में आता है। स्वच्छ गंगा के राष्ट्रीय मिशन (एनएमीजी) के महानिदेशक जी अशोक कुमार ने बताया कि गंगा नदी के दो अन्य मार्गों जो उत्तर प्रदेश के कन्नौज से वाराणसी के बीच और पश्चिम बंगाल में त्रिवेणी से डायमंड हार्बर के बीच प्रदूषण का स्तर श्रेणी पांच में रहा जो न्यूनतम है। इस श्रेणी में बीओडी का स्तर प्रति लीटर तीन से छह मिलीग्राम होता है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2015 के मुकाबले 2021 में जल गुणवत्ता में सुधार आया है क्योंकि बिहार में बीओडी का स्तर 7.8 से 27 मिलीग्राम प्रति लीटर (दूसरी श्रेणी) था जबकि उत्तर प्रदेश में यह तीसरी श्रेणी यानी 3.8 से 16.9 मिलीग्राम प्रति लीटर बीओडी थी। हालांकि, वर्ष 2015 के मुकाबले वर्ष 2021

में पश्चिम बंगाल से गुजरने वाली गंगा के हिस्से के बीओडी में बहुत सुधार नहीं हुआ और मामूली सुधार के साथ त्रिवेणी से डायमंड हार्बर तक यह पांचवी श्रेणी में बनी रही। यह 3.1 से 5.8 मिलीग्राम प्रति लीटर से घटकर 1.3 से 4.3 मिलीग्राम प्रति लीटर पर आ गई। उल्लेखनीय है कि बीओडी छह मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक होने पर पानी को प्रदूषित माना जाता है और उपचारात्मक कार्वाई की जरूरत होती है।

मकसद लगातार खुद को नए सिरे से पेश करना है : भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अदाकारा भूमि पेडनेकर ने खुद को बदल लिया है और वह वो किरदार बन जाती हैं जो उन्हें हर फिल्म में सौंपा गया होता है। भूमि अपनी अगली फिल्मों में अपनी पसंद की भूमिकाओं के साथ दर्शकों व प्रशंसकों को चौंकाना जारी रखना चाहती हैं।

भूमि की फिल्मों की शक्तिशाली स्लेट पर अनुभव सिन्हा की भेड़, अजय बहल की द लेडीकिलर, शशांक खेतान की गोविंदा आला रे, अक्षय कुमार अभिनीत रक्षा बंधन, सुधीर मिश्रा की अफवा और गौरी खान द्वारा निर्मित भक्षक और कुछ अभी तक अघोषित परियोजनाएं दर्ज हैं।

भूमि कहती हैं, ''मैं जो भी भूमिका निभाती हूं, उसके साथ कई तरह की चुनौतियां आती हैं। मैंने जिन महिलाओं की भूमिका निभाई है उनमें से अधिकांश उस व्यक्ति से बहुत दूर हैं जोकि मैं हूं, यानी जिस परिवार में मैं पैदा हुई हूं और भूमि के रूप में मेरे पास जो विशेषाधिकार हैं। इसलिए, शुरुआत करने वालों के लिए मुझे लगता है कि बस उस जीवन को अपना लो, जो उन्होंने जिया है, वो हमेशा मेरे लिए एक आंख खोलने वाला अनुभव होगा। इन किरदारों ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मैं चाहती हूं कि ऐसे और भी किरदार मुझे अपने करियर के दौरान लगातार जीवन के विभिन्न सबक सिखाते रहें।

भूमि, जो हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बधाई दो के बाद एक बड़ी बुलंदी पर है, की एलजीबीटीक्यूआईए समुदाय की समावेशिता का जश्न मनाने वाले विषय के लिए सराहना की गई, ''जाहिर है, मकसद अपनी आने वाली फिल्मों की स्लेट में खुद को लगातार नए सिरे से पेश करने का है। यह एक बहुत बड़ी चुनौती हो सकती है और मैं हर भूमिका के साथ अपनी क्षमतानुसार इसे करने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश करती हूं।'' वह आगे कहती हैं, '' तो, चाहे वह डीएलकेएच के साथ मेरी पहली फिल्म हो, जहां मैं अपने वजन के मुद्दों से जूझ रही थी या मेरी ताजा रिलीज फिल्म, बधाई दो हो, जहां मैं एक समलैंगिक भारतीय लड़की की भूमिका निभा रही थी, मुझे लगता है कि हर भूमिका के साथ सामाजिक पूर्वाग्रह आते हैं, आप समझते हैं आप कितने विशेषाधिकार प्राप्त हैं और विचार इन भूमिकाओं के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को सशक्त बनाने का है। समग्र रूप से चुनौतियां काफी एक जैसी होती हैं। यह सब सीखने और न सीखने के मसला है।''

अय्यर और बुमराह के खेल से भारत हावी

● दूसरा टेस्ट: भारत 252 रन पर सिमटा

●श्रीलंका की पहली पारी में छह पर 86 रन

भाषा। बेंगलुरू

बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिच पर श्रेयस अय्यर के बड़े अर्धशतक के बाद जसप्रीत बुमराह की धारदार गेंदबाजी से भारत ने 252 रन बनाने के बाद श्रीलंका का स्कोर छह विकेट पर 86 रन करके दिन-रात के दूसरे क्रिकेट के पहले दिन अपना पलड़ा भारी रखा। मैच के पहले दिन 16 विकेट गिरे जो दिन-रात्रि के टेस्ट में एक दिन में सर्वाधिक विकेट गिरने का नया रिकॉर्ड है। भारतीय बल्लेबाजों को जहां श्रीलंका के स्पिनरों की टर्न और असमान उछाल लेती गेंदों ने परेशान किया तो वहीं मेहमान टीम के बल्लेबाजों को मेजबान टीम के तेज गेंदबाजों ने मुश्किल में डाला। जसप्रीत बुमराह (15 रन पर तीन विकेट) और मोहम्मद शमी (18 रन पर दो विकेट) की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने मौजूदा दौरे पर मेहमान टीम की मुसीबतों को बरकरार रखा जबकि बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल (21 रन एक विकेट) ने भी एक विकेट चटकाया। दिन का खेल खत्म होने पर निरोशन डिकवेला 13 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि लसिथ एंबुलदेनिया ने अभी खाता नहीं खोला है। श्रीलंका की टीम अब भी 166 रन से पिछड़ रही है जबकि उसके सिर्फ चार विकेट बचे हैं। श्रीलंका की हालात और खराब होती लेकिन बुमराह के दिन के अंतिम ओवर में एंबुलदेनिया के खिलाफ पगबाधा की अपील पर भारत ने डीआरएस नहीं लिया और रीप्ले में दिखा कि गेंद लेग स्टंप से टकराती। इससे पहले अय्यर ने 98 गेंद में 10 चौकों और चार छक्कों से 92 रन की बेहतरीन पारी खेली। ऋषभ पंत (39) और हनुमा विहारी (31) ने भी उपयोगी पारियां खेली। बाएं हाथ के स्पिनरों प्रवीण जयविक्रम (81 रन पर तीन विकेट) और एंबुलदेनिया (94 रन पर तीन विकेट) के अलावा आफ स्पिनर धनंजय डिसिल्वा (32 रन पर दो विकेट) ने भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। मेजबान टीम की पारी 59.1 ओवर में सिमट गई। श्रीलंका के गेंदबाजों ने बीच-बीच में दिशाहीन गेंदबाजी भी और क्षेत्ररक्षकों ने कैच भी टपकाए। भारत के बाद श्रीलंका की शुरुआत भी खराब रही। टीम ने तीसरे ओवर में ही कुसाल मेंडिस (02) का विकेट गंवाया जिनका तीसरी स्लिप में अय्यर ने नीचा कैच पकड़ा। लाहिरू तिरिमाने (08) ने बुमराह पर लगातार दो चौके मारे लेकिन इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में स्लिप में अय्यर को कैच थमा बैठे। शमी ने अपनी पहली ही गेंद पर दिमुथ करूणारत्ने (04) को बोल्ड किया और फिर डिसिल्वा (10) को पगबाधा करके श्रीलंका का स्कोर चार विकेट पर 28 रन किया। एंजेलो मैथ्यूज (43) ने शमी पर दो चौकों के साथ दबाव कम करने की कोशिश की और फिर अक्षर का स्वागत छक्के के साथ किया लेकिन इस स्पिनर ने असालंका को रविचंद्रन अश्विन के हाथों कैच कराके श्रीलंका को पांचवां झटका दिया। मैथ्यूज और डिकवेला ने छठे विकेट के लिए 35 रन जोड़कर पारी को संभालने का प्रयास किया लेकिन बुमराह ने गेंदबाजी में वापसी करते हुए मैथ्यूज को स्लिप में कप्तान रोहित शर्मा के हाथों कैच करा दिया। इससे पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर बिलकुल भी घास नजर नहीं आ रही और भारत ने उम्मीद के मुताबिक टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 29 रन तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों मयंक अग्रवाल (04) और रोहित (15) के विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो ने अग्रवाल के खिलाफ पगबाधा की विश्वसनीय अपील की लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। अग्रवाल इसके बाद रन के लिए भागे लेकिन रोहित दो कदम आगे बढ़ने के बाद वापस लौट गए और अग्रवाल रन आउट हो गए। यह गेंद नोबॉल भी निकली। रोहित को एंबुलदेनिया ने दूसरी स्लिप में डिसिल्वा के हाथों कैच करा दिया। विहारी को जयविक्रम की गेंद पर अंपायर ने पगबाधा आउट दिया लेकिन डीआरएस लेने पर वह बच गए। वह हालांकि अपने स्कोर में इजाफा किए बगैर इसी स्पिनर की गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे। विराट कोहली (23) का टेस्ट शतक का दो साल से अधिक का इंतजार जारी रहा और वह डिसिल्वा की नीची गेंद को पूरी तरह से चूककर पगबाधा हुए। सुरंगा लकमल ने बाउंड्री के समीप पंत का कैच टपकाया। वह इस समय चार रन बनाकर खेल रहे थे। पंत ने चाय के बाद डिसिल्वा के ओवर में दो चौकों के साथ भारत का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। श्रीलंका के कप्तान करूणारत्ने ने इसके बाद एक बार फिर एंबुलदेनिया को गेंद थमाई जिन्होंने खतरनाक दिख रहे पंत को बोल्ड करके भारत को पांचवां झटका दिया। पंत ने सिर्फ 26 गेंद में सात चौकों की मदद से 39 रन बनाए। रविंद्र जडेजा भी सिर्फ चार रन बनाने के बाद एंबुलदेनिया की उछाल और टर्न लेती गेंद पर स्लिप में तिरिमाने को आसान कैच दे बैठे। अय्यर ने इस बीच आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की। उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे एंबुलदेनिया पर तीन चौके मारे। अय्यर और अश्विन (13) ने सातवें विकेट के लिए 35 रन जोड़े जिसके बाद डिसिल्वा ने अश्विन को विकेटकीपर के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। अय्यर ने डिसिल्वा पर दो छक्कों के साथ सिर्फ 54 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि अक्षर ने भी अपनी तीसरी ही गेंद पर एंबुलदेनिया पर छक्का जड़कर 49वें ओवर में टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। एंबुलदेनिया के इसी ओवर में अय्यर भाग्यशाली रहे जब मिडविकेट पर असालंका ने उनका कैच टपका दिया और उन्होंने इसका फायदा उठाकर अगली गेंद पर चौका जड़ दिया।

श्रेयस 92 रन

बुमराह विकेट 3

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी: मयंक रन आउट 04,रोहित का डिसिल्वा को एंबुलदेनिया 15, विहारी का डिकवेला बो जयविक्रम 31,कोहली पगबाधा बो डिसिल्वा 23, पंत बो एंबुलदेनिया 39,अय्यर स्टं डिकवेला बो जयविक्रम 92,जडेजा का तिरिमाने बो एंबुलदेनिया 04, अश्विन का डिकवेला बो डिसिल्वा 13, पटेल बो लकमल 09, शमी का डिसिल्वा बो जयविक्रम 05, बुमराह नाबाद 00,**अतिरिक्त:** 17,**कुल:** 59.1 ओवर में सभी विकेट खोकर: 252 रन,विकेट पतन: 1-10, 2-29, 3-76, 4-86, 5-126, 6-148, 7-183, 8-215, 9-229,**गेंदबाजी:**लकमल 8-3-12-1,फर्नांडो 3-0-18-0,एंबुलदेनिया 24-2-94-3,जयविक्रम 17.1-3-81-3,डिसिल्वा 7-1-32-2

श्रीलंका पहली पारी: मेंडिस का अय्यर बो बुमराह 02, करूणारत्ने बो शमी 04,तिरिमाने का अय्यर बो बुमराह 08,मैथ्यूज का रोहित बो बुमराह 43,डिसिल्वा पगबाधा बो शमी 10, असलंका का अश्विन बो अक्षर 05, डिकवेला खेल रहे है 13, एंबुलदेनिया खेल रहे है 00,अतिरिक्त: 01,**कुल:** 30 ओवर में छह विकेट पर: 86 रन,**विकेट पतन:** 1-2, 2-14, 3-14, 4-28, 5-50, 6-85 ,**गेंदबाजी:**बुमराह 7-3-15-3,अश्विन 6-1-16-0,शमी 6-1-18-2,जडेजा 6-1-15-0,अक्षर 5-1-21-1

पहले खिलाड़ियों के चयन में पारदर्शिता नही होती थी: मोदी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पहले प्रतियोगिताओ के लिए खिलाड़ियों का चयन करते हुए पारदर्शिता की कमी थी जिसके कारण खिलाड़ियों की प्रतिभा बर्बाद हो रही थी।प्रधानमंत्री मोदी यहां 11वें खेल महाकुंभ के उद्घाटन के दौरान बोल रहे थे जो गुजरात सरकार द्वारा आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता है। पहले प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों का चयन करते हुए पारदर्शिता की कमी थी जिसके कारण खिलाड़ियों की प्रतिभा बर्बाद हो रही थी। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें इस तरह की मुश्किलो का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब हालात बदल गए है और खिलाड़ियों को सफलता मिल रही है। स्वर्ण और रजत पदक की चमक से हमारे युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

विश्वनाथ की आत्मकथा रिस्ट एश्योर्ड का विमोचन

बेंगलुरू। पूर्व भारतीय कप्तान गुंडप्पा विश्वनाथ की आत्मकथा रिस्ट एश्योर्ड का शनिवार को यहां भारत और श्रीलंका के बीच दिन-रात के दूसरे टेस्ट के पहले दिन विमोचन किया गया। भारतीय इतिहास के शीर्ष बल्लेबाजो मे शामिल और अपनी कलात्मक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले विश्वनाथ की जीवनी के सह लेखक वरिष्ठ पत्रकार आर कौशिक है।

भारत के क्षितिज को खिताब

चटगांव। भारत के क्षितिज नवीद कौल ने अंतिम दौर मे चार अंडर-68 के शानदार स्कोर के साथ शनिवार को यहां छह शॉट से मुजीब बोरशो चटगांव ओपन 2022 गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। इक्कीस साल के क्षितिज कल तक पांच शॉट से आगे चल रहे थे। अंतिम दौर में उन्होंने आठ बर्डी की लेकिन साथ ही दो बोगी और एक डबल बोगी भी कर गए।

प्रीमियर लीग ने अब्रामोविच को डिस्क्वालीफाई किया

लंदन। प्रीमियर लीग ने शनिवार को रोमन अब्रामोविच को फुटबॉल क्लब चेल्सी के संचालन से प्रतिबंधित कर दिया। रूस के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद चेल्सी के रूस के मालिक अब्रामोविच को ब्रिटेन की सरकार ने प्रतिबंधित किया था। लीग के बोर्ड ने रूस के इस उद्योगपति को निदेशक के रूप मे डिस्क्वालीफाई करने का फैसला किया जिससे पश्चिम लंदन के इस क्लब पर उनका 19 साल का नियंत्रण खत्म होगा। इस फैसले का हालांकि खिलाड़ियों पर असर नही पड़ेगा।

हिमा दास इंडियन ग्रां प्री वन में भाग लेंगी

तिरूवनंतपुरम। हिमा दास समेत भारतीय फर्राटा धावक रविवार से यहां शुरू हो रही इंडियन ग्रां प्री वन एथलेटिक्स मीट मे हिस्सा लेंगे। अमोज जैकब , निर्मल टॉम और राजीव अरोकिया के अलावा अमलान बोरगोहेन और एन श्रीनिवास भी इस एक दिवसीय मीट मे भाग लेंगे।

शारजाह में त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी भारत की दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारत की दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ शारजाह में 13 से 19 मार्च तक त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला खेलेगी। भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ के अनुसार मुकाबलों का आयोजन शारजाह मे किया जाएगा।

मंधाना और हरमनप्रीत के शतक से भारत जीता

● महिला वनडे विश्व कप : वेस्टइंडीज को 155 रन से हराया

भाषा। हैमिल्टन

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और उपकप्तान हरमनप्रीत कौर के शतकों से भारत ने आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में शनिवार को वेस्टइंडीज को 155 रन से हराकर जीत की राह पर वापसी की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 317 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास में उसका सर्वोच्च स्कोर है। मंधाना ने अपना पांचवां वनडे शतक जड़ते हुए 123 गेंद में 13 चौकों और दो छक्कों की मदद से 119 रन बनाए। वहीं हरमनप्रीत ने 107 गेंद में 10 चौकों और दो छक्कों की सहायता से 109 रन जोड़े। यह उनका चौथा शतक है और विश्व कप 2017 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन बनाने के बाद पहला शतक है। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 184 रन की साझेदारी करके भारत को 200 रन के पार पहुंचाया। भारत के लिए महिला विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए यह सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले कप्तान मिताली राज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। वेस्टइंडीज के लिए अनीसा मोहम्मद ने 59 रन देकर दो विकेट लिए जबकि हेली मैथ्यूज, शकीरा सलमान, डिएंड्रा डोटिन और आलिया अलेने को एक एक विकेट मिले। यस्तिका भाटिया ने 21 गेंद में 31 रन बनाए और पहले विकेट की साझेदारी में सिर्फ 6.3 ओवर में 49 रन जोड़े। उनके आउट होने के बाद कप्तान मिताली (पांच) और दीप्ति शर्मा (15) भी जल्दी आउट हो गए। इसके बाद मंधाना और कौर ने 20 ओवर में 100 रन बनाकर भारत की पारी को आगे बढाया। भारत के 200 रन 35 . 4 ओवर में पूरे हुए। मंधाना ने अपना पहला अर्धशतक 66 गेंद में और दूसरा 43 गेंद में पूरा किया। उन्हें 96 के स्कोर पर एलेने ने जीवनदान भी दिया। इसके अलावा पगबाधा की एक अपील पर भी वह बच गई। इस जीत के साथ भारत तीन मैचों के बाद आठ टीमों में शीर्ष पर है। आस्ट्रेलिया , न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के भी चार अंक है लेकिन भारत का नेट रनरेट बेहतर है। जीत के लिए विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरूआत शानदार रही।सलामी बल्लेबाज डिएंड्रा डोटिन (62) और हेली मैथ्यूज (43) ने 12 .1 ओवर में 100 रन जोड़े। इसके बाद हालांकि स्पिनर स्नेह राणा और तेज गेंदबाज मेघना सिंह ने क्रमश: तीन और दो विकेट लेकर शीर्षक्रम को दबाव में ला दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर 19 ओवर के बाद चार विकेट

मिताली ने विश्व कप में कप्तानी का रिकॉर्ड तोड़ा

हैमिल्टन। भारत की एकदिवसीय कप्तान मिताली राज ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में सबसे ज्यादा मैचों मे कप्तानी का आस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 39 वर्ष की मिताली अब तक विश्व कप में 24 मैचों मे कप्तानी कर चुकी है जिनमें से 14 जीते , आठ हारे और एक का नतीजा नही निकला। क्लार्क ने 23 मैचो मे कप्तानी की है। भारतीय कप्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच मे यह उपलब्धि हासिल की। मिताली और क्लार्क ही दो क्रिकेटर है जो दो विश्व कप से अधिक अपनी टीम की कप्तानी कर चुकी है। पिछले रविवार को मिताली छह विकेट कप खेलने वाली पहली महिला और सचिन तेंदुलकर तथा जावेद मियांदाद के बाद तीसरी क्रिकेटर बन गई थी।

स्कोरबोर्ड

भारत महिला पारी : मंधाना का सलमान बो कोनेल 123,भाटिया का और बो सलमान 31, राज का कोनेल बो मैथ्यूज 5, दीप्ति का मैथ्यूज बो मोहम्मद 15,हरमनप्रीत का कैंपबेल बो अलेने 109, रिचा घोष रन आउट 5,वस्त्राकर का मैथ्यूज बो मोहम्मद 10, गोस्वामी का मोहम्मद बो डोटिन 2,राणा नाबाद 2,सिंह नाबाद1, **अतिरिक्त** : 14 रन, कुल योग : 50 ओवर में आठ विकेट पर 317 रन,विकेट पतन : 49-1, 58-2, 78-3, 262-4, 290-5, 311-6, 313-7, 315-8,**गेंदबाजी** : कोनेल 10- 0- 57-1, हेनरी 2-0-19-0, मैथ्यूज 10-0-65-1, सलमान 7-0-41-1, मोहम्मद 9-0-59- 2, डोटिन 5- 0-32-1, टेलर 3-0-18-0, अलेने 4- 0 -261

वेस्टइंडीज महिला पारी : डोटिन का मेघना बो राणा 62, मैथ्यूज का घोष बो राणा 43, नाइट का मंधाना बो मेघना 5, टेलर का घोष बो मेघना1,कैंपबेल का गायकवाड़ बो वस्त्राकर 11,नेशन रन आउट 19, हेनरी पगबाधा बो गायकवाड़ 7, अलेने रन आउट 4,मोहम्मद का भाटिया बो गोस्वामी 2, सलमान नाबाद 7,कोनेल का और बो राणा 0,अतिरिक्त : एक रन, कुल योग : 40 . 3 ओवर में 162 रन, **विकेट पतन** :1 -100, 2-108, 3- 112, 4-114, 5-127, 6-134, 7-145, 8-155, 9-157, **गेंदबाजी** : झूलन 6-1-43-1, मेघना 6-0-27-2, दीप्ति 7-2-24-0, गायकवाड़ 10-3-24-1, वस्त्राकर 2-0-21-1, राणा 9.3-1-22-3

क्राली और रूट ने इंग्लैंड को 153 रन की बढ़त दिलाई

भाषा। सेंट जोंस

जाक क्रॉली और जो रूट के बीच 193 रन की अटूट साझेदारी के दम पर इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में 153 रन की बढत बना ली। सलामी बल्लेबाज क्रॉली और कप्तान रूट इंग्लैंड को चौथे दिन का खेल समाप्त होने पर दूसरी पारी में एक विकेट पर 217 रन पर ले गए। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 375 रन बनाकर 64 रन की बढ़त ली थी। इंग्लैंड की दूसरी पारी में एलेक्स लीस को तेज गेंदबाज केमार रोच ने दूसरी बार आउट किया। वह पहली पारी में चार रन बनाने के बाद दूसरी पारी में छह रन ही बना सके। क्रॉली खाता खोले बिना ही पहले ओवर में रोच का शिकार हो गए थे लेकिन डीआरएस के बाद फैसला बदल दिया गया। इसके बाद क्रॉली ने कोई मौका नहीं दिया और बेदाग पारी खेली। भारी बारिश और खराब मौसम के कारण इंग्लैंड की 64वीं पारी में खेल रोकना पड़ा। क्रॉली ने सपाट पिच पर 200 गेंद में 16 चौकों की मदद से नाबाद 117 रन बनाए। दूसरे छोर पर रूट 158 गेंद में 84 रन बनाकर खेल रहे हैं।

ख्वाजा के शतक से आस्ट्रेलिया के तीन विकेट पर 251 रन

कराची। पाकिस्तान में जन्मे सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के शतक की मदद से आस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन तीन विकेट पर 251 रन बना लिए। ख्वाजा 266 गेंदों पर 127 रन बनाकर खेल रहे हैं। रावलपिंडी में सपाट पिच पर ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में शतक से तीन रन से चूके ख्वाजा ने एक और निर्जीव पिच पर उम्दा पारी खेली। ख्वाजा और स्टीव स्मिथ (72) ने तीसरे विकेट के लिए 159 रन जोड़े। पाकिस्तान ने दूसरी नई गेंद लेने के बाद इस साझेदारी को तोड़ा जब फहीम अशरफ ने हसन अली की गेंद पर स्लिप में नीचे की ओर जाता शानदार कैच लपका। नाथन लियोन ने अभी खाता नहीं खोला है। उन्हें दिन की आखिरी गेंद पर जीवनदान मिला जब इमामुल हक फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर उनका कैच नहीं लपक सके। गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी थे। पाकिस्तान ने आखिरी सत्र में 26 ओवर स्पिनरों से कराए लेकिन इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा। ख्वाजा ने 193 गेंद में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से शतक पूरा किया। पिछली 27 पारियों से टेस्ट शतक का इंतजार कर रहे स्मिथ ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाया। इससे पहले दूसरे सत्र में पाकिस्तानी गेंदबाजों को कोई विकेट नहीं मिला।

कुशाग्र के शतक से झारखंड का विशाल स्कोर

कोलकाता। कुमार कुशाग्र के नाबाद 112 रन और विराट सिंह के 107 रन की मदद से झारखंड ने नगालैंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्री क्वार्टर फाइनल मैच के पहले दिन पांच विकेट पर 405 रन बनाए। नगालैंड के कप्तान रोंगसेन जोनाथन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। झारखंड ने उत्कर्ष सिंह (36) और मोहम्मद नाजिम (28) के विकेट गंवा दिए लेकिन तीसरे नंबर पर उतरे कुमार सूरज और कप्तान सौरभ तिवारी ने 62 रन की साझेदारी की। सूरज ने 11 चौकों और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाए जबकि तिवारी ने 29 रन जोड़े। तिवारी के आउट होने के बाद विराट सिंह आए जिन्होंने पहले सूरज के साथ 60 रन जोड़े और बाद में कुशाग्र के रूप में उन्हें बेहतरीन साझेदार मिली। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 213 गेंद में 175 रन बनाए। कुशाग्र के साथ अनुकूल रॉय 21 रन बनाकर खेल रहे हैं।

आरसीबी ने डु प्लेसी को नया कप्तान नियुक्त किया

बेंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी को अपनी टीम का नया कप्तान नियुक्त किया। चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे डु प्लेसी को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपा जाना लगभग तय था क्योंकि विराट कोहली ने लगभग एक दशक तक टीम की अगुआई करने के बाद पिछले सत्र के बाद कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी। कोहली की कप्तानी में टीम आईपीएल खिताब जीतने में नाकाम रही। आरसीबी ने डु प्लेसी को नीलामी में सात करोड़ रुपए में खरीदा था और वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। टीम के अध्यक्ष प्रथमेश मिश्रा और क्रिकेट संचालन निदेशक माइक हेसन ने यहां एक आनलाइन कार्यक्रम के दौरान डु प्लेसी को कैप सौंपी। वर्ष 2020 में सभी प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी छोड़ने वाले डु प्लेसी ने कहा, बेशक बाहरी खिलाड़ी होने के कारण इस मौके के लिए मैं बेहद आभारी हूं। आईपीएल में अब तक 100 मैच खेलने वाले 37 साल के डु प्लेसी ने 2935 रन बनाए हैं और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 131 से अधिक का रहा।

वंशज, अमन फाइनल में

भाषा। नई दिल्ली

● एशियाई युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी

भारतीय मुक्केबाजों वंशज (63.5 किग्रा) और अमन सिंह बिष्ट (92 किग्रा) ने दबदबे वाली जीत के साथ शनिवार को जोर्डन के अम्मान में चल रही 2022 एएसबीसी एशियाई युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप के युवा पुरुष फाइनल में जगह बनाई। पिछले टूर्नामेंट के रजत पदक विजेता वंशज ने सीरिया के अहमद नाबा को हराया जब रैफरी को पहले दौर में ही मुकाबला बीच में रोकना पड़ा। अमन ने शुक्रवार देर रात सेमीफाइनल में कजाखस्तान के टिम ओफेपोटाशोव को 4-0 से शिकस्त दी। युवा वर्ग के एक अन्य मुक्केबाज आनंद यादव को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। उन्हें 54 किग्रा सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के अब्दुवली बुरिबोएव के खिलाफ 3-2 से विजेता घोषित किया गया था लेकिन विरोधी खिलाड़ी के विरोध दर्ज कराने पर फैसला बदल दिया गया। विश्वनाथ (48 किग्रा), वंशज और अमन युवा पुरुष फाइनल में हिस्सा लेंगे जबकि सात महिला मुक्केबाज सोमवार को फाइनल में उतरेंगी। जूनियर वर्ग के फाइनल रविवार होंगे जिसमें भारत के 11 पुरुष और चार महिला मुक्केबाजों सहित कुल 15 मुक्केबाज स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। जूनियर वर्ग में 21 और युवा वर्ग में 18 पदक के साथ भारत पहले ही इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट में 39 पदक पक्के कर चुका है। आयु वर्ग के इस टूर्नामेंट में पुरुष और महिला वर्ग के युवा और जूनियर मुकाबले एक साथ हो रहे हैं। भारत ने 2021 में दुबई में पिछले टूर्नामेंट में 14 स्वर्ण सहित 39 पदक जीते थे।

विश्वकप की सबसे सफल गेंदबाजी बनी झूलन

भाषा। हैमिटल्टन

भारत की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने शनिवार को अपने 22 साल के करियर में एक और उपलब्धि हासिल की जब वह यहां आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के इतिहास की सबसे सफल गेंदबाज बनीं। झूलन ने 40 विकेट के साथ आस्ट्रेलिया की लेनेट फुलस्टन को पीछे छोड़ा जिन्होंने 1982 से 1988 के बीच छह साल के अपने करियर के दौरान विश्व कप में 39 विकेट चटकाए। झूलन ने वेस्टइंडीज की पारी के 36वें ओवर में अनीसा मोहम्मद को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। वेस्टइंडीज की टीम भारत के 318 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 162 रन पर सिमट गई। विश्व कप की सबसे सफल गेंदबाजों की सूची में अब झूलन शीर्ष पर हैं जबकि उनके बाद फुलस्टन, इंग्लैंड की कैरोल हॉजेस (37 विकेट) और क्लेयर टेलर (36) तथा आस्ट्रेलिया की कैथरीन फिट्जपैट्रिक (33) का नंबर आता है।

दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है हरमनप्रीत : मंधाना

हैमिल्टन। भारत की स्टायलिश बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा है कि हरमनप्रीत दबाव मे होने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है। दोनो ने वेस्टइंडीज के खिलाफ महिला विश्व कप के मैच मे शतक जमाकर भारत को 155 रन से जीत दिलाई। स्मृति ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह मे अपना प्लेयर आफ द मैच पुरस्कार हरमनप्रीत के साथ साझा करते हुए कहा , मुझे लगता है कि जब उस पर दबाव बना होता है तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है। यह हम सभी ने देखा है। वह काफी मेहनत करती रहती है। विश्व कप में हमेशा वह बेहतरीन प्रदर्शन करती है। वह हमारे मध्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे आगे के मैचो में उसका आत्मविश्वास बढेगा। दोनों के बीच 184 रन की रिकॉर्ड साझेदारी के बारे में स्मृति ने कहा , जब वह बल्लेबाजी के लिए आई तो हालात पेचीदा थे। मै नही चाहती थी कि उसका फोकस टूटे या उसका विकेट जाए। एक बार 30 . 40 पर पहुंचने के बाद मजा आने लगा। उसके बाद हमने काफी बात की। वह आज बहुत मुस्कुरा रही थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद टीम ने काफी आत्मंथन किया। स्मृति ने बताया , हमने पिछले मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में काफी बात की।

शूट आउट में हारी भारतीय महिला हॉकी टीम

●प्रो लीग : जर्मनी की टीम 1-2 से जीती

भाषा। भुवनेश्वर

भारतीय महिला हॉकी टीम को शनिवार को यहां एफआईएच प्रो लीग के दो चरण के मुकाबले के पहले मैच में जर्मनी के खिलाफ शूट आउट में 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। कलिंगा स्टेडियम में नियमित समय के बाद दोनों टीम 1-1 से बराबरी थी। दुनिया की नौवें नंबर की टीम भारत और पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के बीच रोमांचक मुकाबले के नींव शुरुआती पांच मिनट में ही रखी जा चुकी थी। नवनीत कौर ने चौथे ही मिनट में भारत को बढ़त दिलाई लेकिन मेजबान टीम इस गोल का जश्न मना पाती इससे पहले अगले ही मिनट में केर्लोटा सिपेल ने स्कोर 1-1 कर दिया। दोनों टीमों को इसके बाद गोल करने के ढेरों मौके मिले लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली जिससे 60 मिनट के नियमित समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था और मैच शूट आउट में खिंचा जहां जर्मनी की टीम ने बाजी मार ली। शूट आउट में भारत की ओर से नवनीत ही गोल दाग सकी जबकि शर्मिला देवी, नेहा गोयल, लारेमसियामी और मोनिका नाकाम रही। जर्मनी की ओर से पॉलिन हेंज और सारा स्ट्रॉस ने गोल करके अपनी टीम को जीत दिलाई। प्रो लीग में पदार्पण कर रही भारतीय महिला टीम ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए मस्कट में शुरुआती दो मैच में चीन को 7-1 और 2-1 से हराया था।

साथियान ने जीत के साथ शुरुआत की

भाषा। नई दिल्ली

● शरत और मनिका सिंगापुर स्मैश से बाहर

भारत के दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान ने 20 लाख डॉलर इनामी सिंगापुर स्मैश 2022 टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को यहां चीनी ताइपे के पेंग युव इन कोएन के खिलाफ 11-6, 8-11, 11-9, 11-8 की जीत के साथ की। दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी साथियान को 140वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी। साथियान अगले दौर में दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी चीन के लिन गाओयुआन और दक्षिण कोरिया के 59वें नंबर के खिलाड़ी लिम जोंगहुन के बीच होने वाले राउंड आफ 64 मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। दुनिया के 34वें नंबर के अनुभवी खिलाड़ी शरत कमल को हालांकि 40 मिनट से भी कम समय में स्वीडन के 31वें नंबर के खिलाड़ी एंटोन कालबर्ग के खिलाफ 1-3 (11-6, 7-11, 6-11, 8-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत की एक अन्य दिग्गज खिलाड़ी मनिका बत्रा भी मो झेंग के खिलाफ हार के साथ पहले दौर में बाहर हो गई। दुनिया की 46वें नंबर की खिलाड़ी मनिका को चीनी मूल की कनाडाई खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद 12-14, 12-10, 13-11, 11-8 से शिकस्त झेलनी पड़ी।